संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | ऊना, शुक्रवार, 28 अप्रैल 2023 | ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 12 अंकः 115 पृष्ठः 12 | RNI : HPHIN/2012/48072

actionindiauna@gmail.com | हिमाचल संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पंचतत्व में विलीन हो गए। पैतृक गांव बादल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बेटे सुखबीर बादल ने उन्हें मुखाग्नि दी।

'रेवड़ी कल्चर' को करना होगा खत्मः मोदी

कार्यकर्ताओं को किया संबोधितः मुफ्त की रेवड़ी की राजनीति की वजह से कई राज्य बेतहाशा खर्च अपनी दलगत भलाई के लिए कर रहेः मोदी

"बूथ जीतेंगे चुनाव जीतेंगे"

= सत्ता और भ्रष्टाचार का साधन बना दिया है। सत्ता को हासिल करने के लिए वे 'साम दाम दण्ड भेद' हर तरीके का इस्तेमाल कर रहे हैं

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

कुछ राजनीतिक दलों ने राजनीति को सिर्फ सत्ता और भ्रष्टाचार का साधन बना दिया है। इन दलों को देश के भविष्य, आने वाले पीढ़ियों और कनार्टक के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। ये कहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए कर्नाटक में बीजेपी के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया है। इस दौरान उन्होंने चुनावी मंत्र देते हुए कहा, "बूथ जीतेंगे तभी चुनाव जीतेंगे।"

रेवड़ी कल्चर को छोड़ना होगा पीछेः पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में कुछ राजनीतिक दलों ने 'राजनीति' को सिर्फ सत्ता और भ्रष्टाचार का साधन बना दिया है। सत्ता को हासिल करने के लिए वे 'साम दाम दण्ड भेद' हर तरीके का इस्तेमाल कर रहे हैं। साथ ही इन पार्टियों को देश के भविष्य की, आने वाले पीढ़ियों की, कनार्टक के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। मुफ्त की रेवड़ी की राजनीति की वजह से कई राज्य बेतहाशा खर्च अपनी दलगत भलाई के लिए कर रहे हैं। राज्य डूबते चले जा रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों का भी ये खा जा रहे हैं।

विरोधियों पर पीएम मोदी का हल्ला बोल

प्रधानमंत्री ने बताया कि बीजेपी आने वाले 25 सालों में भारत के विकास को लेकर रोड मैप पर काम कर रही है जबकि विरोधियों का एजेंडा सत्ता हथियाना है और हमारा एजेंडा देश को 25 सालों में विकसित करना है साथ ही गरीबी से भी मुक्त करना है।

9 सालों में एम्स की संख्या तीन गुना बढ़ीः पीएम मोदी ने पिछली सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि 60 सालों में एम्स की संख्या 1 से बढ़कर 7 हुई जबकि बीजेपी सरकार आने के बाद सिर्फ 9 सालों में हमने देश में एम्स की संख्या को तीन गुना बढ़ा दिया। ये ताकत है डबल इंजन सरकार की। अब देश में 20 एम्स हैं और 3 एम्स पर काम चल रहा है।

पीएम मोदी जहरीले सांप जैसेः खड़गे

टीम एक्शन इंडिया/बेंगलुरु

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीला सांप कहा है। कर्नाटक के कलबुरगी में गुरुवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी जहरीले सांप की तरह हैं। आप सोच सकते हैं कि यह जहर है या नहीं, लेकिन यदि आप उसे चखेंगे, तो आपकी मौत हो जाएगी। इसके बाद रोन में हुई सभा में खड़गे ने कहा कि भ्रष्ट भाजपा सरकार राज्य को लूट रही है।

यहां हर काम के लिए 40% कमीशन वसूला जाता है। भाजपा की सरकार उन लोगों को देश से भगाने में मदद करती है, जिन पर घोटालों का आरोप लगा होता है। पीएम खुद भ्रष्ट लोगों को बचाने में लगे हैं। इससे पहले, पीएम ने आज कर्नाटक के 50 लाख बीजेपी कार्यकर्ताओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कांग्रेस पर चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मतलब है झूठी गारंटी, कांग्रेस का मतलब है भ्रष्टाचार की गारंटी। इसके जवाब में खड़गे ने पूछा कि क्या पीएम मोदी के पास यह साबित करने के लिए कोई डेटा है कि कांग्रेस के वादे पूरे नहीं हुए।

पीएम ने निराशा में की अपमानजनक टिप्पणीः वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि 10 मई को कर्नाटक की जनता बीजेपी के 40% कमीशन वाली सरकार को खत्म करने की गारंटी देगी। राज्य में कांग्रेस की गारंटी लागू की जाएगी, जैसे हमने राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में की है।

समलैंगिक विवाह के सवाल पर विश्वव्यापी सर्वेक्षण में सहभागी बनें

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

देशभर में एक गंभीर और व्यापक बहस छिड़ी हुई है। यह समलैंगिक विवाह के संबंध में है। समलैंगिक विवाह की इस बहस के बीच दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रबोधन केन्द्र ने एक देशव्यापी ही नहीं बल्कि विश्वव्यापी सर्वेक्षण शुरू किया है। इसमें मुख्य रूप से चार सवालों पर लोगों की राय मांगी गई है। दृष्टि अध्ययन केन्द्र का समलैंगिक विवाह के बारे में पहला प्रश्न है- क्या आप मानते हैं कि भारत में समलिंगी विवाह एक गंभीर सामाजिक विषय है? दूसरा, क्या आपको लगता है समलिंगी संबंध नैसर्गिक है? तीसरा, भारत में क्या समलिंगी विवाह को वैधानिक मान्यता देना उचित होगा? और चौथा, क्या भारत में समलिंगी विवाह को वैधानिक मान्यता मिलने से भारतीय समाज पर अनुचित परिणाम होंगे?

कृषि यंत्रीकरण के तहत किए 6120.85 करोड़ रुपये खर्चः तोमर

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मोदी सरकार किसानों की हरसंभव मदद कर रही है। किसान टेक्नोलॉजी का खेती में अधिक से अधिक उपयोग करें, इस बाबत व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने गुरुवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री व ट्रैक्टर एंड मैकेनाइजेशन एसोसिएशन की ओर से फार्म मशीनरी टेक्नोलॉजी पर आयोजित शिखर सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए अपनी बात साझा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन के तहत प्रशिक्षण, परीक्षण, सीएचसी, हाई-टेक हब, फार्म मशीनरी बैंकों की स्थापना जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए वर्ष 2014-15 से 2022-23 तक राज्यों को 6120.85 करोड़ रुपये की राशि केन्द्र की ओर से जारी की गई है।

पीएम आज करेंगे 91 एफएम ट्रांसमीटरों का उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 फरवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 100 वॉट के 91 एफएम ट्रांसमीटरों का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन देश में रेडियो कनेक्टिविटी को और बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार 91 नए 100 वॉट एफएम ट्रांसमीटर 18 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 84 जिलों में स्थापित किए गए हैं। इस विस्तार का विशेष ध्यान आकांक्षी जिलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में कवरेज बढ़ाने पर रहा है। कवर होने वालों में बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, नगालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, लद्दाख और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं।

सूडान से 613 लोग भारत एयरलिफ्ट

टीम एक्शन इंडिया/खार्तूम/नई दिल्ली

सूडान में सिविल वॉर के बीच ऑपरेशन कावेरी के तहत भारतीयों को निकाला जा रहा है। इसके दूसरे दिन देर रात 367 नागरिकों का पहला बैच सऊदी अरब के जेद्दाह से नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा। इनमें 9 लोग तमिलनाडु के थे जो गुरुवार सुबह दिल्ली से चेन्नई पहुंच गए। एयरपोर्ट पर लोगों ने 'भारत माता की जय, इंडियन आर्मी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए। रेस्क्यू की गई एक बच्ची ने कहा- हम वहां किसी भी पल मारे जा सकते थे। इसके अलावा गुरुवार दोपहर 246 भारतीयों के दूसरा बैच

को IAF के C17 ग्लोबमास्टर से मुंबई लाया गया।

विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने गुरुवार को मिशन कावेरी पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद जल्द से जल्द अपने लोगों को सेफ जगह भेजकर उन्हें भारत लाना है। सूडान में हालात बेहद खराब हैं, हम हर भारतीय को वहां से बाहर निकालेंगे।

सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ा दी है। केस की जांच सीबीआई कर रही है। वहीं, सीबीआई केस में जमानत को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट सुनवाई के दौरान बेंच ने सीबीआई से कहा कि अगर आपके पास वो सबूत हैं, जिन पर आपको भरोसा है, तो हमें भी दिखाएं।

ईडी केस में जमानत पर फैसला 28 अप्रैल तक टलाः दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला 28 अप्रैल तक टाल दिया है। इसके पहले, सीबीआई ने पहली बार अपनी चार्जशीट में मनीष सिसोदिया का नाम आरोपी के तौर पर कोर्ट में पेश किया। सीबीआई ने मंगलवार को ही राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। सिसोदिया के अलावा जांच एजेंसी की चार्जशीट में हैदराबाद के सीए बुच्ची बाबू गोरंटला, अर्जुन पांडे और अमनदीप सिंह ढल का भी नाम आरोपी के रूप में शामिल है। कोर्ट चार्जशीट पर 12 मई को सुनवाई करेगा। बुच्ची बाबू गोरंटला तेलंगाना के सीएम चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता हैं।

बघेल ने जवानों की पार्थिव देह को दिया कंधा

टीम एक्शन इंडिया/दंतेवाडा

छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा के अरनपुर में शहीद हुए 10 जवानों को अंतिम सलामी दी गई। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री बघेल के साथ गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू भी दंतेवाड़ा पहुंचे हैं। दोनों नेताओं ने शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को कंधा भी दिया। इसके बाद वह जवानों के परिजनों से भी मिले। मुख्यमंत्री यहां पर अफसरों के साथ उच्च स्तरीय बैठक भी लेंगे। शहीद जवानों के पार्थिव शरीरों को उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किए जा रहे हैं।

नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगाः मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, हमारे जवानों ने नक्सलियों से लड़ते हुए शहादत

दी है। उनकी ये शहादत बेकार नहीं जाएगी। नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई अब और तेज होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, नक्सलियों को हमारे जवान घेरकर जंगल में मारते हैं और उनके शवों को लेकर भी आते हैं। नक्सलियों को अब मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उनको अब ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा। लगातार नक्सलियों का दायरा घटता जा रहा है।

परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासनः मुख्यमंत्री बघेल ने पुलिस लाइन में शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। जवानों को श्रद्धांजलि देने पीसीसी चीफ मोहन मरकाम, बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी आदि मौजूद रहे।

जंतर-मंतरः पहलवानों को अब मिला जयंत चौधरी का साथ

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर खिलाड़ियों का धरना पांचवें दिन भी जारी है। इसी कड़ी में धरने पर बैठे पहलवानों को अब राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी का भी साथ मिल गया है

डर का माहौल बनाया गयाः गुरुवार

को जंतर मंतर पहुंचे जयंत ने कहा कि गंभीर और संवेदनशील आरोप है। डर का माहौल बनाया गया है। सरकार को तीन महीने पहले ही खिलाड़ियों की बात माननी चाहिए थी। अब इस मामले में तुरंत केस दर्ज होना चाहिए। इसके साथ ही हरियाणा से कई खाप पंचायत के सदस्य भी जंतर मंतर पर धरना दे रहे खिलाड़ियों का समर्थन करने पहुंचे हैं।

खिलाड़ियों के साथ न्याय होना चाहिएः इसी कड़ी में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकेत भी जंतर मंतर पर धरना दे रहे खिलाड़ियों का समर्थन करने पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के साथ न्याय होना चाहिए। यह बहुत शर्मनाक है कि देश के गौरव को न्याय के लिए धरने पर बैठना पड़ रहा है। बृजभूषण के खिलाफ तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि इससे पहले कल बुधवार को बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने धरनास्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों का समर्थन किया था।

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश

उत्तराखंड की चारधाम यात्रा 22 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। यात्रा के चौथे धाम बद्रीनाथ के कपाट गुरुवार को खुल गए हैं। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर पहली पूजा की गई है। बद्रीनाथ धाम को 15 क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया गया है। सुबह से ही बद्रीनाथ धाम के बाहर बर्फबारी हो रही है। इसके बाद भी सैकड़ों श्रद्धालु धाम के बाहर जुटे रहे। इस दौरान आर्मी बैंड धुनें बजाता रहा और लोगों ने जय बद्री विशाल के नारे लगाए।

'भाजपा शिमला निगम चुनाव जीतेगी'

टीम एक्शन इंडिया/शिमला

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि मोदी व प्रदेश की पूर्व जयराम सरकार की उपलब्धियों के बूते भाजपा शिमला नगर निगम चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि पर्वतमाला प्रोजेक्ट के तहत शिमला के लिए रोपवे के साथ साथ स्काई रेल भी बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हिमाचल को करोड़ों के प्रोजेक्टों की सौगात दी है। कालका- शिमला फोरलेन पर काम तेजी से चल रहा है। नंगल - तलवाड़ा रेल लाइन का काम लगभग पूरा हो गया है। भानुपली-बिलासपुर रेल प्रोजेक्ट के लिए केंद्र ने इस साल एक हजार करोड़ मंजूर किए हैं। राज्य सरकार इसमें अपने हिस्से की रकम नहीं दे रही। अनुराग ठाकुर शिमला में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक ओर केंद्र सरकार राज्य को करोड़ों की सौगातें दे रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की सुखविंदर सरकार 4 माह में अब तक 6 हजार करोड़ का कर्ज ले चुकी है। सरकार रोजाना औसतन करीब 40 करोड़ कर्ज ले रही है। उन्होंने कहा कि देश की चौथी वंदे भारत ट्रेन हिमाचल प्रदेश को मिली है। कालका-शिमला ,जालंधर-नादौन व मटौर जैसी सडके फोरलेन और प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना जैसी सडकों पर हजारों कराड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 6500 करोड़ रुपए के स्मार्ट सिटी प्रोजैक्ट स्वीकृत किए हैं। जिससे आज शिमला शहर साफ. सुधरा व व्यवस्थित शहर नजर आता है।

पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में अनुराग ठाकुर ने कहा है कि पहले से चल रहे प्रोजैक्टों पर वाटर सैस लगाना समझौतों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आय के साधन बढ़ाने के लिए स्वतंत्र है , लेकिन इसके लिए पहले किए गए समझौतों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता।

आईजीएमसी शिमला में हुई आगजनी की घटना का सीपीएस संजय अवस्थी ने लिया जायजा

कहा आगजनी से 50 से 60 लाख के नुकसान की आशंका, नहीं हुआ कोई जानी नुकसान

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

मुख्य संसदीय सचिव (स्वास्थ्य, लोक निर्माण एवं सूचना एवं जन संपर्क) संजय अवस्थी ने गत सुबह शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के नये ओपीडी भवन के कैफेटेरिया में हुई आगजनी की घटना के उपरांत तुरंत मौके पर पहुंचकर आग लगने के कारणों की जानकारी हासिल की तथा मरीजों की सुरक्षा के साथ-साथ आगजनी से हुए नुकसान का जायजा भी लिया। इस आगजनी में किसी भी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ है जबकि लगभग 50 से 60 लाख रुपए की अनुमानित राशि के नुकसान की आशंका जताई गई है जिसमें कैफेटेरिया के साथ-साथ

लिफ्ट को भी नुकसान की आशंका है। संजय अवस्थी ने अस्पताल प्रशासन को लापरवाही बरतने के लिए कैफेटेरिया संचालक के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबध में चिकित्सा अधीक्षक को निर्धारित समय अवधि के भीतर जांच पूर्ण कर रिर्पोट सरकार को भेजने के निर्देश भी दिए।उन्होंने कहा कि आईजीएमसी शिमला के नये ओपीडी भवन के सबसे ऊपर वाली मंजिल में संचालित कैफेटेरिया में आज प्रातः लगभग 8:30 बजे गैस सिलेंडर की लीकेज के कारण आगजनी की घटना हुई। उन्होंने कहा कि जैसे की गैस सिलेंडर में आग लगी उसके कुछ ही मिनटों बाद धमाके की आवाज आई जिससे पूरे कैफेटेरिया में आगजनी हो गई। उन्होंने कहा कि जैसे ही इस सम्बध में अस्पताल प्रशासन को सूचना प्राप्त हुई उन्होंने तुरन्त अग्निशमन विभाग से संपर्क करने के साथ-साथ मौके पर पहुंचकर चैकअप के लिए आए मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालते हुए नये ओपीडी भवन को खाली कर दिया। उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने तुरन्त आईजीएमसी पहुंचकर आग पर काबू पाया और नये ओपीडी भवन में बड़े हादसे को रोकने में सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि आगजनी की घटना को रोकने में अग्निशमन विभाग का कार्य सराहनीय रहा। उन्होंने तत्परता से कार्य करते हुए आग पर काबू पाया।उन्होंने कहा मरीजों को कोई परेशानी न हो इसलिए नये भवन की सभी ओपीडी को पुराने भवन में स्थानांतरित कर सुचारू रखा गया है और दो-तीन दिनों के भीतर इस ओपीडी को पुनः नये ओपीडी भवन में शिफ्ट कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एफ आईआर पंजीकृत कर दी गई है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक हरीश जनारथा, आईजीएमसी प्रधानाचार्य डा. सीता ठाकुर, अतिरिक्त निदेशक स्वास्थ्य ईशा ठाकुर, चिकित्सा अधीक्षक डा. राहुल राव, चिकित्सा उप अधीक्षक डा. अमन, एचओडी डा. सुरेन्द्र सहित अस्पताल प्रशासन के अधिकारी व अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

शिमला में केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के मुख्य प्रतिनिधि फुन्त्सोक त्सेवान्ग ने आज राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने 'थंका पेंटिंग' भेंट कर राज्यपाल को सम्मानित भी किया।

न्यूज फ्लैश

राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हवाई संपर्क सेवाएं होंगी सुदृढ़

टीम एक्शन इंडिया/शिमला

हिमाचल में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में राज्य के कई अनछुए गंतव्य स्थलों की ओर देश और विदेश के पर्यटक आकर्षित हो रहे हैं। प्रदेश सरकार घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को सुलभ और सुविधापूर्ण परिवहन के साधन उपलब्ध करवाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।हिमाचल प्रदेश रेल, सडक और हवाई संपर्क के माध्यम से देश के अलग-अलग स्थानों से जुड़ा है। हवाई सेवा और पर्यटन एक दूसरे के पर्याय हैं। प्रदेश में आने वाले घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक अच्छी कनेक्टिविटी चाहते हैं और हवाई सेवाएं इसमें मुख्य भूमिका निभा सकती हैं।

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में हवाई परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए हाल ही में कई कदम उठाए गए हैं। रामपुर, बद्दी, कांगनीधार (मंडी) और सासे (हिम और हिमस्खलन अध्ययन प्रतिष्ठान), मनाली में हेलीपोर्ट विकसित किए जा रहे हैं। इससे क्षेत्र में पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ सुविधा-संपन्न पर्यटक कम समय में हिमाचल के अनछुए पर्यटक स्थलों में पहुंच पाएंगे। शिमला शहर में संजौली और सोलन के बद्दी हेलीपोर्ट से हेली-टैक्सी सेवा भी जल्द शुरू की जाएगी। इसके अतिरिक्त हमीरपुर, कांगड़ा, चंबा, कुल्लू, लाहौल एवं स्पीति, किन्नौर और ऊना जिलों को हवाई सेवा सुविधा प्रदान करने के लिए यहां हेलीपोर्ट का निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान इन हेलीपोर्ट के निर्माण और विकास के लिए 30 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार हेलीपोर्ट के निर्माण के साथ-साथ हवाई अड्डों के विस्तार व निर्माण पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है। कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तारीकरण के अलावा मण्डी में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए भी प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। मंडी हवाई अड्डे का सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट एसआईए सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। इसके उपरांत भू-अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आकाश बायजूस ने हिमाचल प्रदेश में अपनी हमीरपुर शाखा के सफल संचालन का पहला वर्ष मनाया

हमीरपुर: परीक्षा तैयारी सेवाओं में भारत के अग्रणी आकाश बायजूस ने आज हमीरपुर हिमाचल प्रदेश में अपनी पहली शाखा के सफल संचालन का पहला वर्ष मनाया। शाखा को एक साल पहले फाउंडेशन,एनईईटी और जेईई पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले पूर्ण विकसित केंद्र के रूप में खोला गया था।केंद्र में वर्तमान में लगभग 900 छात्रों की छात्र संख्या है समारोह में आकाश बायजूस के शाखा अधिकारियों के साथ 100 से ज्यादा माता .पिता और छात्रों ने भाग लिया। संचालन के एक वर्ष के भीतर शाखा के छात्रों ने एनईईटी और जेईई

उत्तीर्ण करने वाले 11 छात्रों के साथ कई उच्च स्तरीय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।शाखा के संचालन का एक वर्ष पूरा होने पर आकाश बायजूस के क्षेत्रीय निदेशक परमेश्वर झा ने कहा हम हमीरपुर में अपनी शाखा में एक अद्भुत पहला वर्ष पूरा करने पर उत्साहित हैं।आकाश बायजूस में हम छात्र .केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देने में विश्वास करते हैं जिसका अर्थ है कि छात्रों को पाठ्यक्रम प्रदान करना और छात्रों को शिक्षा प्रदान करना चाहे वे कहीं भी हों। हमारा मुख्य अंतर न केवल पाठ्यक्रम सामग्री की गुणवत्ता है बल्कि इसकी डिलीवरी भी है जो ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के बीच सही संतुलन का प्रतिनिधित्व करती है। संक्षेप में हम अपने छात्रों के सीखने के अनुभव और परिणामों को बढ़ावा देने और उनके उच्च शिक्षा के सपनों को साकार करने में मदद करने के लिए वास्तविक और आभासी दोनों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ की पेशकश करना चाहते हैं।छात्र तत्काल प्रवेश सह छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए नामांकन कर सकते हैं और प्रवेश ले सकते हैं या आकाश बायजू की नेशनल टैलेंट हंट परीक्षा (एंथे) के लिए पंजीकरण कर सकते हैं जो संस्थान की प्रमुख वार्षिक छात्रवृत्ति परीक्षा है जिसने प्रवेश लेने के लिए अभी .अभी अपना 13वां संस्करण समाप्त किया है। हाल ही में संपन्न एएनटीएचई 2022 में शहर से 7500 से अधिक छात्र उपस्थित हुए आकाश बायजूस अपने प्रत्यक्ष और ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से हर साल 3 .30 लाख छात्रों को ठएएळ, कळळ,खएए, ओलंपियाड और फाउंडेशन प्रोग्राम के लिए परिणाम .उन्मुख कोचिंग सेवाएं प्रदान करता है। यह अपनी क्लाउड .आधारित ऑनलाइन कोचिंग सेवाओं को आगे बढ़ाते हुए विशेष रूप से टियर 2 पप और टियर 3 शहरों और कस्बों के छात्रों को पूरा करने के लिए अपनी भौतिक उपस्थिति का तेजी से विस्तार कर रहा है।

जोगिंद्रनगर डाकघर में अध्यात्मिक शिविर का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/जोगिंद्रनगर/संगराय

आज उप डाकघर जोगिंद्रनगर में अध्यात्म विज्ञान सत्संग केंद्र जोधपुर के संस्थापक एवं संरक्षक गुरुदेव सियाग की दिव्य वाणी में संजीवनी मंत्र का श्रवण करवा कर सिद्धि योग दर्शन से परिचित करवाया तथा अध्यात्मिक उत्थान एवं रोग मुक्ति हेतु 15 मिनट तक व्यवहारिक रुप से ध्यान करवाया गया जिसमें उप डाकपाल मल्लिका ठाकुर की अध्यक्षता में डाकघर के सभी सदस्यों ने भाग लिया। जोधपुर से आए गुरूदेव के षिश्य भुपेष सोनी सभी का आभार व्यक्त किया।

विजय भाटिया ने शिक्षण संस्थानों को भेंट किये वाटर कूलर

टीम एक्शन इंडिया/जोगिंद्रनगर/संगराय

प्रदेश के सबसे युवा जिला परिषद सदस्य विजय भाटिया ने अपने क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अपनी जिला परिषद की निधि से 8 वाटर कूलर भेंट किये, जिसमें उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हराबाग, राजकीय माध्यमिक पाठशाला पंजन, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक (बाल) पाठशाला जोगिंद्रनगर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक (बालिका) पाठशाला जोगिंद्रनगर, राजकीय प्राथमिक पाठशाला जोंद्रिनगर, राजकीय माध्यमिक पाठशाला बालकरूपी, राजकीय उच्च माध्यमिक पाठशाला सेरु, राजकीय ओद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डोहग में भेंट किये।

उन्होंने बताया कि जब वह अपने स्कूल समय में पढ़ा करते थे उस समय उनके स्कूलों में बच्चो को गमीर्यों में ठंडा पीने का पानी नही मिल पाता था, इसलिए इन्होंने निर्णय लिया किया मैं अपने क्षेत्र के सभी स्कूलों में वाटर कूलर भेंट करूँगा,उन्होंने यह भी बताया कि जिन स्कूलों को वाटर कूलर नही मिल पाए हैं उनको भी बहुत जल्द वाटर कूलर भेंट कर दिए जायेंगे।

आईजीएमसी में आग लगने पर हो जांचः जयराम

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

भाजपा नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने आईजीएमसी का दौरा कियाए आईजीएमसी में आज सुबह आग लगने के कारण नए ओपीडी में भारी नुकसान हुआ। जयराम ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि आईजीएमसी में आग लगने के कारण अस्पताल की संस्था को भारी नुकसान हुआ है, हमें इस प्रकरण से सीख लेनी चाहिए और आने वाले समय में इस प्रकार के हादसे ना हो इसके बारे में विचार करना चाहिए

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से यह आग लगी इसके परिणाम काफी गंभीर भी हो सकते थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और प्रशासन को इस प्रकरण पर गंभीरता से एक्शन लेना चाहिए और इसके लिए एक जांच समिति भी तय करनी चाहिए।

29 अप्रैल को विद्युत कट

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री

सहायक अभियंता, विद्युत उप-मंडल साईगलू हुकम चंद ने बताया कि 29 अप्रैल को 132/66/33 केवी सब स्टेशन बिजणी में जरूरी मरम्मत की जायेगी, जिस कारण विधुत उपमंडल साईगलू में तहत आने वाले सभी 22 केवी फ ीडर बंद रहेंगे। मुरम्मत के दृष्टिगत 29 अप्रैल को प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक उपमंडल के तहत आने वाले तल्याहड़, रंधाडा, पधियूं, तांदी, मराथू, गोखड़ा, लाग, तरनोह, सदयाणा, कोटली, डवाहन, कोट, लागधार, सुराडी, समराहन, कसाण, साईगलू तथा साथ लगते गांवों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

अब दहेज लेंगे न देंगे, नाया पंजोड़ पंचायत में महत्वपूर्ण फैसला

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

जिला सिरमौर के उपमंडल शिलाई की ग्राम पंचायत नाया पंजोड़ के पांच गांवों में सामाजिक एवं शादी समारोहों के दौरान शराब परोसने और अन्य महंगे रीति रिवाजों पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल, ये फैंसला गांव के ही बुद्धिजीवियों और युवाओं ने लिया। इसको लेकर नाया गांव के महासू देवता मंदिर परिसर में पांच गांवों के लोगों की वार्षिक बैठक हुई, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। इस दौरान कुछ रीति रिवाजों को कम करने और सादे तरीके से निभाने के लिए तांदियों, कफेनू, कूकडेच, नाया, ठोंठा के लोगों ने अपने विचार रखे।निर्णय लिया गया कि शादी समारोह और पार्टियों में शराब परोसने पर प्रतिबंध रहेगा। समारोह में रुटयारी यानी रोटी बनाने वाली महिलाओं को घी आदि देने का रीति रिवाज बंद कर दिया गया। इसकी जगह सभी सामूहिक भोजन की व्यवस्था रहेगी।इसके साथ-साथ लडक ी की शादी में दहेज लेने व देने की परंपरा को भी बंद किया गया। दणाटी, सोइताटी ले जाने वाले व्यक्ति को 200 रुपए की भेंट और आने-जाने के लिए दूरी के हिसाब से किराया दिया जाएगा। वहीं, गुड़ की भेली देने का रिवाज भी खत्म किया गया है।क्षेत्र के बुद्धिजीवी हुक्मीराम डिमेदार, महेंद्र सिंह व प्रदीप शर्मा ने कहा कि सभी लोगों ने मिलकर ये फैसले लिए हैं। इनका पालन करना सभी की जिम्मेदारी रहेगी। जो इसका उल्लंघन करेगा, उसे दंडित किया जाएगा और उसे पांच गांव से अलग किया जाएगा।

केलांग डिपो को मिली 4 नई बसें, विधायक का प्रयास लाया रंग

टीम एक्शन इंडिया/केलांग/अंगारिया

खटारा बसों में सफर कर जान जोखिम में डाल रहे लाहुल स्पीति के लोगों को अब एचआरटीसी की चमचमाती नई बसों में सफ र करने की सुविधा मिलेगी। लाहौल स्पीति के लोकप्रिय विधायक रवि ठाकुर ने हाल ही में यह मुद्दा विधानसभा में सत्र के दौरान जोर-शोर से उठाया था और एचआरटीसी के केलांग डिपो की खटारा बसों को बदलने की मांग सरकार से की थी। यही नहीं विधायक रवि ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री

से इस संबंध में जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आग्रह विधानसभा के सत्र के दौरान किया था। ये विधायक रवि ठाकुर के प्रयासों से ही संभव हो पाया है और निगम के केलांग डिपो को सरकार द्वारा 4 नई बसें तुरंत प्रभाव से दे दी गई हैं। भाजपा के शासन काल में तो केलांग डिपो नई बसों के लिए तरस्ता रहा। लाहौल स्पीति के लोगों ने विधायक रवि ठाकुर का दिल की गहराइयों से नई बसें उपलब्ध करवाने के लिए आभार व्यक्त किया है।

उधर विधायक रवि ठाकुर ने भी हिमाचल सरकार के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ठाकुर व उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का आभार जताया है और उन्होंने उम्मीद जताई है कि जल्द ही केलांग डिपो की अन्य खटारा बसों को भी बदला जाएगा।

सड़कों पर घूम रहे बेसहारा पशु नगर परिषद के लिए बनी गले की फांस

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

पांवटा शहर में सडकों पर घूम रहे बेसहारा पशुओं कों प्रशासन सहारा नहीं दे पाया है। पशुओं की सघमस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। मी मनडिया ने पहले भी इस बात कों प्रमुखता के साथ उठाया है की प्रशासन गों सेवकों का अनशन मात्र एक गिलास जूस पिलाकर तुड़वा देते है लेकिन कमी या प्रशासन में है या फिर लोग जागरूक नही हो रहे है।सवाल यह भी है की खबरों की सुर्खियों में आने के लिए स्थानीय प्रशासन एक दों दिन का ढिंढोरा पीटने के बाद बैठ जाता है। कुछ समय पहले नगर पालिका की तरफ से शहर

की सडकों को आवारा पशुओं से मुक्त करने का अभियान चलाया गया, लेकिन आज भी पांवटा में आवारा पशु सडकों पर घूमने को मजबूर हैं, न तो इन्हे आश्रय दिया गया और न ही शहर की सडके पशुमुक्त हो सकी। मसला काफ ी पुराना है जिसको प्रशासन आजतक हल नहीं कर पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है की पशु भी उनके लिए जी का जंजाल बने है। सुबह मॉर्निंग वाक पर निकलो तो सडकों पर गंदगी फैली रहती है। वाहन लेकर निकलो तो पशु एन. एच पर बेखौफ होकर बैठे रहते है। जिससे वाहन चलाने में भी परेशानी होती है।दूसरी और पांवटा के वार्ड नंबर सात में गंदे नाले के पास कूड़े के ढेर पर तडके सुबह ही आवारा पशु इस कूड़े को खाते नजर आते है। कहीं न कहीं अब एसडीएम कों भी इस बात पर संज्ञान लेना चाहिए। ताकि इसका पूरी तरह से निवारण हो सके और पावंटा शहर जो धार्मिक स्थल के रूप में भी अपनी जगह बनाई है उसकी सुंदरता पर दाग न लगे। हालांकि प्रदेश सरकार ने शहरों में नंदीशाला और गौशालाएं भी बनवाई हैं। ताकि गौवंश सडकों पर न घूमें और गंदगी में खाने की तलाश न करें, लेकिन सरकार की ये कोशिशें नाकाम साबित हो रही हैं। प्रदेश में मां की तरह पूजी जाने वाली गाय अपना पेट भरने के लिए कचरे व गंदगी के ढेर में भोजन तलाश करने पर मजबूर है कि कहीं उसे कुछ खाने को मिल जाए, लेकिन मिलती है तो सिर्फ गंदगी। जिसमें प्लास्टिक से अधिक कुछ नही होता है लेकिन उसे मजबूरन उसे खाना पड़ता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ की बैठक

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने गुरुवार को चंबा बार काउंसिल की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर बार काउंसिल और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान चंबा बार काउंसिल की विभिन्न समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन देते हुए कुलदीप सिंह पठानिया ने पूर्व में अधिवक्ता और चंबा बार काउंसिल के सदस्य के रूप में किए गए कार्यों की स्मृतियों को भी ताजा किया। विधानसभा अध्यक्ष ने बार काउंसिल द्वारा रखी गई मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन देते हुए

कहा कि अधिवक्ताओं की सभी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जल्द कैंटीन सुविधा, लाइब्रेरी, पार्किंग व्यवस्था और न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं को बैठने की उचित व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिला मुख्यालय चंबा में जीरो प्वाइंट के समीप मिनी सचिवालय भवन का निर्माण प्रस्तावित है। इसमें लोगों की सुविधा के लिए सभी विभागीय कार्यालय लाए जाएंगे। मिनी सचिवालय भवन निर्मित होने से न्यायालय परिसर के समीप अधिवक्ताओं को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवा दी जाएंगी।

चिकित्सा पर्यटन के लिए हिमाचल एक आदर्श गंतव्य: डॉ. शांडिल

टीम एक्शन इंडिया/शिमला
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. कर्नल धनी राम शांडिल ने आज नई दिल्ली में आयोजित एडवांटेज हेल्थ केयर इंडिया के छठे संस्करण के अंतर्गत संवाद सत्र में भाग लिया। इस सत्र में विभिन्न मंत्रालयों, औद्योगिक क्षेत्र और स्टार्टअप्स से जुड़े विशेषज्ञ एवं हितधारक शामिल हुए।भारत समूह-20 (जी-20) की अध्यक्षता कर रहा है और इसी परिप्रेक्ष्य में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के साथ मिलकर 'वन अर्थ वन हेल्थ, एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023इ के इस छठे

संस्करण का आयोजन कर रहा है। आयोजन के दौरान बुधवार सायं मेडिकल वैल्यू ट्रैवल अवार्ड्स-2023 को संबोधित करते हुए डॉ. शांडिल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में चिकित्सा पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को प्रकृति ने अपार सौंदर्य से नवाजा है और यहां का शांत एवं स्वच्छ वातावरण भारत में चिकित्सा सेवाओं के लिए आने वाले विभिन्न रोगियों के लिए एक उपयुक्त गंतव्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, खान-पान, सुंदर वादियां, खूबसूरत पर्यटन स्थल, मंदिर, गोम्पा व मठ बड़ी संख्या में घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पर्यटन से राज्य की आर्थिकी को बढ़ावा मिलने से यहां के लोगों के लिए बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने स्वास्थ्य एवं देखभाल को बढ़ावा देने के दृष्टिगत इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटन को स्वास्थ्य से जोड? की यह पहल न केवल चिकित्सा कारणों से यहां आने वाले यात्रियों को लाभ प्रदान करेगीए अपितु विभिन्न राज्यों की आर्थिकी को भी गति देगी।इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के बीच स्वास्थ्य सेवा में सहयोग के अवसर पैदा करने पर बल देना है। यह प्रतिभागियों को दुनिया भर में सहयोगियों के साथ नेटवर्क बनाने, विचारों का आदान-प्रदान करने, संपर्क बढ़ाने और मजबूत व्यावसायिक साझेदारी में सक्षम बनाएगा।इस सम्मेलन में 125 प्रदर्शक और 70 देशों के लगभग 500 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पर्यटन, विदेश, वाणिज्य और उद्योग तथा आयुष मंत्रालय, उद्योग मंचों, स्टार्टअप आदि के प्रमुख वक्ताओं और विशेषज्ञों के साथ संवाद एवं चर्चा भी की गई।

नुकसान की रिपोर्ट तैयार करें अधिकारी

डीसी हेमराज बैरवा ने जलस्रोतों की सफाई के भी दिए निर्देश

टीम एक्शन इंडिया/हमीरपुर/ विवेकानंद वशिष्ठ
उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अध्यक्ष हेमराज बैरवा ने कृषि और बागवानी विभाग के अधिकारियों को जिला में बेमौसमी बारिश तथा इससे पहले सर्दियों में सूखे जैसी स्थिति के कारण विभिन्न फसलों एवं फलदार पौधों को हुए नुक्सान की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने ये निर्देश दिए। इस बैठक में आगामी गर्मी के सीजन के लिए आवश्यक तैयारियों एवं विभिन्न प्रबंधों की समीक्षा की गई। गर्मी के सीजन के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की उपायुक्त ने कहा कि हमीरपुर जैसे पानी की कमी वाले क्षेत्रों में कई बार मई और जून के महीने में पेयजल की कमी एवं सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए सभी

संबंधित विभागों के पास अपनी कार्य योजना होनी चाहिए। हेमराज बैरवा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से बारिश के कारण जिला में गेहूं की फसल को काफी नुक्सान पहुंचा है। इसके अलावा सर्दियों में इस बार बहुत ही कम बारिश के कारण भी गेहूं की फसल खराब हुई है। कृषि विभाग के अनुमान के मुताबिक सर्दियों में कम बारिश के कारण गेहूं की फसल को लगभग 40 करोड़ रुपये का नुक्सान हुआ है। उन्होंने कृषि और बागवानी विभाग के अधिकारियों को नुक्सान की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने तथा फ सल बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि जिला के लगभग 38 हजार किसानों ने अपनी फसलों का बीमा करवाया है। अन्य किसानों को भी बीमा करवाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उपायुक्त ने जलशक्ति विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे जिला के सभी पेयजल स्रोतों की नियमित रूप से सफाई सुनिश्चित करवाएं तथा गर्मी के सीजन में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।

राजकीय उच्च विद्यालय कुठेड़ व प्राथमिक पाठशाला उटीप में बनेंगे खेल मैदान: नीरज नैय्यर

कहा मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत धनराशि स्वीकृत

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद
चंबा सदर विधायक नीरज नैयर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में युवाओं को खेलों के प्रति रूझान बढ़ाने तथा उनको खेल गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ फि ट रहने के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजनाइ आरंभ की गई है।नैय्यर ने बताया कि 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजनाइ के तहत चंबा विधानसभा क्षेत्र के राजकीय उच्च विद्यालय कुठेड़, ग्राम पंचायत कैला में खेल मैदान के

लिए 14.85 लाख रुपये तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला उटीप, ग्राम पंचायत काकडोलू के लिए 10 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन स्कूलों में खेल मैदान बनकर तैयार होंगे।उन्होंने कहा स्थानीय स्तर पर खेल सुविधाओं का होना न केवल युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक स्वरूप प्रदान करता है बल्कि उन्हें व्यस्नों से भी दूर रखता है।उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में चरणबद्ध ढग से खेल मैदानों का निर्माण करवाया जा रहा है ताकि युवा अपने आपको स्वस्थ व तंदरूस्त रख सकें और उन्हें खेलने के लिए दूर ना जाना पड़े। उन्होंने खेल मैदानों के लिए धनराशि स्वीकृत करने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व लोक निर्माण मंत्री व युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह का आभार जताया है।

आवारा कुत्तों की नसबंदी का शिविर लगाया गया

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/श्याम कुल्वी
मनाली स्ट्रेस संस्था एवं निर्मल ग्राम पंचायत केलोंग द्वारा केलोंग में आवारा कुत्तों की नसबंदी का शिविर लगाया गया था इस शिविर में मनाली स्ट्रेस संस्था द्वारा आठ दिनों में 81 आवारा कुतों की नसबंदी की गयी जिसमें की नसबंदी की गयी। इस शिविर को सफल बनाने के लिए मनाली स्ट्रेस संस्था से 6 लोगों की टीम 17 अप्रैल, 2023 को मनाली से केलोंग के लिए रवाना हुई केलोंग पहुंचने पर समस्त निर्मल ग्राम पंचायत केलोंग ने मनाली स्ट्रेस संस्था का स्वागत किया और आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए निश्चित स्थान उपलब्ध करवाया।

स्वर्ण जयंती आश्रय योजना से बन रहे 'गरीबों के आशियानें'

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री
हर इंसान का सपना होता है कि उसका अपना एक पक्का मकान होए एक ऐसा खुशियों का घरौंदा जहां पूरा परिवार हंसी खुशी साथ साथ रह सके। एक साथ जिंदगी गुजार सके। लेकिन कईयों के ये सपने गरीबी के कारण, आर्थिक वजहों से पूरे नहीं हो पाते। अपने पक्के मकान के लिए उन्हें सहारे की, मदद की दरकार रहती है। ऐसे लोगों के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार बड़ा आसरा बनी है। सरकार प्रदेश के लोगों को अपना पक्का मकान बनाने में भरपूर मदद कर रही है। इस मकसद से सरकार ने अपनी विभिन्न आवास योजनाओं के जरिए हर तबके के पात्र लोगों को गृह निर्माण के

लिए आर्थिक मदद देने के प्रावधान किए हैं। इसी कड़ी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र व्यक्तियों को पक्का मकान बनाने के लिए 'स्वर्ण जयंती आश्रय योजनाइ में मदद दी जा रही है। मंडी के जिला कल्याण अधिकारी किरण कुमार बताया हैं कि स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के जरिए मंडी जिले में अब तक 4293 मकान बनाने के लिए 63.11 करोड़ रुपये से ज्यादा की सरकारी मदद प्रदान की गई है।
लाभार्थी बोले: सरकार ने पूरे किए हमारे सपने
स्वर्ण जयंती आश्रय योजना में पक्का मकान बनाने को सरकार से मिली 1.50-1.50 लाख रुपये की मदद के लिए मंडी जिले के हजारों लाभार्थी सरकार का आभार जताते नहीं थकते। उनका कहना है कि सरकार ने उनके सपने पूरे किए हैं, इसके लिए जितना धन्यवाद करें कम है। सदर उपमंडल के छनबाड़ी गांव की कांता देवी ने बताया कि उनके कच्चे मकान में बरसात में पानी आता था। उनका परिवार बहुत खुश हैं कि सरकारी मदद से अब उनका पक्का मकान बन सका है।कांता के पति राजेंद्र कुमार ने भी मकान बनाने के लिए सहायता राशि देने के लिए सरकार का आभार जताया है। सरकार की सहायता से गृह निर्माण करने वाले पधर उपमंडल के गांव बसेहड़ की पूर्णिमा, गोहर उपमंडल के गांव वाहवा के लाभार्थी डोले राम और कुंती देवी तथा गांव कुटाहची के पता राम तथा करसोग उपमंडल के गांव विहाल के खेम राज तथा करसोग की प्रेमी देवी ने बताया कि बारिश में घर की कच्ची छत टपकती थी अब पक्का घर बनाने को मिली सरकार की मदद से उनकी चिंता दूर हो गई है।
करसोग के ग्राम पंचायत ममेल के प्रधान नारायण सिंह ठाकुर ने बताया कि उनके गांव में 14 गरीब लोगों को पक्के मकान बनाने के लिए धनराशि सरकार ने स्वीकृत की है।

न्यूज फ्लैश

हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी जिला मंडी ने दिया प्रियव्रत शर्मा को समर्थन

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री
हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक मंडी जोन प्रथम के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी जिला मंडी ने अपने वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रियव्रत शर्मा को अपना समर्थन दिया है। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह ने कहा कि प्रियव्रत शर्मा का लंबा राजनैतिक और सामाजिक अनुभव रहा है। छात्र राजनीति से लेकर अब तक वे निरंतर जनता की आवाज को उठाने में वे अग्रणी भूमिका में रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रियव्रत शर्मा सौम्य और ईमानदार स्वभाव के हैं और यही कारण है कि वे अपने राजनैतिक जीवन की शुरूआत में वल्लभ महाविद्यालय के प्रेजिडेंट, पंचायत प्रधान, दो बार जिला परिषद के सदस्य और जिला परिषद उपाध्यक्ष रहते लोगों की सेवा करते रहे हैं। उन्होंने कहा पूर्व में भी प्रियव्रत शर्मा हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के निदेशक रह चुके हैं।उन्होंने राज्य सहकारी बैंक के सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि वे प्रियव्रत शर्मा जैसे अनुभवी और समाज के प्रति समर्पित प्रियव्रत शर्मा को अपना बहुमूल्य मत देकर बैंक के समग्र विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

1 मई तक मंडी जिला में मौसम खराब रहने का पूवार्नुमान

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री
मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा 28 अप्रैल से पहली मई तक मंडी जिला के कई स्थानों पर वर्षा, तेज हवाएं तथा बिजली चमकने की चेतावनी जारी की है। चेतावनी के दृष्टिगत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मंडी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त अरिंदम चौधरी ने इस अवधि के दौरान लोगों को पहाड़ी भागों में जाने से परहेज करने एवं अपने घरों में सुरक्षित स्थानों पर रहने का आग्रह किया है। उपायुक्त ने जिला के पंचायत प्रधानों, गैर सरकारी संगठनों, ट्रैकर्स एवं नागरिकों से भी अनुरोध किया है कि वे इस बारे लोगों को जानकारी प्रदान करें ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने आग्रह किया कि आपदा की स्थिति में सहायता के लिए पर्यटक व आम नागरिक जिला आपदा प्रबंधन परिचालन केंद्र के दूरभाष नम्बर 1905-226201, 202, 203, 204 अथवा टोल फ्री नम्बर 1077 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी ने विस अध्यक्ष को सौंपा अपनी मांगों का ज्ञापन

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद
ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी की जिला चंबा इकाई ने प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया को अपनी मांगों से संबंधित मांग पत्र सौंपा है। ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के जिलाध्यक्ष लतीफ मोहम्मद एडवोकेट की अगुवाई में इस ज्ञापन में मुस्लिम समुदाय की मांगों से संबंधित बिंदुओं पर विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि वेलफेयर सोसाइटी की जिला इकाई विधानसभा अध्यक्ष से यह आग्रह करती है कि जब भी हिमाचल प्रदेश सरकार वक्कफ बोर्ड, हज

8 इस ज्ञापन में मुस्लिम समुदाय की मांगों से संबंधित बिंदुओं पर विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित किया है

कमेटी या अल्पसंख्यक वित्त निगम इत्यादि का गठन करे तो उसमें मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी जिला चंबा की भी राय ली जाए तथा उन्हें शामिल किया जाए। ऐसे लोगों को प्रतिनिधित्व दिया जाए जो मुस्लिम समुदाय के लिए काम करते हैं तथा हिमाचल प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय की जितनी भी संस्थाएं बनी है जो समुदाय के उत्थान के लिए कार्य करती हैं उसके पदाधिकारियों से अगर

विचार विमर्श किया जाए तो सही तथा काम करने वाले लोगों को समाज के उत्थान का मौका मिलेगा।
इसके अलावा अपनी दूसरी मांग में एसोसिएशन का कहना है कि पिछले साल भारी वर्षा के कारण है चुवाड़ी जामा मस्जिद को काफी नुकसान हुआ है तथा पूरा मस्जिद का क्षेत्र धंस गया है जिस से मस्जिद को बहुत नुकसान हुआ है उन्होंने मांग की कि इसकी प्रोटेक्शन के लिए कुछ धनराशि उपलब्ध करवाई जाए ताकि मस्जिद सुरक्षित रह सके। एक अन्य मांग में कहा गया है कि जिला चंबा में मुस्लिम समुदाय के पास जो भी कब्रिस्तान है उसके इंद्राज कब्रिस्तान अहले इस्लाम हिमाचल प्रदेश सरकार के नाम नहीं है तथा जब भी हम इस प्रक्रिया को पूरा करवाने के लिए सरकारी भूमि की जमाबंदी पटवारी से मांगते हैं तो पटवारी निजी आदमी या संस्था को सरकारी जमीन की जमाबंदी नहीं देते हैं। इस प्रक्रिया को भी दुरुस्त किया जाए तथा जब कोई आदमी अपनी निजी भूमि कब्रिस्तान या मस्जिद के नाम करवा है तो तहसीलदार हिबानामा हिमाचल प्रदेश सरकार अहले इस्लाम के नाम करने में आनाकानी करते हैं इस बारे भी उचित आदेश पारित किए जाएं।

बढ़ेड़ा से व्यक्ति तीन दिनों से लापता

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी
थाना हरोली के तहत बढ़ेडा का 55 व्यक्ति अचानक लापता हो गया है। मामले को लेकर परिजनों ने हरोली थाना शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि लापता व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर है और पैरालाइज का मरीज भी है। जानकारी के मुताबिक बीते सोमवार को मदनलाल उर्फ छोटू निवासी बढेड़ा अचानक लापता हो गया। परिवार वालों ने अपने तौर पर हर जगह तलाश कर लिया है, लेकिन कोई पता नहीं चल पाया।

नारा लेखन में मधु तो चित्रकला में अनामिका ने मारी बाजी

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/श्याम कुल्वी
कैच द रेन अभियान फेज-3 राष्ट्रीय जल मिशन जल शक्ति मंत्रालय ने नेहरू युवा केंद्र संगठन युवा मामले विभाग भारत सरकार के सहयोग से पूरे देश में जागरूकता अभियान की शुरूआत की है। जिसकी टैगलाइन 'बारिश के पानी का संरक्षण, जहां भी संभव हो जैसे भी संभव होइ है। कैच द रेन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी स्थितियों के आधार पर जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल बारिश के पानी को संग्रहीत करने के लिये वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण करना।अभियान के कार्यान्वयन के

लिये प्रभावी प्रचार और सूचना, शिक्षा, संचार गतिविधियों के माध्यम से जमीनी स्तर पर लोगों को शामिल करना है। इसके अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र कुल्लू के द्वारा एएमपी संस्थान आनी में वर्षा जल संरक्षण विषय पर चित्रकला एनारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया नारा लेखन में मधु शर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया तो द्वितीय स्थान पर नेहा रही वही चित्रकला प्रतियोगिता में अनामिका ने प्रथम और रितिका ने द्वितीय एवं रंजना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने जल के संरक्षण पर अपनी चित्रकला के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण पर बल दिया साथ ही कुल्लू में सेवाभारती में प्रशिक्षकों को कैच द रेन की जल संरक्षण शपथ दिलायी गई इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र कुल्लू के राष्ट्रीय खंड स्वयं सेवी संजय छोटू ने कहा कि जागरूकता अभियानों में गतिविधियों में शैक्षिक और प्रेरणादायक कार्यक्रम, जन जागरूकता अभियान, दीवार लेखन, बैनर और ई-बैनर निर्माण सहित अनेक गतिविधियाँ शामिल होगी जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर देने से युवा जल के महत्व को समझ सकेंगे।

इतिहास में नाम है बिलासपुर का क्योंकि कई घटनाएं जुड़ी हैं इसके साथ :अंजना छलोत्रे सवि

टीम एक्शन इंडिया/बिलासपुर/ कश्मीर ठाकुर
बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का दिल कहा जाता है और यहां पर कई ऐतिहासिक घटनाएं हुई भी हैं और इसका ऐतिहासिक महत्व भी है यह बात भोपाल मध्य प्रदेश से पधारी साहित्यकार, समाजसेवी, कवयित्री अंजना छलोत्रे सवि ने कही। अपने हिमाचल भ्रमण के दौरान बुधवार को बिलासपुर में पहुंची थी। जिला भाषा अधिकारी कार्यालय के बैठक कक्ष में उन्होंने बिलासपुर के प्रमुख साहित्यकारों कवियों और पत्रकारों से वार्तालाप किया। इस अवसर पर जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी भी उपस्थित रहीं।अंजना ने बताया कि उनका सारा साहित्य हिंदी में प्रकाशित हुआ है लेकिन उनके पुत्र ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं और उनकी पुत्रवधू के सारे संबंधी ऑस्ट्रेलिया के हैं जिन्होंने इस साहित्य को अंग्रेजी में प्रकाशित करने का आग्रह किया है ताकि वह भी इसे पढ़ सके इसलिए इन दिनों इसका अनुवाद करने का कार्य चल रहा है। उनके साथ उतराखंड की वरिष्ठ साहित्यकार आशा शैली भी उपस्थित रहीं। जिन्होंने हिमाचल के बारे में कई प्रकार की जानकारी साहित्यकारों और पत्रकारों को दी उन्होंने बताया कि इन दिनों वे प्रकाशन का कार्य भी कर रही है और अगर लेखक पुस्तक प्रकाशित करवाना चाहें तो वह उन्हें सहयोग कर सकती हैं तथा प्रकाशकों की लूट से बचा सकती है। क्योंकि वह खुद साहित्यकार रही है और प्रकाशन का उनका लंबा अनुभव है। इस अवसर पर एक संक्षिप्त गोष्ठी भी आयोजित की गई। जिसमें सभी ने अपनी अपनी रचनाएं सुनाई। आशा शैली की गजल का शेर था करके वादा मुकर गया साहिब वह जमाने से डर गया साहिब उसके कूचे में हवा है शायद मैं झुक कर समझ गया साहिब। अंजना छलोत्रे ने तरन्नुम में गजल सुनाई जिसके बोल थे उड़े भी कैसे वह आकाश में किसी ने पंख परिंदों के नोच डाले हैं इसके अलावा उनकी एक और गजल के शेर देखिए सुरमई आंख झुकाने की जरूरत क्या है सोए जज्बात जगाने की जरूरत क्या है हर एक से आप ने जो वादे किए टूट गए एक झलक दिखाने की जरूरत क्या है। रतन चंद निर्झर ने सुनाया आज बरसाती धूप में मां खोलेगी पेटी ट्रंक निकालेगी सिले सिले दुपट्टे और सूट। पत्रकार और साहित्यकार कुलदीप चंदेल ने कहा झील में डूबे शहर में माना घर छोटे थे गोबर मिट्टी से लीपे जाते थे।

पद्मश्री विजेता नेकराम की प्रेरणा से डरवाड़ में बनेगा 'मिल्ट्स सीड बैंक' :भूपेंद्र

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री
जिला मंडी की धर्मपुर विकास खण्ड की डरवाड़ ग्राम पंचायत में केंद्र सरकार के सहकारिता विभाग के सहयोग से किसान उत्पादक संगठन गठित किया गया है जिसका कार्यालय आज विधिवत तौर पर डरवाड़ में शुरू हो गया। जिसका उदघाटन राज्य श्रमिक कल्याण बोर्ड के सदस्य और पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर शेयरधारक किसानों का साधारण अधिवेशन और जागरुकता शिविर भी आज डरवाड़ में आयोजित किया जिसकी अध्यक्षता सुरेश पठानिया ने की जिसमें डेढ़ सौ किसानों तथा विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि किसान उत्पादक संगठन का गठन भारत सरकार के सहकारिता विभाग द्वारा राष्ट्रीय सहकारिता

विकास निगम के माध्यम से किया गया है जिसकी मदद के लिए एक गैर सरकारी संस्था को कार्य दिया गया है। जिसके संचालन के लिए वे तीन वर्ष तक वित्तिय मदद भी उपलब्ध करवाएंगे।सहकारिता विभाग द्वारा देश में दस हजार फ ार्मरज प्रोड्यूसर ऑगेर्नाइजेशन एफ पीओ गठित करने का लक्ष्य रखा गया है जिसके चलते प्रत्येक विकास खण्ड में इनका गठत किया जा रहा है और हिमाचल में अभी तक कुल बीस और मंडी जिला में पांच एफ पीओ बने हैं।जिसके चलते धर्मपुर खण्ड में भी ये एफपीओ बना है जिसके गठत में पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई है।सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार इस किसान उत्पादक संगठन को संचालित करने के लिए एक कोऑपरेटिव सोसायटी रजिस्टरड की गई है जिसमें अभी तक सौ से ज्यादा किसानों को सदस्य व शेयरधारक बनाया गया है।अब इसकी सदस्यता सजाओ व अन्य क्षेत्रों में भी की जायेगी और पांच सौ किसानों को इसके साथ जोड़ा जाएगा।भूपेंद्र सिंह ने बताया कि इसके माध्य्म से किसानों को उन्नत किस्म की खेती करने की तकनीक और उसमें प्रयोग होने वाले बीजों, उर्वरकों, कीटनाशक दवाओं, उपकरणों और कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए केंद्रों की स्थापना का काम किया जायेगा।उन्होंने कहा कि आगामी 6 मई को पद्मश्री पुरस्कार विजेता नेक राम शर्मा सजाओपीपलु में किसानों को मोटे अनाज जैसे कोदरा, शौनक इत्यादि के बीजों के सरंक्षण और उनकी खेती बारे जानकारी देंगे।
मोटे अनाज के बीजों के सरक्षंण व खेती तथा उपयोग के लिए करसोग निवासी नेक राम शर्मा को अभी हाल ही में राष्ट्रपति द्धारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हीं से प्रेरणा लेकर डरवाड़ में बना ये एफ पीओ भी पुराने व पारंपरिक बीजों के सरंक्षण के लिए बीज बैंक स्थापित करेगा और इसका क्लस्टर भी बनाया जायेगा।उन्होंने बताया कि सभी गांवों में किसानों के ग्रुप गठित किये जायेंगे और उनके माध्य्म से आगामी फ सल सीज? के लिए बीज, खाद, कृषि उपकरण इत्यादि उपलब्ध करवाये जायेंगे।

सूत्रधार कला संगम व इंटर नेशनल प्रेस क्लब मनाली को उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से किया सम्मानित

हिमालयन पर्यावरण एवं वन्य प्राणी सुरक्षा समिति ने मनाली में किया भव्य आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/मनाली/राज अग्रवाल

हिमालयन पर्यावरण एवं वन्य प्राणी सुरक्षा समिति की ओर से गुरूवार को मनाली में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। समारोह में समारोह में सशस्त्र सीमा बल के सेवानिवृत्त कमांडेंट चेतन सिंह ने बतौर मुख्य शिरकत की जबकि मनाली समाजसेवी एवं व्यवसायी अमिता ठाकुर विशिष्ठ अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। मुख्य अतिथि ने समाज में बेहतर कार्य करने वाली संस्थाओं एवं विभूतियों को सम्मानित किया। सूत्रधार कला संगम व इंटर नेशनल प्रेस क्लब मनाली और

प्रेस क्लब कुल्लू को उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कबड्डी खिलाड़ी महिमा ठाकुर भी सम्मानित की गई। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मनाली की प्रधानाचार्य पुष्पा देवी को सम्मानित किया गया। पत्रकारिता के क्षेत्र में लाहौल से दिनेश जस्पा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ. ज्योति, समाजसेवा में गीता देवी, मोहन लाल, पर्यावरण के क्षेत्र में गौरव ठाकुर सम्मानित हुए। राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन कार्य करने वाली संस्था सूत्रधार कलासंगम, इंटननेशनल प्रेस क्लब मनाली, मोनाल हिमालयन पब्लिक स्कूल न्यू अलेऊ, मनु गुडस कैरियर ऑटो ऑपरेटर यूनियन, हिम आंचल टैक्सी ऑपरेटर यूनियन, हिड़िंबा ऑटो रिक्शा यूनियन को उत्कृष्ट राष्ट्रीय सेवा सम्मान दिया गया। इसके अलावा नगर परिषद अध्यक्ष चमन कपूर, समाजसेवी सीता राम नेगी, पर्यवरण प्रेमी कल्पना ठाकुर को विशेष तौर पर सम्मान मिला। वहीं आशियां ग्रुप पतलीकूहल को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष किशन लाल ठाकुर ने संस्था की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि समाज की विभूतियों को संस्था हर वर्ष सम्मानित करती है।

फतेह राम को प्रधान संघ की कमान

पूर्व प्रधान मनोज शर्मा की अध्यक्षता में हुई फतेह राम की ताजपोशी

टीम एक्शन इंडिया/गोहर/सुभाग सचदेवा

गोहर ब्लॉक प्रधान संघ की बैठक विश्रामगृह बासा में सपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता संघ के पूर्व प्रधान मनोज कुमार शर्मा ने की स बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से फतेह राम प्रधान ग्राम पंचायत नाडी को गोहर ब्लॉक प्रधान संघ का अध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष सपना रानी प्रधान ग्राम पंचायत बस्सी, सचिव नरोत्तम सिंह प्रधान ग्राम पंचायत लोट, कोषाध्यक्ष सोनिया प्रधान ग्राम पंचायत नेहरा, सदस्य मे राजेंद्र कुमार प्रधान ग्राम पंचायत बासा, अंजना ठाकुर प्रधान ग्राम पंचायत थर्जून अंजली ग्राम पंचायत दाण, इंदिरा देवी प्रधान ग्राम पंचायत चैलचौक, लालमन ग्राम पंचायत नौण को चुना गया। इस अवसर पर प्रधान संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष फतेह राम ने सभी का धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि मिलजुल के पंचायत प्रतिनिधियों की हर समस्या को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाएंगे और आ रही समस्याओं का निपटारा सभी प्रधानों के सहयोग से करेंगे।

न्यूज फ्लैश

टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स सम्पूर्ण रक्षा सुप्रीम अब वाइटैलिटी राइडर्स के लाभ के साथ और भी शक्तिशाली

शिमला: जीवन बीमा सुरक्षा के उपलब्ध प्रकारों में से सबसे शुद्ध और सबसे प्रभावी टर्म इन्शुरन्स प्लान्स पॉलिसीधारकों और उनके परिवारों को जीवन की अनिश्चितताओं से बचाते हैं। आज के समय में हम सब जिस तरह से काम करते हैं उसने हमारे जीवन को काफी ज्यादा व्यस्त बना दिया है और हमारे जीने के तरीके को बदल दिया है जो हमारे शरीर को प्रभावित कर रहा है। अपने परिवार के भविष्य के सुरक्षा की इच्छा रखने वालों को टाटा एआईए लाइफ सम्पूर्ण रक्षा सुप्रीम और वाइटैलिटी प्रोटेक्ट राइडर में व्यापक सुरक्षा और वेलनेस लाभ भी मिलते हैं ।टाटा एआईए वाइटैलिटी एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त विज्ञान आधारित वेलनेस प्रोग्राम है जो उपभोक्ताओं को उनके स्वास्थ्य को समझने और सुधारने में मदद करता है साथ ही उन्हें पुरस्कृत भी करता है। वेलनेस प्रोग्राम में नामांकन करने पर उपभोक्ताओं को आपके प्रीमियम पर 5प्रतिशत तक की अग्रिम छूट मिलती है। बाद के वर्षों में प्रीमियम छूट उनकी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर बढ़ या घट सकती है सम्पूर्ण रक्षा सुप्रीम में उपभोक्ता टाटा एआईए वाइटैलिटी प्रोटेक्ट राइडर और टाटा एआईए वाइटैलिटी हेल्थ राइडर के साथ अधिक उन्नत सुरक्षा कवर का विकल्प चुन सकते हैं। ये नॉन .लिंक्ड राइडर्स हैं जिसमें उपभोक्ता कई अलग .अलग स्वास्थ्य स्थितियों के खिलाफ सुरक्षा अपनी पसंद के अनुसार चुन सकते हैं मृत्यु,दुर्घटना मृत्यु और विकलांगता,गंभीर बीमारी आदि जैसी अनिश्चितताओं से सुरक्षित रहते हैं और इससे उन्हें स्वास्थ्य और जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपने फिटनेस लक्ष्यों को ट्रैक पर लाने में भी मदद मिलती है ।टाटा एआईए वाइटैलिटी प्रोटेक्ट राइडर कई प्रकार के खतरों कवरेज प्रदान करता है जैसे टर्म बूस्टर मृत्यु से पहले या लाइलाज बीमारी के निदान पर लाभ का भुगतान किया जाता है ।एक्सीडेंटल डेथ, दुर्घटना के कारण मृत्यु होने पर लाभ का भुगतान किया जाता है। निर्दिष्ट परिस्थितियों में दुर्घटना के मामले में दोहरा लाभ दिया जाता है जैसे कि बस, ट्राम या ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करते समय दुर्घटना में मृत्यु ।100 वर्ष की आयु तक संपूर्ण जीवन कवरेज विकल्प भी मिलता है। रिटर्न ऑफ प्रीमियम वेरिएंट के साथ टर्म और टर्म प्लान के तहत प्रीमियम भुगतान की टर्म्स 5 साल, 10 साल, 12 साल, सिंगल पे और रेगुलर पे हैं।

वी के रु 368 और रु 369 के मासिक रीचार्ज पेश करते हैं सन नेक्स्ट और सोनी लिव सब्सक्रिप्शन के साथ 2 जीबी डेली डेटा

शिमला: भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताए वी लेकर आए हैं एंटरटेनमेन्ट से भरपूर दो रीचार्ज जो देश भर के प्रीपेड यूजर्स को एंटरटेनमेंट से भरपूर बेजोड़ अनुभव प्रदान करेंगे ।ये प्लान 1 महीने की वैलिडिटी के साथ आते हैं तथा अनलिमिटेड कॉल्स,100 एसएमएस प्रतिदिन,ओटीटी फायदे और रोजाना 2 जीबी डेली डेटा के फायदे देते हैं ।वी का रु 368 का रीचार्ज प्रीपेड यूजर्स को टीवी और मोबाइल पर सननेक्स्ट का सब्सक्रिप्शन देता है इसके साथ वे तमिल,मलयालम,तेलुगु,कन्नड,मराठी और बंगला में सर्वश्रेष्ठ रीजनल फिल्मों,टीवी शोज,म्युजिक वीडियोज की व्यापक रेंज का लुत्फ उठा सकते हैं ।इसके साथ रोजाना 2 जीबी

डेटा,अनलिमिटेड कॉल्स और 100 एसएमएस रोजाना के फायदे तो मिलते ही हैं। इस पैक के टेल्को एवं नॉन .टेल्को फायदों की वैलिडिटी 30 दिन है ।सन नेक्स्ट 4000 से अधिक मुवी टाइटल्स,10000 से अधिक वीडियो ऑन डिमांड कंटेंट और 33 लाईव टीवी चैनल्स के साथ रीजनल एंटरटेनमेन्ट के लिए लोकप्रिय ऐप बन गया है। दक्षिण भारतीय कंटेंट पसंद करने वाले लोग सन नेक्स्ट के व्यापक पोर्टफोलियो में से नए ब्लॉकबस्टर्स का आनंद उठा सकते हैं ।वहीं दूसरी ओर वी के रु 369 रीचार्ज के साथ प्रीपेड यूजर्स 30 दिनों के लिए सोनी लिव के कंटेंट मोबाइल के जरिए लाईव स्पोर्टिंग एक्शन तथा रोजाना 2 जीबी डेटा,अनलिमिटेड कॉल्स और 100 एसएमएस रोजाना के फायदे पा सकते हैं।

इस रीचार्ज के साथ वी के यूजर सोनी लिव के लोकप्रिय \रिजिनल्स, मुवीज,शोज,लाईव स्पोर्ट्स,एक्सक्लुजिव कंटेंट का लुत्फ उठा सकते हैं ।सही मायनों में अनलिमिटेड डेटा का अनुभव प्रदान करने वाले वाले वी के नए रु 368 और रु 369 के पैक बिना किसी अतिरिक्त लागत के कई अन्य फायदे भी देते हैं जैसे 200 जीबी तक वीकेंड डेटा रोलओवर रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक नाईट अनलिमिटेड डेटा ।ये रीचार्ज प्लान वी एमटीवी ऐप पर वीआईपी सब्सक्रिप्शन भी प्रदान करते हैं। यूजर वी मुवीज एवं टीवी ऐप (वी एमटीवी) और वी ऐप के माध्यम से रिच कंटेंट लाइब्रेरी को एक्सेस कर सकते हैं।

436 रुपये के प्रीमियम पर मिला दो लाख का मुआवजा

टीम एक्शन इंडिया/मनाली/राज अग्रवाल

हिमाचल ग्रामीण बैंक के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बाहंग के एक उपभोक्ता की मौत पर उसके आश्रित को दो लाख रुपये की आर्थिक मदद दी गई है। गौशाल पंचायत की सीनी देवी की 18 फ रवरी को मौत हो गई थी। उपभोक्ता ने योजना के तहत बीमा करवाया था। उसके बैंक खाते से 436 रुपये का प्रीमियम ही जमा हुआ था। लेकिन अब उसके पति को दो लाख रुपये का मुआवजा बैंक प्रबंधन की ओर से प्रदान किया गया। शाखा प्रबंधक प्रीतम चंद ने मृतक के पति दुनी चंद को दो लाख रुपये का चेक सौंपा।

वरिष्ठ नागरिक सभा व प्रशासन के बीच शहर के मुद्दों को लेकर हुई बैठक

टीम एक्शन इंडिया/बिलासपुर/कश्मीर ठाकुर

जिला मुख्यालय के बचत भवन में वीरवार को बिलासपुर शहर के वरिष्ठ नागरिक सभा और प्रशासन के बीच शहर के विभिन्न जवलंत मुद्दो को लेकर बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त डॉ निधि पटेल ने की। बैठक में रोड़ा सेक्टर के पोस्ट ऑफिस को एम्स स्थानांतरण करने के बाद रोड़ा सेक्टर में पुनः पोस्ट ऑफि स स्थापित करने के बारे में चर्चा की गई जिस पर अतिरिक्त उपायुक्त ने विभाग को इस संबंध में जल्द पत्राचार करने के निर्देश दिए बैठक में एम्स के लिए सुबह दोपहर के समय ई बस सर्विस

चलाने की मांग रखी गई जिस पर प्रशासन ने जल्द कार्यवाही करने का आश्वासन दिया इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिक सभागार के लिए कंक्रीट की सीढि ?ं को जल्द बनाने के निर्देश दिए गए ।बैठक में कोर्ट से लिंक रोड राष्ट्रीय राजमार्ग तक सडक विस्तारित करने के बारे में लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए और इस सडक के लिए उपलब्ध करवाए गए धन का इस्तेमाल शीघ्र करने और अतिरिक्त धन की व्यवस्था के लिए पत्राचार करने के निर्देश दिए गए। गुरुद्वारा चौक से इंदिरा भवन तक पैदल रास्ता निर्माण के लिए नगर परिषद को प्राक्कलन बनाकर धनराशि उपलब्ध करवाने और इस संबंध में तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश भी अतिरिक्त उपायुक्त ने बैठक में दिए और लक्ष्मी नारायण मंदिर व हनुमान मंदिर के बाहर खराब लाइटों को फिर से चालू करने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए। वरिष्ठ नागरिक सभा ने शहर में आवारा पशुओं से पेश आ रही समस्याओं से निजात दिलाने के लिए प्रशासन से कड़े कदम उठाने की मांग की ।अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि शहर के सभी ज्वलंत मुद्दों के बारे में समय-समय पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ नागरिक सभा के साथ बैठक आयोजित की जाएगी और सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

धूमधाम से मनाया लखदाता पीर का जन्मदिन

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

हरोली उपमंडल के तहत पड़ते ग्राम पंचायत सिंगा में लखदाता पीर जी का जन्मदिन वीरवार को बड़ी धूमधाम मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता ज्ञानी बाबा सिंगा व प्रधान ग्राम पंचायत सिंगा व गद्दी नशीन बाबा होशियार सिंह अमन ने की। जन्मदिन के कार्यक्रम की शुरूआत में हिमाचली डांसर सपना डोली कुल्लू ने गायक जस्सी धनोला के साथ जय पीरा दी बोल, लख होण चाचियां मासिया कोई बन नई सकती मां लोको, किते बंदा लकडा साडदा किते लकडा बंदे नु, साडदिया पीर जी, मेरे लाला वाले दे घर घर बीच चर्चे सहित भजन गाए। इसी कड़ी में सरबजीत मट्ठू ने सुनी मालिका मेरी कुक पपीहे बाली, कसम रब दी ना रह पामा तेरे दिदार तो बिना की महिमा का गुणगान से संगत को नाचने पर मजबूर कर दिया। इसके उपरांत जन्मदिन के उपलक्ष पर 21 किलो का केक काटा गया। केक काटने की रस्म बीबी हरवंसी देवी डेरा गोलणी पंजाब, बलवीर कुमार शारदा पस्सीवाल व प्रधान ग्राम पंचायत सिंगा ने की। इस अवसर पर इंडस यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर डॉ संजय कुमार बहल, बीडीसी सदस्य कमल सैनी, उमेश, पूर्व बीडीसी सदस्य कुलवीर सिंह, जगतार सिंह, धर्मपाल, स्नेह, सोनू, मोना राजकटारिया, बाबा छब्बी, बाबा भोला, अमरीक सिंह, संजू बीटन व सोनू आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने सट्टा लगाते तीन व्यक्तियों को किया काबू

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

सदर थाना के तहत विभिन्न स्थानों पर पुलिस ने तीन व्यक्तियों को सट्टा लगाते हुए काबू किया है। पुलिस ने तीनों से 3320 रुपये की नगदी बरामद की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला अजौली का है। जहां पर पुलिस ने टोल बैरियर के समीप विनय कुमार निवासी अजौली को पर्ची दड़ा सट्टा व 820 रुपये की नगदी सहित काबू किया। वहीं दूसरा मामला लाल सिंगी का है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिकिया बल द्वारा किन्नौर के रावमापा कल्पा में आयोजित किया गया परिचय अभ्यास

टीम एक्शन इंडिया/किन्नौर/अनिल

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) द्वारा किन्नौर जिला में इन दिनों प्राकृतिक एवं मानवजनिक आपदाओं के समय त्वरित सहायता पहुंचाने के लिए जिला के विभिन्न स्थानों में परिचय अभ्यास आयोजित किया जा रहा है ।इसी कड़ी में जिला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (रावमापा) कल्पा में एनडीआरएफ के दल द्वारा किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने के लिए परिचय अभ्यास आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय के अध्यापकों व विद्यार्थियों को आपदा की स्थिति में किए जाने वाले राहत कार्यों की तैयारियों को सुदृढ़ करने तथा आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों और कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई ।इस अवसर पर एनडीआरएफ के दल द्वारा एक मॉक ड्रील भी आयोजित की गई जिसमें एक नाटकीय आपदा द्वारा उपस्थित अध्यापकों व विद्यार्थियों को आपदा से निपटने बारे जानकारी दी गई ।उल्लेखनीय है कि एनडीआरएफ का यह दल 24 अप्रैल से 06 मई, 2023 तक किन्नौर जिला का सघन दौरा कर रहा है।

इस दौरान वह जिला के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित उद्योगों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, महत्वपूर्ण भवनों, सडकों और पुलों इत्यादि की पहचान कर आपदा के समय त्वरित राहत कार्यों, उपकरणों एवं भौगोलिक परिस्थितियों का आंकलन करेगा।

30 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे मन की बातः कश्यप

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

भाजपा द्वारा नगर निगम शिमला के चुनावो को लेकर एक योजना बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, संगठन मंत्री सिद्धार्तन, प्रदेश सह प्रभारी संजय टंडन, नगर निगम प्रभारी श्रीकांत शर्मा और पूर्व मंत्री सुखराम चौधरी उपस्थित रहे। बैठक में सभी वार्ड प्रवासी प्रभारी, सह प्रभारी, जोन प्रभारी और सह प्रभारी से फ ीडबैक लिया गया। भाजपा पूर्व अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने कहा की 30 तारीख को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का 100वां प्रसारण है और इस अवसर पर नगर निगम शिमला के सभी 34 वार्डों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन के बात कार्यक्रम को सुना जाएगा। नगर निगम चुनावी में भी हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद प्राप्त होगे ऐसा हमने सोचा नहीं था। भाजपा के कार्यकताओं में चुनावों को लेकर बड़ा जोश है और हम निश्चित रूप से इन चुनावों एम जीत हासिल करेंगे।

अनुराग ठाकुर बताएं हमीरपुर, ऊना व बिलासपुर में कितने स्टेडियम दिएः विक्कू

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

हमीपुर ससंदीय क्षेत्र के सांसद व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व नादौन विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी विवेक शर्मा ने अपने निशाने पर लिया है। वीरवार को जारी ब्यान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विवेक शर्मा ने कहा कि पिछले 15 सालों से सांसद अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की जनता को मात्र झूठे आंकड़ों से ठगने का प्रयास किया है। मात्र फर्जी होर्डिंगस के बोर्ड लगाकर झूठी लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश की। विवेक शर्मा उर्फ विक्कू ने कहा कि अनुराग ठाकुर ने वर्ष 2008 से

लेकर आज तक हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद बनते आ रहे है। अपने इस कार्यकाल के दौरान अनुराग ठाकुर केंद्र की बड़े-बड़े पदों पर भी आसीन रहे है, लेकिन इन पदों पर रहते हुए हिमाचल व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए क्या किया, इसका जवाब जनता को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे पहले हिमाचल से पंडित सुखराम केंद्र में मंत्री थे, तो आज भी उन्हें टेलीफोन क्रांति के मसीहा के रूप में जाना जाता है, लेकिन अनुराग ठाकुर के नाम कोई भी बड़ी उपलब्धि नहीं। अनुराग ठाकुर बताएं कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के युवायों के लिए कितने उद्योग लाए। बीसीसीआई के अध्यक्ष की जिम्मेवारी मिलने पर अनुराग ठाकुर ने हिमाचल के सभी जिलों में क्रिकेट स्टेडियम बनानी की बात कही थी, लेकिन अनुराग ठाकुर सिर्फ इतना ही बता दें कि अपने संसदीय क्षेत्र के तीन जिलों में कितने स्टेडियम बनाए। केंद्र में खेल मंत्री के रूप में भी कार्यरत्त है, आप बताइए कि कितने हिमाचल युवाओं को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में खेलने का मौका मिला। इससे पहले भी 2014 के आम चुनावों से पहले आपने जिला ऊना और हमीरपुर के लिए रेलवे लाइन का प्रस्ताव रखा था, उस रेलवे लाइन का काम कहां तक पहुंचा और कितने समय में तैयार होगा, इसका भी जवाब देना चाहिए। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को खेलों व पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए कौन से कदम उठाएं। खेलों की दृष्टि से हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को विकसित करने के लिए कौन-कौन से संस्थान केंद्र की सहायता से खुलवाएं। विक्कू ने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्री का जिम्मा भी अनुराग ठाकुर के पास है, ऐसे में अनुराग बताएं कि हिमाचल के क्षेत्रीय सिनेमा और टेलीविजन इंडस्ट्री को विकसित करने के लिए आप ने केंद्र से कितने पैकेज हिमाचल को दिलवाए।

आरएच ऊना में मलेरिया दिवस अभियान पर जागरूकता शिविर का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ऊना जिला ऊना के सूचना शिक्षा एवं सम्प्रेषण प्रभाग द्वारा में क्षेत्रीय अस्पताल ऊना के सभागार में विश्व मलेरिया दिवस अभियान के उपलक्ष्य पर सफाई कर्मचारी व आशा कार्यकताओं के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर ऋचा कालिया विशेष रूप से उपस्थित रही। डा. कालिया ने बताया कि मलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जो सालों से लोगों को अपना शिकार बनाती आई है। हर साल लाखों लोग भारत समेत पूरी दुनिया में मलेरिया से ग्रसित होते हैं। मलेरिया एक

जानलेवा बीमारी है, जिससे भारत में हर साल हजारों लोग संक्रमित होते हैं। जन शिक्षा एवं सूचना अधिकारी शारदा सारस्वत ने बताया कि मलेरिया की बीमारी मच्छर के काटने से फैलती है। यह मादा एनाफिलिज मच्छर के जरिए इंसानों के बीच फैलती है। मलेरिया प्लाजमोडियम विवेक्स नाम के वायरस के कारण होता है। जब मादा एनाफिलिज मच्छर किसी मलेरिया से संक्रमित व्यक्ति को काटता है, तो इस वायरस मच्छर के शरीर में ट्रान्सफर हो जाता है, जब यह मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तो यह परजीवी व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर जाता है और व्यक्ति मलेरिया से संक्रमित हो जाता है।

न्यूज फ्लैश

पूनावाला फिनकॉर्प ने पिछले साल की तुलना में शुद्ध लाभ दोगुना किया

नई दिल्ली। पूनावाला फिनकॉर्प, एक स्व-वित्तपोषित गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी है जो मध्यम और छोटे उद्यमों और सामान्य उपभोक्ताओं को वित्त प्रदान करती है, ने आज पिछले वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही के लेखापरीक्षित परिणामों की घोषणा की।कंपनी के इतिहास में एक तिमाही में सबसे अधिक संवितरण था। वित्तीय वर्ष 22-23 की चौथी तिमाही में, कंपनी का ऋण वितरण पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 151 प्रतिशत और वित्तवर्ष 2023 की तुलना में 89 फीसदी और कुल 6 हजार 371 रुपये की वृद्धि हुई है। उक्त ऋण वितरण को लेकर कंपनी के नियंत्रणाधीन कुल संपत्ति 16 हजार 143 करोड़ रुपए दर्ज की गई है। इसलिए, कुल संपत्ति में साल-दर-साल 37 फीसदी और तिमाही-दर-तिमाही 16 फीसदी की वृद्धि हुई है। प्रत्यक्ष डिजिटल कार्यक्रम के तहत संवितरण में 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि पिछली तिमाही में 66फीसदी और पिछले वर्ष 24 फीसदी थी।एक तिमाही में अब तक का सर्वाधिक 181 करोड़ का शुद्ध लाभ। पिछले वर्ष की तुलना में पिछली तिमाही में निवेश आरओए पर रिटर्न भी 1.78 प्रतिशत बढ़कर 5 प्रतिशत हो गया, जबकि तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि 0.73 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछली तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 11.3 प्रतिशत दर्ज किया गया था। पिछले वर्ष की तुलना में, यह राशि पिछली तिमाही की तुलना में 0.87% और 0.56% बढ़ी है। यह आंकड़ा 10.7 प्रतिशत दर्ज किया गया, वित्तीय वर्ष के लिए कुल एनआईएम में 0.89 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पूनावाला फिनकॉर्प के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, प्रबंध निदेशक अभय भुतडा ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023 व्यवसाय वृद्धि, ऋण गुणवत्ता और लाभप्रदता के मामले में बहुत अच्छा रहा है। "

आईसीआईसीआई बैंक ने उपलब्ध कराया रुपी वोस्ट्रो खातों का मजबूत नेटवर्क

नोएडा। आईसीआईसीआई बैंक ने आज घोषणा की कि उसने भारतीय निर्यातकों और आयातकों को भारतीय रुपए (आईएनआर) में निर्यात-आयात लेनदेन का भुगतान करने और निपटाने में सक्षम बनाने के लिए रुपी वोस्ट्रो खाते की सुविधा उपलब्ध कराई है। यह खाता भारतीय निर्यातकों और आयातकों के लिए विदेशी मुद्रा जोखिम को कम करता है, क्योंकि वे अपने लेनदेन के चालान, भुगतान और निपटान के लिए भारतीय रुपए का उपयोग कर सकते हैं। बैंक की इस पहल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री सुमित संघई, हैड-लार्ज क्लाइंट्स ग्रुप, आईसीआईसीआई बैंक ने कहा, ह्यहारुपए में विदेशी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के कदम के अनुरूप, आईसीआईसीआई बैंक भारतीय निर्यातकों और आयातकों को भारतीय रुपये में अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार लेनदेन को निपटाने के लिए रूपी वोस्ट्रो खाते की पेशकश कर रहा है। आईसीआईसीआई बैंक के पास यूएसए, कनाडा, यूएई, सऊदी अरब, यूके, जर्मनी और मलेशिया सहित 29 देशों में प्रतिनिधि बैंकों के 100 से अधिक रूपी वोस्ट्रो खाते हैं और इस तरह बैंक की मजबूत मौजूदगी है।

स्पाइनल मस्कुलरएट्रोफी टाइप-1 नामक दुर्लभ बीमारी से जूझ रही सात महीने की बच्ची मिशिका सक्सेना, है मदद की दरकार

नई दिल्ली। स्पाइनल मस्कुलरएट्रोफी टाइप-1 नामक यह एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार है। नोएडा के रहने वाले नेहा सक्सेना और मुदिथ मोहन के घर जन्म लेने वाली सात महीने की बच्ची मिशिका सक्सेना का इलाज दिल्ली के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। यह बीमारी चुलबुली मिशिका को पंगु बना रही है और उसे अपनी मांसपेशियों को नियंत्रित करने में कठिनाई हो रही है। यदि तत्काल इलाज नहीं किया गया, तो बीमारी उसे गंभीर रूप से कमजोर कर देगी । उसके उपचार के लिए जोलगेन्स्मा नामक दवा की जरूरत होती है। जो स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के लिए एकमात्र स्वीकृत जीन थेरेपी है। दवा और संबंधित उपचार पर परिवार को 17.42 करोड़ रुपए का बहुत बड़ा खर्च करना होगा, जो हमारे देश में अधिकांश परिवारों द्वारा अकेले इकट्ठा करना असंभव है। बच्ची के परिजन ने परिवार और सभी दोस्तों से संपर्क किया है। क्योंकि छोटे-से-छोटा दान भी उसके जीवन के लिए बहुत जरूरी होगा। मिलाप डॉट ओआरजी पर राशि जुटाने का अभियान भी चल रहा है, जो भारत का सबसे बड़ा क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म है। यहां दानदाताओं ने 30 लाख रुपये से अधिक का योगदान दिया है। बच्ची के परिजनों ने भी सरकार से मदद के लिए संपर्क किया है और उनके सहयोग से प्रगति की उम्मीद कर रहे हैं।

ब्रज में द्वापर युग का सपना साकार होगा: योगी

मुख्यमंत्री बोले भाजपा शासन में किसी के साथ भेदभाव नहीं हुआ

टीम एक्शन इंडिया/ लोकेश चौधरी/मथुरा।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मथुरा में कहा भाजपा शासन में किसी के साथ भेदभाव नहीं हुआ है। किसी का शोषण नहीं किया गया। आज हमारे पास विकास के लिए कार्य योजना हैं। मुख्यमंत्री निकाय चुनाव प्रचार के दौरान सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री की सभा को लेकर यातायात व्यवस्था को परिवर्तित किया गया था। सभा स्थल को जाने वाले मार्गों पर वाहनों का आवागमन बैरियर लगा कर

बंद कर दिया गया था। सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मथुरा में भाजपा के के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 84 कोस की परिक्रमा अयोध्या में ही नहीं ब्रज में भी होगी। ब्रज क्षेत्र के विकास में 32 हजार करोड़ की परियोजना चल रही हैं। जिस दिन यह परियोजना पूरी होंगी उस दिन द्वापर युग का सपना साकार होगा। 2017 में मथुरा वृंदावन को नगर निगम बनाया। ब्रज तीर्थ विकास परिषद बनाया। काशी, अयोध्या, केदारनाथ और महाकाल में निर्माण कार्य चल रहा है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम बना। अगर सब लोग सहमत हों तो बांके बिहारी का धाम भी काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर बने। टूरिज्म बढ़ रहा है, फायदा लोगों को ही हो रहा है। अराजकता किसी के साथ नहीं। 2017 से पहले पार्टी विशेष के लोग तमंचा लेकर घूमते थे। वहीं इस दौरान सभा में योगी आदित्यनाथ ने अपने छह साल के कार्यों को भी गिनाया और कहा कि जिस यूपी में 2017 से पहले गुंडों का राज था आज वहां सब सुरक्षित हैं और व्यापारी बड़े शान से अपना व्यापार करता है। जबकि आज प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश में यूपी लगातार आगे बड़ रहा है और दुनिया के भारत का झंडा ऊंचा किया जा रहा है। भारत अब किसी के सामने हाथ नही फैलता बल्कि अब भारत लोगों की मदद करने में आगे बढ़ता है ऐसा है भारत का नाम। वहीं हमने यहां पर दूध की नगरी को देखते हुए धर्म नगरी घोषित की ओर फिर शराब और मांस को बैन करके कहा कि ये दूध की नगरी है और यहां पर ये सब नहीं चलेगा। पहले मथुरा वृंदावन में क्या होता था, लोग परेशान रहते थे। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में मंच पर योगेश द्विवेदी, बसपा नेता एसके शर्मा और सपा नेता जगदीश नौहवार भाजपा में शामिल हुए।

आप ने फूंका बृजभूषण शरण का पुतला

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत
आम आदमी पार्टी के पानीपत जिला के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को शहर में जिला सचिवालय के सामने जीटी रोड ऐलिवेटिड पुल के नीचे भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष एवं सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ताओं ने सांसद बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके सरकार से तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। वहीं प्रदर्शन के उपरांत आप कार्यकताओं ने पुल के नीचे ही सांसद बृजभूषण शरण का पुतला फूंका। आप नेताओं ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो आप सडक पर उतरने के लिये मजबूर होगी। इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुखबीर मलिक, पूर्व जिला संगठन मंत्री राकेश चुघ, वरिष्ठ नेता राकेश मुंजाल व जगदीप घनघस एडवोकेट आदि ने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष एवं सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ महिला पहलवानों द्वारा यौन शोषण के आरोप लगाये गये है।

हर परिस्थिति का डटकर सामना करे: ब्रह्माकुमारी

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला(मनीष कुमार) अंबाला के गवर्नमेंट आईटीआई कॉलेज में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, #16 कंच घर द्वारा 20 का प्रोग्राम किया गया। इस प्रोग्राम में डिस्टिक यूथ ऑफिसर अर्शदीप मुख्य अतिथि के रूप में आए। ब्रह्माकुमारी एकता बहन ने संस्था का परिचय दिया और बताया यह एक ऐसी मात्र संस्था है जो विश्व के 137 देशों में अपनी ब्रांचेस खोल चुकी है और बहुत ही सहजता से जीवन को सुखमय बनाने के लिए मेडिटेशन कोर्स सिखा रही है। अर्शदीप ने सरकार द्वारा जारी किये गए वाई 20 के अंतर्गत 20 के प्रोजेक्ट के बारे में संक्षिप्त रूप से बताया और कहा कि युवाओं को इस प्रोजेक्ट के माध्यम से बहुत सी सुविधाएं प्राप्त हुई है वह अपनी समस्याओं को सरकार के सामने रख सकते हैं तो क्यों ना इस प्रोजेक्ट का पूर्ण रुप से लाभ लेना चाहिए और अपने जीवन में जो लक्ष्य रखा है उसे पूर्ण करना चाहिए। ब्रह्मा कुमार अरुण भाई ने सभी बच्चों को अपनी विल पावर को जागृत करने के लिए प्रेरित किया और कहा युवा वह है जिसमें 9 के समान शक्ति है तो आज का युवा क्या कुछ नहीं कर सकता और यह भी बताया हर एक युवा में बहुत से गुण है और भगवान ने भी किसी एक व्यक्ति को एक समान नहीं बनाया सबके चेहरे अलग-अलग है हमें किसी से भी स्वयं को कंपेयर नहीं करना चाहिए जो हम कर सकते हैं वह कोई दूसरा इंसान नहीं कर सकता। खुद को बहुत ही भाग्यशाली समझना चाहिए और हर परिस्थिति का डटकर सामना करना चाहिए। बच्चों के साथ अंत में पैनल भी किया गया जिसमें डॉक्टर और स्पोर्ट्स पर्सन ने बच्चों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का बहुत ही अच्छे से स्पष्टीकरण करके उत्तर दिया। मधु थप्पा सीनियर वेटलिफ्टिंग कोच जी ने बच्चों को बताया कि हमें अपनी बॉडी को फिट रखना चाहिए और अपने खाने-पीने पर बहुत ध्यान देना चाहिए। जितना हम फिट रहेंगे उतना ही हर कार्य को कुशलतापूर्वक कर सकते हैं । कॉलेज के प्रिंसिपल भूपेंद्र पाल सिंह जी भी उपस्थित रहे।

राजनीतिक पार्टियों के एजेंडे में बाल अधिकार जैसे मुद्दे न होना दुखद

मथुरा। निकाय चुनाव का शोर चहुंओर सुनाई दे रहा है। चुनावी मुद्दे भी खूब उछल रहे हैं। वहीं इस शोर में तमाम ऐसे मुद्दे जिन पर शिद्दत से ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत लम्बे समय से महसूस की जा रही है इस बार भी कहीं गुम हो गए हैं। इन्हीं में से एक है बाल अधिकारों से जुड़ा मुद्दा। किशोर न्याय बोर्ड मथुरा सदस्य एवं बाल अधिकार कार्यकर्ता सतीश चंद्र शर्मा ने सभी राजनीतिक पार्टियों एवं प्रत्याशियों से बच्चों के मुद्दे भी एजेंडे में शामिल करने की अपील की है। बाल अधिकारों के लिए संकल्प एवं मत अभियान के तहत सभी राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों का आव्हान करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि राजनीतिक दल बच्चों को सर्वोच्च

वृंदावन में बढते धार्मिक पर्यटन से किसे है परेशानी!

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा। कान्हा की नगरी में धार्मिक पर्यटन लगातार बढ़ रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढावा देने के लिए सरकार की ओर से भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अब वीक एण्ड पर वृंदावन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या एकाएक बढ़ जाती है। वहीं विशेष पर्व और आयोजनों पर भारी भीड़ उमड़ती है। इस भीड से एक ओर जहां स्थानीय लोगों के रोजगार की संभावनाएं बढ रहीं हैं वहीं स्थानीय लोग कई तरह की शिकायतें भी कर रहे हैं। भीड़ का दबाव वृंदावन में देखने को मिल रहा है जबकि मथुरा में भीडभाड कम रहती है। स्थानीय लोगों की शिकायतें भी वृंदावन से ही ज्यादा मिल रही हैं। वृंदावन में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में दर्शनों के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयोगों से स्थानीय लोग खुश नहीं हैं। यातायात प्रतिबंधों के अलावा बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र में मुख्य सड़क पर लगाई गई रैलिंग मुद्दा बन गई है, कई बार व्यापारी इसका विरोध कर चुके हैं। बाजार बंद कर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। हालांकि यह समस्त वृंदावन वासियों का विरोध नहीं है। करीब 400 मकानों और 200 से ज्यादा दुकानों के स्वामी विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वालों में विद्यापीठ चौराहा से लेकर बांके बिहारी मंदिर तक के बाजार के दुकानदार हैं। विद्यापीठ चौराहा से बांके बिहारी मंदिर तक तीन फीट चौड़ी रैलिंग लगा दी गई है। सड़क के बीच लगाई गई इस रेलिंग के कारण स्थानीय निवासियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इस नई व्यवस्था के कारण क्षेत्र के व्यापारियों का व्यापार ठप हो गया है तो वहीं स्थानीय निवासियों का घरों से निकलना दुश्वार है। व्यापारियों की मांग है कि इस रेलिंग के कारण व्यापार ठप हो गया है। बांके बिहारी जी मंदिर को जाने वाले मुख्य रोड पर बीच में प्रशासन द्वारा लगवाई गई रेलिंग से इस क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय नागरिकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ब्राह्मणों ने वृंदावन में कांग्रेस प्रत्याशी बिट्टू भैया को लिया हाथों हाथ

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा
मथुरा-वृंदावन नगर निगम के मेयर पद के लिए कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी श्याम सुंदर उपाध्याय बिट्टू भैया ने गुरुवार सुबह ठाकुर बांके बिहारी की चरण रज का तिलक कर चुनाव प्रचार अभियान का शुभारंभ किया। इससे पहले उन्होंने लुटेरिया हनुमान मंदिर की चौखट पर माथा टेका। गौरे दाऊजी आश्रम पहुंचे और वहां साधु संतों ने उनको विजय श्री का आशीर्वाद दिया। अटल्ला चौराहे पर बांके बिहारी जी की नगरी को नमन करने के बाद प्रत्याशी अपने काफिले के साथ पैदल ही भगवान रंगनाथ मंदिर पहुंचे। यहां रवि गौतम, निर्भय पांडेय और शुभम समेत बड़ी

संख्या में ब्रह्माण समाज के लोगों ने उनको स्वागत किया। रवि गौतम ने कहा, वृंदावन से पहले भाजपा का मेयर का जिता कर भेजा था, लेकिन जीत के बाद उन्होंने यहां की जन समस्याओं की तरफ मुड़कर नहीं देखा। बंदरों की समस्या से निजात दिलाने का वादा किया था। यमुना मैया के जल में व्याप्त प्रदूषण को दूर करने की बात कही, लेकिन आज तक न तो बंदरों का आंतक खत्म हुआ और न यमुना का जल ही शुद्धा हो सका। बाबूलाल शर्मा ने भाजपा नेताओं ने चुनौती देते हुए कहा कि वह यमुना किसी भी घाट से एक गिलास पानी पीकर तो दिखाएं। उन्होंने कहा कि टैक्स इतना बढ़ा दिया गया है कि छोटे, बड़े दुकानदार व भवन स्वामी परेशान है। उनका कहना था, जब से भाजपा ने नगर निगम की कमान को संभाला तब से लेकर आज तक वृंदावन की जनता को परेशान ही किया गया। अब यहां का ब्राह्माण समाज नगर निगम की सत्ता में परिर्वतन चाहता है। निर्भय पंडित ने कहा कि कांग्रेस ने कभी महंगाई को हावी नहीं होने दिया और आज महंगाई चरम पर पहुंच गई है। रोजगार मिल नहीं पा रहा है और लोगों को परेशान किया जा रहा है। ई रिक्शा सड़क पर खड़ा कर कांग्रेस प्रत्याशी को स्वागत करने पहुंचे इस्लाम ने कहा कि उनको परेशानी के अलावा कुछ नहीं दिया गया। गरीबों को दो वक्त की रोटी के लाले पड़े हुए है। काम धंधा आधा रह गया। ई रिक्शा चलाने नहीं दिया जा रहा है। सफाई को लेकर भी नगर वासियों ने अपनी नराजगी जाहिर की। मुनमुन पंडित ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी श्याम सुंदर उपाध्याय बिट्टू भैया के पास अनुभव है कि निकाय में कैसे कार्य कराया जाता है, जबकि दूसरे किसी प्रत्याशी पर नगर निगम की एबीसीडी भी नहीं पता है। वही बांके बिहारी की नगरी को दुनिया में विकास कार्यों के बल पर एक नई पहचान दिलाने में भी सक्षम है। कांग्रेस प्रत्याशी ने अनाज मंडी, बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र, अठखंभा, वनखंडी, लोई बाजार, प्रताप बाजार, अनाज मंडी और चुंगी चौराहे पर भ्रमण कर वोट मांगे।

यूजीसीए ने प्रीडेटर एलेवन को 8 विकेट से हराया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
रॉयल स्पोर्ट्स एकेडमी घेवरा में दिलीप मेमोरियल ओपन कैश प्राईज टूनार्मेंट द्वारा आयोजित लीग मैच में यूजीसीए ने प्रीडेटर एलेवन को 8 विकेट से हरा दिया। यश चनपुरिया ने 103 रनों (65 बॉल, 2*6,4*14) की शानदार पारी खेली। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिव्यांशु की 77 रनों की बदौलत प्रीडेटर एलेवन ने 34.4 ओवर में 161 रन ही बना सकीं। प्रीडेटर एलेवन का और कोई भी बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं कर सका। जवाब में यूजीसी ने 22.3 ओवर में ही 2 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। आपको बता दें कि यश चनपुरिया को उनके शानदार बैटिंग के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

ईसाई समाज पर किसी भी तरह की ज्यादती नहीं होने दी जाएगी

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला(मनीष कुमार)
भाजपा शासित प्रदेशों के साथ-साथ अब जिन प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार है वहां भी कुछ कट्टरपंथियों द्वारा सरे-आम व कई बार तो धार्मिक स्थल (चर्चों) में भी घुसकर चर्च के पास्टर व चर्च में सत्संग करने वाले प्रभु यीशु विश्वासियों को पीटा जा रहा है। इन बातों को लेकर इसाई समाज का एक प्रतिनिधि मंडल हरियाणा पास्टर ऐसासिएशन कके प्रदेश सचिव पास्टर संजीव चौधरी तथा क्रिश्चयन मूवमेंट के प्रदेश संयोजक तथा हरियाणा पास्टर एसोसिएशन जिला अम्बाला के अध्यक्ष पास्टर फिलिप डेविड की अगुवाही में पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी सैलजा के निवास पर उनसे मिला। इसाई नेता प्रदीप मसीह भी इस अवसर पर मौजूद थे। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस सभी धर्मों का विशेष आदर करती है।

संगठनों ने फूंके सांसद शरण व मंत्री संदीप के पुतलें

टीम एक्शन इंडिया/ पानीपत
अखिल भारतीय किसान सभा, सैंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन, हरियाणा किसान सभा, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति व हरियाणा खेत मजदूर यूनियन के संयुक्त नेतृत्व में बृहस्पतिवार को उपायुक्त पानीपत के माध्यम से राष्ट्रपति महोदया के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में सभी संगठनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण तथा हरियाणा सरकार के मंत्री संदीप

सिंह पर कार्रवाई की मांग की गई है। इससे पहले सभी संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य गीता कालोनी स्थित शिव वर्मा स्मारक भवन में एकत्रित हुए। वहां से सांसद बृजभूषण शरण व मंत्री संदीप सिंह के पुतले को लेकर सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए जीटी रोड़ लाल बत्ती स्थित संविधान चौंक व बस अड्डा के पास से होते हुए जिला सचिवालय के पास पहुंचे और जिला सचिवालय के सामने ही सांसद बृजभूषण शरण व संदीप सिंह के पुतलें फूंके गये। इस मौके पर सीटू के जिला अध्यक्ष सुनील दत्त, खेत मजदूर यूनियन राज्य संयुक्त सचिव राजेंद्र, अखिल भारतीय किसान सभा जिला अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र मलिक व दरियाव सिंह आदि ने संयुक्त रूप से कहा यह पूरे देश के लिए बेहद शर्मनाक स्थिति है कि दुनिया में देश का नाम रोशन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय पहलवानों को न्याय के लिए 3 महीनों में दूसरी बार जंतर-मंतर पर धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

एससी के लिए सुरक्षित सीट पर बसपा ने धनगर (पिछड़े) को दिया टिकट

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा।
उत्तर प्रदेश में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव में सभी दलों ने अपने प्रत्याशियों को चुनावी समर में योद्धा के रूप में उतारा है प्रथम चरण के चुनाव के लिए 4 मई को मतदान होना है मथुरा वृंदावन नगर निगम का चुनाव भी इसी दिन होना है। अधिकांश दलों में पार्टी प्रत्याशियों को लेकर गुटबाजी और आक्रोश साफ दिखाई दे रहा है इसी श्रंखला में बहुजन समाज पार्टी भी विवादों के घेरे में प्रत्याशियों को लेकर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार नगर निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र के वार्ड नंबर 19 से जो अनुसूचित जाति पुरुष के लिए आरक्षित है ।यहां से राष्ट्रीय लोक दल भारतीय जनता पार्टी और एक निर्दलीय प्रत्याशी पाल बघेल समाज के धनगर को प्रत्याशी बनाया है । जब कि पाल बघेल धनगर पिछड़ा वर्ग में आते हैं । इसके बावजूद जानबूझकर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट पर धनगर जाति के लोगों को प्रत्याशी बनाया है। इन दलों को छोड़कर जो बहुजन समाज विशेषकर जाटव समाज के योगदान से पल्लवित हुई बहुजन समाज पार्टी ने भी चंद्रभान धनगर नामक व्यक्ति को हाथी चुनाव चिन्ह का सिंबल देकर पार्षद का प्रत्याशी बनाया गया है । वार्ड नंबर 19 की सीट को लेकर जाटव समाज विशेष का दलित

जातियां बहुजन समाज पार्टी के नेताओं के निर्णय से नाखुश नजर आ रही हैं । वही बहुजन समाज पार्टी और उसके नेतृत्व को सबक सिखाने का मन बनाए हैं । यहां यह बताना जरूरी है । पिछले चुनाव में अडुकी वार्ड से अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित था । उस पर सुरेश धनगर नाम के व्यक्ति ने चुनाव लड़ कर विजय तो प्राप्त कर ली। लेकिन अपर जिला जज एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या 8 ने अपने 30 नवंबर 2019 के आदेश में सुरेश धनगर को ओबीसी जाति का मानते हुए अनुसूचित जाति की सीट पर जीत को समाप्त करते हुए दूसरे नंबर के प्रत्याशी सत्यनारायण को जो अनुसूचित जाति की जाटव जाति से ताल्लुक रखता था को विजई घोषित कर दिया । फिरोजाबाद में एक निर्वाचित प्रधान को जो शिकोहाबाद ब्लॉक के ग्राम पंचायत वासुदेव मई से अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पद पर जीत गया था । उच्च न्यायालय ने ओबीसी जाति का मानते हुए उसके चुनाव को गलत मानते हुए । उसे पदच्युत कर दिया था । इसी प्रकार नगीना के तहसीलदार ने गलत तथ्यों पर धनगर जाति के प्रमाण पत्र बनवा लेने पर उन्हें निरस्त कर गलत सूचना देने वाले के प्रति कार्यवाही के आदेश दिए थे । मथुरा में भी पूर्व में तहसील सदर और तहसील मॉट में भी भारी संख्या में धनगर जाति के बने हुए जाति प्रमाण पत्रों को निरस्त किया गया था। मजे की बात है इतना सब होने के बावजूद भी पाल बघेल समाज के लोग ओबीसी और एससी दोनों ही वर्गों का फायदा लेने में पीछे नहीं रह रहे हैं।

बीजेपी सरकार का बेटी पढ़ाओ- बेटी बचाओ को नारा भी जुमला साबित हुआ: राजेंद्र जून

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़। कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह जून ने बृहस्पतिवार को दिल्ली रोहतक रोड स्थित कार्यालय पर जन समस्याएं सुनी। जन समस्याएं सुनने के दौरान विधायक ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का निवारण करने के निर्देश दिए। समस्या सुनने के उपरांत मौजूद पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि खट्टर व मोदी सरकार के कुशासन से आज किसान, खिलाड़ी,युवा सहित सभी वर्ग दुखी है। विधायक राजेंद्र सिंह जून ने

कहा कि बीजेपी राज में एक तरफ जहां युवा रोजगार को तरस रहा है वही खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन करने वाले हमारे खिलाड़ी जंतर मंतर पर धरना देकर न्याय पाने की गुहार लगा रहे हैं। विधायक ने कहा कि किसान अपनी फसल को बेचने तथा पेमेंट पाने को तरस रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने का झूठा वादा करने वाली खट्टर सरकार ने अब तक ओलावृष्टि व तेज बरसात से खराब हुई फसलों के फसल खराबे का मुआवजा तक किसानों को नहीं दिया है जिससे अन्नदाता किसान भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विधायक राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि भाजपा एक तरफ बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ का नारा देती है वही हमारी खिलाड़ी बेटियां आज न्याय पाने को जंतर मंतर पर धरना दे रही है।

संपादकीय

भारत को रोहिंग्या समस्या से भी निपटना होगा

रोहिंग्या मूलतः म्यांमार पूर्व का बर्मा के रखाइन प्रांत के मूल निवासी अल्प संख्यक समुदाय से संबंध रखते हैं।रखाइन राज्य बांग्लादेश और भारत के पूर्वोत्तर राज्य की सीमाओं से लगा हुआ है' म्यानमार सौ से ज्यादा बहु सांस्कृतिक समाज से बना हुआ है । बौद्ध समुदाय यहां बहुसंख्यक है, और अल्पसंख्यक रोहिंग्या समाज को यह लोग वहां का नागरिक नहीं मानते हैं।म्यानमार सरकार रोहिंग्या समुदाय को राज्य का नहीं मानती आई है। वहां पर इन्हें नागरिकता भी प्रदान नहीं की गई है, इतिहासकारों के अनुसार आठवीं शताब्दी में क्षेत्र में आने वाले अरबी मुसलमानों को रोहिंग्या का नाम दिया गया जो बाद में वहां के प्रभाव के कारण रोहिंग्या बन गया। इनका मूल क्षेत्र अफगानिस्तान ही है, कालांतर में वर्मा नागरिकता कानून 1982 के द्वारा रोहिंग्या मुस्लिम समुदाय को वहां की नागरिकता से वंचित कर दिया गया था। वहां इनको एक पहचान पत्र दिया गया था, जो सभी कामों में इस्तेमाल किया जाता है। रोहिंग्या और म्यांमार के बहुसंख्यक बौद्ध निवासियों के बीच बार बार हिंसक झड़प होती रहती है, इसमें रोहिंग्या मुसलमानों की बड़ी संख्या में मृत्यु भी हुई। 2017 मैं रोहिंग्या और बुद्धिस्ट लोगों के बीच बड़ी हिंसक झड़प के कारण यह एक बड़ी समस्या बन गए अपने जीवन यापन के लिए यह लो म्यांमार से पलायन करने लगे और अपनी जीवन की बेहतरी के लिए बांग्लादेश,मलेशिया ,थाईलैंड इंडोनेशिया और भारत में पलायन किया। इनके पलायन के बाद सभी देशों में अलग-अलग समस्याएं जन्म लेने लगी,बांग्लादेश में लगभग 9 लाख यह समुदाय वर्तमान में रह रहा है ।भारत में ऑपरेशन इंसानियत के नाम पर इन लोगों के लिए राशन चीनी दवाएं कपड़े आदि की सहायता बांग्लादेश सरकार को की थी। बाद में बांग्लादेश सरकार ने रोहिना समस्या के कारण अपने दरवाजे इनके लिए बंद कर दिये, और पिछले दरवाजे से यह रोहिंग्या लगभग 40,000 की संख्या में भारत पलायन करके अवैध रूप से भारत के आसाम प्रांत में रहने लगे हैं। अब ये लगभग देश के अनेक राज्यों में फैलकर निवासरत हैं।इसके अतिरिक्त 14 हजार यह नागरिक संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त की सहायता से भारत में वैध रूप से रह रहे हैं,पर भारत सरकार ने इन्हें मान्यता न देकर इन्हें निकालने के प्रति अब अपना अभियान चलाना शुरू कर दिया है। भारत सरकार इनको अपनी आंतरिक सुरक्षा का खतरा मानकर सर्वोच्च न्यायालय में अपनी याचिका दायर भी की है। सरकार का कहना है यह रोहिंग्या पाकिस्तान की आई,एस,आई और कुछ आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा से मिलकर भारत सरकार की गुप्त सूचनाएं इनको प्रदान कर भारत की आंतरिक शांति के लिए खतरा बन गए हैं।इसके अलावा भारत सरकार इसके लिए भी चिंतित है की रोहिंग्या और भारत में रह रहे बहुत के विरुद्ध हिंसा की घटनाएं एक बड़ी चिंगारी का रूप ले सकती हैं ।रोहिंग्या पूर्वोत्तर राज्यों में आतंकवादी घटनाओं के सहायक बन आतंकवाद को फैलाने में धीरे धीरे सक्षम होते जा रहे हैं । तथा रोहिंग्या आतंकवादियों के विरुद्ध हवाला के माध्यम से पैसा लेकर आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के प्रमाण भी मिले हैं। ईसी तरह रोहिंग्या थाईलैंड, मलेशिया, सऊदी अरब,बांग्लादेश मैं स्थाई रूप से बस कर वहां विभिन्न समस्याओं को जन्म दे रहे हैं।

बादल साहब हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

बादल साहब सब लोगों को साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अलग-अलग विचारधाराओं वाले नेताओं के साथ काम किया। राजनीतिक फायदे-नुकसान से परे हटकर उनके लिए राष्ट्रीय एकता की भावना हमेशा सर्वोपरि रही। बादल साहब के निधन से जो रिक्तता आई है, उसे भरना मुश्किल होगा। वे एक ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने जीवन में कई चुनौतियां देखी। वो आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका व्यक्तित्व और कृतित्व हमेशा हम सभी को प्रेरित करता रहेगा। उनकी कमी तो हमें जरूर खलेगी, लेकिन यह भी सच है कि वे हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगे।

25 अप्रैल की शाम को जब मुझे सरदार प्रकाश सिंह बादल जी के निधन की खबर मिली तो मन बहुत दुखी हुआ। उनके निधन से मैंने एक पिता तुल्य व्यक्ति खो दिया है, जिन्होंने दशकों तक मेरा मार्गदर्शन किया। एक प्रकार से देखें तो उन्होंने भारत और पंजाब की राजनीति को ऐसा आकार दिया, जो अपने आप में अद्भुत है। बादल साहब एक बड़े नेता थे, यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे एक बड़े दिल वाले इंसान थे। एक बड़ा नेता बनना आसान है, लेकिन एक बड़े दिल वाला व्यक्ति होने के लिए और भी बहुत कुछ चाहिए। पूरे पंजाब में लोग कहते हैं -'बादल साहब की बात अलग थी'! यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि भारत के इतिहास में सरदार प्रकाश सिंह बादल साहब को एक बड़े किसान नेता के रूप में जाना जाएगा। कृषि और किसान उनके दिल में रचे-बसे थे। वे जब भी किसी अवसर पर बोलते थे, उनके भाषण तथ्यों, नवीनतम जानकारियों और ढेर सारे व्यक्तिगत अनुभवों से भरे होते थे।

1990 के दशक में जब मैं उत्तरी भारत में पार्टी का काम देखता था, तब मुझे बादल साहब को निकटता से जानने का अवसर मिला। बादल साहब एक लोकप्रिय नेता थे, वे एक राजनीतिक दिग्गज थे जो पंजाब के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और दुनियाभर के करोड़ों पंजाबियों के दिलों पर राज करने वाले व्यक्ति थे। दूसरी ओर, मैं एक साधारण कार्यकर्ता था। फिर भी, अपने स्वभाव के अनुरूप, उन्होंने कभी भी इसे हमारे बीच खाई नहीं बनने दी। वे गर्मजोशी के साथ-साथ संवेदनाओं से भरे एक जीवंत व्यक्तित्व थे। ये ऐसे गुण थे, जो आखिरी सांस तक उनके साथ रहे। हर कोई जिसने बादल साहब के साथ निकटता से बातचीत की, उनकी बुद्धिमत्ता और हंसमुख स्वभाव का कायल हो गया।

1990 के मध्य और उत्तरार्ध में पंजाब में राजनीतिक माहौल बहुत अलग था। राज्य ने बहुत उथल-पुथल देखी थी और 1997 में चुनाव होने थे। हमारी पार्टियां एक साथ मिलकर लोगों के पास गईं और बादल साहब हमारे नेता थे। उनकी लोकप्रियता और जनता का विश्वास एक

प्रमुख कारण था कि लोगों ने हमें शानदार जीत का आशीर्वाद दिया। इतना ही नहीं, हमारे गठबंधन ने चंडीगढ़ में नगरपालिका चुनाव और शहर में लोकसभा सीट भी सफलतापूर्वक जीती। ये उनके नेतृत्व का ही प्रभाव था कि हमारा गठबंधन 1997 से 2017 के बीच 15 साल तक राज्य की सेवा करता रहा! एक किस्सा है, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेने के बाद एक दिन बादल साहब ने मुझसे कहा कि हम अमृतसर जाएंगे, मत्था टेकेंगे और साथ में लंगर छकेंगे। मैं अमृतसर पहुंच गया और गेस्ट हाउस में अपने कमरे में था, लेकिन जब उन्हें इस बात का पता चला तो वे मेरे कमरे में आए और मेरा सामान उठाने लगे। मैंने उनसे पूछा कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि आओ मेरे साथ। वे मुझे वहां ले गए, जो कमरा मुख्यमंत्री के लिए आवंटित होता है, और फिर उन्होंने कहा कि तुम यहां रहोगे। मेरे लाख मना करने के बाद भी वो माने नहीं और फिर मुझे उसी कमरे में रहना पड़ा। और बादल साहब दूसरे कमरे में रुक गए। मेरे जैसे एक बेहद साधारण कार्यकर्ता के प्रति उनके इस भाव को मैं आज भी नहीं भूल पाया हूं। बादल साहब की गौशाला में विशेष रुचि थी और वे तरह-तरह की गायें रखते थे। हमारी एक मुलाकात के दौरान, उन्होंने मुझे बताया कि गिर की गायों को पालने की उनकी इच्छा है। मैंने उनके लिए 5 गायों की व्यवस्था की और उसके बाद जब भी हम मिलते तो वे मुझसे गायों के बारे में बात करते। और मजाक में कहा करते थे कि वे गायें हर तरह से गुजराती हैं- क्योंकि वे कभी गुस्सा नहीं करतीं, उत्तेजित नहीं होतीं, या किसी पर हमला नहीं करतीं, यहां तक कि जब बच्चे खेल रहे होते हैं, तब भी नहीं। वो कहते थे कि गुजराती भी इन गायों का दूध पी-पीकर विनम्र होते हैं।

2001 के बाद, मुझे बादल साहब के साथ एक अलग रूप में बातचीत करने का मौका मिला- अब हम अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्री थे।मुझे विशेष रूप से जल संरक्षण, पशुपालन और डेयरी सहित कृषि से संबंधित कई मुद्दों पर बादल साहब का मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। एक बार उन्होंने मुझसे कहा था कि वे समझना चाहते हैं कि अलंग शिपयार्ड में कैसे काम होता है।

फिर वे वहां आए और पूरा दिन अलंग शिपयार्ड में बिताया और अच्छी तरह समझा कि रीसाइक्लिंग कैसे होती है। पंजाब एक तटीय राज्य नहीं है और एक तरह से उनके लिए शिपयार्ड की कोई सीधी प्रासंगिकता नहीं थी, लेकिन नई-नई चीजों को जानने और सीखने की रुचि उनमें हमेशा रहती थी।

2001 के भूकंप के दौरान क्षतिग्रस्त हुए कच्छ के पवित्र लखपत गुरुद्वारे की मरम्मत और जीर्णोद्धार के प्रयासों के लिए उन्होंने जिस प्रकार से गुजरात सरकार के प्रयासों की सराहना की, वो हमारे लिए बहुत प्रेरणादायी रहे। 2014 में केंद्र में एनडीए सरकार के आने के बाद भी समय-समय पर उनके अनुभव का लाभ मुझे मिलता रहा। उन्होंने ऐतिहासिक जीएसटी सहित कई बड़े सुधारों का पुरजोर समर्थन किया। हमारे राष्ट्र के लिए उनका योगदान अमिट है। वे आपातकाल के काले दिनों में भी लोकतंत्र के लिए लड़ने वालों के साथ एक मजबूत स्तंभ की तरह खड़े थे। उन्होंने हमेशा कांग्रेस के अहंकार और जुल्मों का सामना किया। उनकी सरकारें भी बर्खास्त की गईं। पंजाब में 1970 और 1980 के दशक के मुश्किल भरे दौर में भी बादल साहब ने ह्यपंजाब फर्स्ट और इंडिया फर्स्टह्ल की बात रखी। उन्होंने ऐसी हर बात का दृढ़ता से विरोध किया, जो भारत को कमजोर करे या पंजाब के लोगों के हितों से समझौता करे, भले ही इसके लिए उन्हें कोई भी कीमत क्यों न चुकानी पड़ी हो। वे महान गुरु साहिबों के आदर्शों के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने सिख विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए। 1984 के दंगा पीड़ितों को न्याय दिलाने में उनकी भूमिका को कौन भूल सकता है?

बादल साहब सब लोगों को साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अलग-अलग विचारधाराओं वाले नेताओं के साथ काम किया। राजनीतिक फायदे-नुकसान से परे हटकर उनके लिए राष्ट्रीय एकता की भावना हमेशा सर्वोपरि रही। बादल साहब के निधन से जो रिक्तता आई है, उसे भरना मुश्किल होगा। वे एक ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने जीवन में कई चुनौतियां देखी।

वो आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका व्यक्तित्व और कृतित्व हमेशा हम सभी को प्रेरित करता रहेगा। उनकी कमी तो हमें जरूर खलेगी, लेकिन यह भी सच है कि वे हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगे।

कविता

हम कहीं खो गए हैं
हम कहीं सो गए हैं
क्या ऐसा तो नहीं कि
हम हृदयहीन हो गए हैं
गुड़िया और चिड़िया खेलती थी
निर्बाध जिस आंगन में
तितलियों और चिड़ियों के साथ,
गुड़िया नहीं पहचानती थी
नरभक्षी परिंदों और दरिंदों को,
नन्हा परिंदा समझ के मुस्कुराई
पर दरिंदों ने उस पर कयामत बरसाई,
ऐसी क्या मर्दानगी
ऐसी क्या हवस
भूल गए अपनी मां को,
बेटी को, बहन को और
सबसे छोटी छुटकी को
टूट पड़े दरिंदे चिड़िया सी गुड़िया पर
और छिन्न भिन्न कर दिया मानवता को,
स्त्रि के साथ
यह दरिंदगी ठीक नहीं,
तुम्हारी कायरता है
तुम मानव नहीं दरिंदे थे,
हो और दरिंदे रहोगे ,
समाज का श्राप है
तुम
दरिंदे बलात्कारियों पर।।

संजीव

विपक्ष: जातीयता और सांप्रदायिकता के सहारे

वीरेंद्र सिंह परिहार

कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने गत दिनों प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखकर कहा कि जातिगत जनगणना के अभाव में सामाजिक न्याय के कार्यक्रमों में डाटा अधूरा है. खरगे ने अपनी औपचारिक चिट्ठी में यह भी लिखा, कि 2021 में नियमित 10 वर्षीय जनगणना की जानी थी लेकिन यह नहीं हो पाई है. कि इसे तत्काल किया जाए और व्यापक जाति जनगणना को का अभिन्न अंग बनाया जाए, क्योंकि जातीय जनगणना के अभाव में समाजिक न्याय के कार्यक्रमों के लिए डेटा अधूरा है. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिन्होंने बिहार में जाति जनगणना शुरू करा दी है तत्काल इस मांग का समर्थन किया. दूसरी तरफइसके पहले कर्नाटक की एक सभा में बोलते हुए राहुल गांधी ने मोदी सरकार से कहा कि वह 2011 में किए गए जनगणना में जातिगत डेटा को सार्वजनिक करें. लोगों को बताएं कि देश में कितने ओबीसी, दलित और आदिवासी हैं. यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो यह ओबीसी का अपमान है. बात सिर्फ इतने पर समाप्त नहीं हुई, राहुल गांधी ने यह भी कहा कि आरक्षण पर से 50% की सीमा हटा देनी चाहिए. दूसरी तरफ भाजपा ने इस तरह की मांग पर सधी प्रतिक्रिया व्यक्त की. बीजेपी नेता और एससी-एसटी कमीशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सोनकर शास्त्री ने कहा - अगर सरकार के गजट के हिसाब से देखा जाए, तो देश में करीब 65 सौ जातियां हैं और 50,000 से ज्यादा उपजातियां हैं. हम किस आधार पर किस जाति और उपजाति के लिए स्पेशल पैकेज तैयार करेंगे? यह संभव ही नहीं है. कुल मिलाकर शास्त्री ने इसे कांग्रेस पार्टी और दूसरे विरोधी दलों का 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए इसे मात्र चुनावी मुद्दा बताया.गौर करने की बात यह भी है की वर्ष 2011 की जनगणना जब हुई थी तब यूपीए का राज था. मोदी सरकार तो वर्ष 2014 में आई. ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह कि यूपीए सरकार ने 3 सालों तक जातिगत जनगणना के डेटा को क्यों दबाए रखा? क्या यह सच्चाई नहीं कि देश की आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी सदैव जाति विहीन और वर्ग विहीन समाज की बात करती रही. पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक कांग्रेस पार्टी सदैव जातिगत जनगणना का विरोध करती रही. वर्ष 1951 में जब जाति जनगणना की बात उठी तो पंडित नेहरू ने इसका सख्त विरोध किया था. य इंदिरा गांधी ने वर्षों तक मंडल कमीशन की रिपोर्ट को दबाए रखा. यहां तक कि वर्ष 1990 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट को लागू किया था तब तत्कालीन विपक्ष के नेता राजीव गांधी ने इस कदम को विभाजन कारी एवं समाज को बांटने वाला बताया था. लोगों की याददाश्त में अच्छी तरह होगा कि एक जमाने में बसपा का नारा होता था "-जिसकी जितनी संख्या भारी,उसकी उतनी भागीदारी."।

विचार

नक्सली हिंसा में कब तक शहीद होंगे जवान?

प्रभुनाथ शुक्ल

पाकिस्तान परस्त आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ हम लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक हमने काफी कुछ खोया है। लेकिन अभी यह जंग जीतना काफी मुश्किल है। हम आंकड़ों के ग्राफ में ऐसी हिंसा की समीक्षा करते हैं। यह हमारे लिए मुनासीब नहीं है। आतंकी और नक्सल हमले कम पिछली सरकारों से कम हुए हैं या अधिक यह सोचने के बजाय समस्या को समूल नष्ट करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। दोनों ही स्थितियों में हमारे निर्दोष जवान मारे जा रहे हैं। हमारी सेना हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी विकास के बावजूद भी हम लगातार सैनिकों को खोते जा रहे हैं। शहीद होने वाले जवानों की तादाद कम कम है या ज्यादा यह खास नहीं। महत्वपूर्ण यह है कि आतंकी और नक्सली मुठभेड़ के दौरान हम कम से कम जोखिम उठाएं। ऐसे हालात में कहीं ना कहीं से हमारी आंतरिक सुरक्षा से संबंधित खुफिया तंत्र भी विफल होता दिखता है। क्योंकि ऐसे हमलों की वह समय पर सही और सटीक सूचना उपलब्ध नहीं करा पाता है या कराता है तो उस पर अमल नहीं होता है। पुलवामा हमले के बाद भी नक्सली और आतंकी हमले में हमारे जवानों की शहादत जारी है। यह हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। तकलीफ इस बात की होती है कि हमारे जवान युद्ध के बजाय आतंकी और नक्सली साजिश का शिकार बन शहीद होते हैं। हमें अपनी सेना और जवानों पर गर्व है। राष्ट्रीय सुरक्षा में हमारा जवान प्राणों की आहुति दे देता है। एक सप्ताह पूर्व जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हो गए थे। उस घटना से सात दिन बाद भी हमने सबक नहीं लिया और छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में हमारे 11 जवान शहीद हो गए। कश्मीर में जहां जवानों की गाड़ी पर ग्रेनेड से हमला किया गया था वहीं दंतेवाड़ा में जवान नक्सली ऑपरेशन से वापस लौट रहे थे जब आईईडी ब्लास्ट में मारे गए। दोनों घटनाओं से जहां देश और सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है वहीं शहीद परिजनों के सपने टूट गए हैं। उनकी नींद उचट गई। मां-बाप पत्नी और बच्चों के भविष्य पर सवाल खड़ा हो गया है कि जिंदगी कैसे चलेगी। क्योंकि ऐसी घटनाओं से परिवार टूट जाता है। जिस बेटे के कंधो पर परिवार के सपने पलते हों जब वहीं अलबिदा कह जाय तो क्या होगा। सरकार और रक्षा मंत्रालय को सैन्य सेवा करते हुए शहीद होने वाले जवानों के लिए एक अलग से विशेष प्रकार का मंत्रालय और आयोग गठित करना चाहिए। शहीद सैन्य परिवारों को अधिक से अधिक आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। उनकी धर्मपत्नी भाई या खून के रिश्ते में आने वाले लोगों को लम्बी कानूनी प्रक्रिया के बगैर सरकारी नौकरी में रखा जाना चाहिए। पीड़ित परिवारों के लिए भरपूर आर्थिक सहायता के साथ-साथ दूसरी सरकारी सहायता भी मिलनी चाहिए। सेना के जवान का वेतन उस दौरान तक जारी रखना चाहिए जब तक उसके परिवार के लिए मुकम्मल व्यवस्था नहीं हो जाती। शहीद परिजनों को गैस एजेंसी और पेट्रोल पंप जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए। शहीद होने वाले हर जवान को सेना का विशिष्ट सेवा पदक मिलना चाहिए। सरकारी खर्च पर शहीद होने वाले जवान के गांव में भव्य स्मारक बनना चाहिए। ऐसे जवान के नाम पर सड़कें, स्कूल कॉलेज या सरकारी संस्थाओं के नाम होने चाहिए। सेना के जवानों की शहादत पर सरकार को खुलकर आगे आना चाहिए। हालांकि सरकार की तरफ से इस तरह की काफी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं। लेकिन इन कार्यों में इतना विलंब होता है कि पीड़ित परिवार टूट और बिखर जाता है। क्योंकि पूरी प्रक्रिया बेहद लंबी और उबाऊ होती है। इस तरह की खबरें मीडिया में सुर्खियां बनती हैं। ऐसी स्थिति में एक स्वतंत्र मंत्रालय या सेना आयोग पूरी तरह ऐसी घटनाओं के लिए समर्पित होना चाहिए। पीड़ित जवान के परिवार की ए-टूजे मानिटरिंग होनी चाहिए। हमारे देश में आम तौर पर राजनीतिक बयानबाजी मीडिया की सुर्खियां बनती है। अपराधियों का महिमामंडन किया जाता है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रवि भारद्वाज, एक्शन इंडिया कार्यालय कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना हिमाचल प्रदेश-174303 ने अर्थ प्रकाश प्रैस, अर्थ प्रकाश भवन, सेक्टर-29डी, चंडीगढ़ से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र हिमाचल प्रदेश ही होगा।

समूह संपादक: रवि भारद्वाज (9999889104)

स्थानीय संपादक: पंकज शर्मा (7018221146)

ई-मेल : actionindiashimla@gmail.com
actionindiauna@gmail.com

एक्शन इंडिया शिमला कार्यालय: सचदेवा निवास, डेजी बैंक इस्टेट, नजदीक जोधा निवास, लोअर जाखू, शिमला, 171001

एक्शन इंडिया ऊना कार्यालय: कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना, हिमाचल प्रदेश-174303

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

ंचायती राज संस्थाओं का सशक्त होना जरूरी

अमित शुक्ला

पंचायती राज व्यवस्था, ग्रामीण भारत की स्थानीय स्वशासन प्रणाली है। इसे आधुनिक रूप-रंग प्रदान करने में ब्रिटिश अधिकारी लॉर्ड रिपन की बड़ी भूमिका बतायी जाती है लेकिन इस प्रणाली का विकास भारत के विकास के साथ जुड़ा हुआ है। मुस्लिम काल को छोड़, हर युग में शासन की यह प्रणाली यहां जीवंत रही है। हालांकि सल्तन काल से लेकर ब्रिटिश काल तक स्थानीय स्वशासन पर तीक्ष्ण प्रहार हुए लेकिन जब-जब केन्द्रीय शासन को भारत की प्रशासनिक जटिलता का आभास हुआ तब-तब सत्ता ने स्थानीय शासन को महत्व दिया। अंग्रेजों ने अपने समय में इस प्रणाली को केन्द्रीय सत्ता का गुलाम बना दिया, जबकि भारत में स्वदेशी राजाओं ने इस संस्था को कई अधिकार प्रदान कर रखे थे। अथर्ववेद में राष्ट्र की व्याख्या की गयी है। जैन ग्रंथों में लोकतंत्र शब्द का पहली बार उल्लेख मिलता है। उसी प्रकार भारत में स्थानीय स्वराज्य की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है। इतिहासकारों की मानें तो वैदिक काल में स्थानीय स्वशासन, वर्तमान की भांति नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभाजित थी। वैदिक साहित्यों में सभा एवं समितियों का वर्णन मिलता है, जो प्रजा की भलाई के लिए राजा को सलाह देती थी। जिससे केन्द्रीय शासन पर नियंत्रण संभव हो पाता था। रामायण व महाभारत काल के साहित्य में भी सभा, समिति तथा गांवों का उल्लेख है। वाल्मीकि रामायण में दो प्रकार के गांवों का वर्णन है। एक घोश व दूसरा ग्राम। मनुस्मृति के अनुसार गांव का अधिकारी ग्रामिक कहलाता था। उसका कार्य कर संचित करना होता था। बता दें, यहां कर संचित करने की बात कही गयी है, वसूलने की चर्चा नहीं है।

दस गांव के अधिकारी दशिक, 20 के विधाधिप, 100 के सतपाल और एक हजार के अधिकारी सहस्त्रपति कहलाते थे। मौर्य काल के प्रमाणिक साहित्य, विदेशी यात्री, मेगस्थनीज के लेखों में भी ग्राम स्वराज की चर्चा है। उसी प्रकार कौटिल्य के अर्थशास्त्र में स्थानीय शासन पर काफी विस्तार से चर्चा की गयी है। गुप्त काल में नगर के अधिकारी को नगरपति एवं ग्राम के अधिकारी को ग्रामिक कहा जाता था।

दिखावा है दिखावा

डॉ. सुरेश कुमार

जब मनुष्य न कहलायें तो धर्म हिंदू हो या मुसलमान क्या फर्क पड़ता है? मंदिर की चौखट पर बैठने वाले भिखारी हिंदू ही सही वहाँ आने वाले भक्त गले थोड़े न लगायेंगे। उसी तरह मस्जिद के आगे बैठने वाले फकीर मुस्लिम हुए तो क्या हुआ, इबादत के लिए आने वाले नमाज पढ़ेंगे न कि गले लगाते फिरेंगे। क्या फर्क पड़ता है हिंदू या मुसलमान होने से? हिंदू चाहे कितने भी व्रत क्यों न कर लें और मुसलमान चाहे जितने भी रोजे रख लें, दोनों टैक्स से बचने के लिए छोटी सी छोटी संभावना के लिए हाथ-पैर मारते ही हैं, क्योंकि पैसे दोनों को प्यारे हैं। हो सकता है एक के मंत्रों की भाषा संस्कृत हो और दूसरे के आयतों की भाषा अरबी लेकिन दोनों के बच्चे पढ़ते तो अंग्रेजी मीडियम के स्कूल में ही हैं न! क्या फर्क पड़ता है कि भगवद्गीता की भाषा संस्कृत है या फिर कुरान की भाषा अरबी? दोनों ही आज के चकाचौंध वाले अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में दम तोड़ती नजर आ रही हैं। मंदिर जाने वाला भक्त जिस ऊबर-खाबड़ सड़क से होकर गुजरता है उसी सड़क से कोई नमाजी नमाज अदा करने लिए मस्जिद जाता है। दोनों के रास्ते में विकास का टायर कब का पंक्चर हो गया है। दोनों ही कौमों के न जाने कितने लोग गिरकर अपने हाथ-पैर तुड़वा चुके हैं। चाहे हलवा, पूड़ी, खीर बनाना हो या फिर बिरयानी, शीरखुर्मा दोनों के लिए किराणा की दुकान में कीमतों की सूची तो एक ही होती है। महंगाई दोनों के लिए एक जैसी होती है। कोई आँखों के बीच माथे पर जितना बड़ा तिलक या फिर कोई आँखों में जितना सुरमा लगा लें दोनों की आँखें मिलावट को पहचानने से धोखा खा ही जाती हैं। कोई वास्तुदोष को ध्यान में रखकर घर बनाता है तो कोई बिना वास्तु के, लेकिन क्या फर्क पड़ता है? दोनों के घर के आगे मैनहोल तो खुला रहता है। बदबू दोनों को एक सी मारती है। चाहे इसे देवभूमि कह लो या फिर सारे जहाँ से अच्छा दोनों को खुली हवा में सांस लेने की आजादी कहाँ है? दोनों ही प्रदूषण के शिकार हैं। दोनों ही बिन माँगी बीमारियों के फरियादी हैं। हर दिन पवित्र गोमूत्र पीने से न गरीबी मिटने वाली है और न ही दाढ़ी मूँछ बढ़ाने से दो जून की रोटी मिलने वाली है। जब तक वे दोनों अपना पसीना नहीं बहायेंगे तब तक उन्हें कोई मेहनताना देने के लिए तैयार नहीं है।

लंबी उम्र पाने के लिए अपनी लाइफ पार्टनर को रखें खुश

एक रिसर्च ने किया दावा

यह तो सभी ने सुना है कि लंबी उम्र और अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए खुश रहना कितना अहम है, लेकिन हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि लंबी उम्र के लिए आपके खुश रहने के साथ साथ आपके जीवनसाथी का खुश रहना भी जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक नीदरलैंड की टिलबुर्ग यूनिवर्सिटी में अनुसंधानकर्ता ओल्गा स्तावरोवा ने कहा कि यह अध्ययन व्यक्ति के स्वास्थ्य पर उसके आस-पास के सामाजिक माहौल के असर को रेखांकित करता है। पत्रिका साइकोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार जिन लोगों के जीवनसाथी सक्रिय जीवन जीते हैं, उनकी स्वयं की जीवनशैली भी सक्रिय रहने की संभावना होती है। स्तावरोवा ने कहा कि इसी तरह यदि आपका जीवनसाथी अवसादग्रस्त है और शाम को टीवी के सामने बैठकर चिप्स खाना पसंद करता है तो आपकी शामें भी संभवतः ऐसी ही होंगी।

स्तावरोवा ने अमेरिका के उन करीब 4400 दंपतियों के आंकड़ों का अध्ययन किया, जिनकी आयु 50 वर्ष से अधिक थी। आंकड़े एकत्र करने की शुरुआत के आठ साल बाद करीब 16 प्रतिशत प्रतिभागियों का निधन हो गया। जिन लोगों का निधन हुआ, वे जीवित प्रतिभागियों की तुलना में बुजुर्ग, कम शिक्षित, कम अमीर, शारीरिक रूप से कम सक्रिय और खराब स्वास्थ्य वाले थे। वे जीवित प्रतिभागियों की तुलना में संबंधों और जीवन में भी कम संतुष्ट थे और उनके जीवनसाथी भी जीवन से कम संतुष्ट थे। अध्ययन में पता चला कि जिन लोगों के जीवनसाथी अध्ययन की शुरुआत में जीवन में संतुष्ट थे, उनके मरने का खतरा अपेक्षाकृत कम था।

बहुत फायदेमंद है आम

आम, नाम सुनकर ही मुंह में पानी आ जाता है। बच्चे हो या बड़े, आम सबको बहुत पसंद आता है। गर्मियों में पाया जाने वाला यह फल हम सब के मन को खूब भाता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हमारी सेहत के लिए भी बहुत लाभदायक होता है, आम के इन्हीं गुणों के कारण इसे फलों का राजा भी कहा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि आम खाने से क्या होता है, आम के औषधीय गुण क्या हैं, कच्चे आम के फायदे, आम की गुठली के फायदे, आम हमारी स्किन को कैसे सुंदर बनाता है, आम बालों को झड़ने से कैसे रोकता है, आम के नुकसान। आइए जानते हैं आम से होने वाले फायदों के बारे में

- आम हमारे शरीर के लिए दवा की तरह काम करता है। आम के अंदर बहुत मात्रा में विटामिन ए पाया जाता है, जो कि आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए बहुत फायदेमंद है।
- आजकल बहुत कम उम्र के बच्चों की आंखे कमजोर हो जाती है, जिसके कई कारण होते है जैसे देर तक कंप्यूटर पर काम करना या हरी सब्जियों का सेवन न करना या कई अन्य कारण और जैसा कि हम जानते हैं, आम बच्चों के पसंदीदा फलों में से एक है तो इसका सेवन करने से उन्हें स्वाद भी मिल जाता है और सेहत में भी लाभ होता है।
- आम कई बीमारियों के लिए भी दवा कि तरह काम करता है जैसे यह कैंसर से लड़ने में हमारी मदद करता है क्योंकि इसमें पाये जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से जूझने में हमारी मदद करते है।
- आम के अंदर विटामिन ए, बी, सी, कॉपर, मैग्नीशियम, पोटैशियम पाए जाते है। अधिक मात्रा में पोटैशियम पाए से यह ब्लडप्रेशर को कायम रखने में लाभदायक है, चूंकि पोटैशियम ब्लडप्रेशर को सामान्य बनाए रखने के लिए आवश्यक है।
- यह हमारे शरीर में होने वाले इनफेक्शन से भी हमें बचाता है। आम में पाए जाने वाले जिंक और विटामिन सी हमारे इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में हमारी मदद करते है। विटामिन बी6 से भरपूर आम दिमाग को दुरुस्त बनाने में सहायक है।
- आम के फायदे केवल बच्चों या बूढ़ों के लिए ही नहीं, बल्कि यह गर्भवती महिलाओं के लिए भी दवा का काम करता है। आम में पाया जाने वाला विटामिन ए संक्रमण को रोकता है और नवजात शिशु में होने वाली आंखों की रोशनी से संबंधित समस्याओं को रोकने में भी सहायता करता है।
- आम सेहत के साथ -साथ त्वचा के लिए भी अच्छा माना जाता है। आजकल महिलाओं को त्वचा से संबंधित समस्याएं होती हैं जैसे पिंपल्स होना या झुर्रियां आना या कई अन्य समस्याएं।
- गर्मियों में पिंपल्स की समस्या बढ़ जाती है। बाजार में मिलने वाले फेस वॉश, स्क्रब, क्रीम, इन सब में कहीं न कहीं केमिकल्स होते हैं। पिंपल्स हटाने कच्चे आम का जूस इस्तेमाल करें। इसे झाइयां दूर करने में भी उपयोग किया जाता है।
- त्वचा टोन को निखारने में भी आम का इस्तेमाल किया जाता है। 'मैंगो और हनी फेस पैक' लगाने से त्वचा फ्रेश दिखती है। इसके लिए आम के गूदे को निकालकर उसमें एक चम्मच शहद और आधा चम्मच बादाम तेल मिलाएं, फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक छोड़ दें, फिर पानी से धो लें। आपकी त्वचा फ्रेश दिखेगी।
- आजकल महिलाओं में ब्लैकहेड्स की समस्या बहुत होती है। आम के फायदे ब्लैकहेड्स दूर करने में भी है। इसके लिए आम के गूदे, मिल्क पाउडर और शहद को मिलाकर स्क्रब बनाएं और हल्के हाथों से चेहरे पर 5 मिनट तक मसाज करें। फिर पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा चमकदार लगेगा।
- आजकल हम सब अपनी लाइफ में इतने व्यस्त हो गए हैं कि अपने आपको ही समय नहीं दे पाते। बालों से संबंधित समस्याएं भी आजकल साधारण बात है जैसे बालों का झड़ना, डेनड्रफ होना, बालों का सफेद होना आदि।
- क्या आप जानते हैं कि आम भी बालों की समस्याओं को दूर करने में हमारी मदद करता है। इसका उपयोग कई तरह से किया जा सकता है जैसे बालों के विकास के लिए। हर महिला लंबे और घने बाल चाहती है।
- इसके लिए पके हुए आम के गूदे को दही, एलोवेरा, शहद या किसी अन्य प्राकृतिक चीज के साथ मिलाएं, इस हेयर पैक को आप हफ्ते में एक बार जरूर लगाएं, इसे आपको फर्क दिखेगा। बालों पर लगाने से पहले एक पैच टेस्ट जरूर करके देख लें। इस हेयर पैक का उपयोग बालों को डेंड्रफ से बचाने के लिए किया जाता है।
- आजकल बालों का सफेद हो जाना भी साधारण सी बात है। इससे बचने के लिए पके हुए आम के गूदे को अपने बालों में लगाएं, इससे बालों का सफेद होना कम हो जाएगा। इसका प्रयोग हम हफ्ते में एक बार कर सकते है।
- पोल्यूशन की वजह से हमारे बाल डल हो जाते है, इसके लिए भी मैंगो हेयर पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा भी आम, दोमुहे बालों को ठीक करने, बालों को घना बनाने, उलझे हुए बालों को ठीक करने, बालों को पतला होने से बचाने और इससे संबंधित अन्य समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मदद करता है।

रेसिपी

वॉटरमेलन शेक

सामग्री

- तरबूज: 2 कप (बीज निकालकर टुकड़ों में कटा)
- दूध: 1 कप
- वनिला आइसक्रीम: 2 स्कूप
- चीनी: 2 टीस्पून
- बर्फ: 4 टीस्पून (कुटी हुई)

विधि

सबसे पहले तरबूज के कुछ टुकड़ों को छोड़कर बाकि सभी टुकड़ों को मिक्सर जार में डालकर बारीक पीसकर प्यूरी बना लें। फिर इसमें चीनी और दूध डालें और फिर से एक मिनट तक पीस लें, जिससे चीनी अच्छे से घुल जाए। इसके बाद बचे हुए तरबूज के टुकड़ों को बारीक काट लें। फिर इसे सर्विंग गिलास में डालें और ऊपर से एक स्कूप आइसक्रीम और तरबूज और दूध की प्यूरी डालने के बाद ऊपर से एक टीस्पून कुटी हुई बर्फ और थोड़ी सी आइसक्रीम डालकर सर्व करें।

चीकू बर्फी

सामग्री

- चीकू: 5 से 6
- घी: 2 टेबलस्पून
- दूध: 2 कप
- चीनी: 4 से 5 टी स्पून
- बादाम-पिस्ता: 2 टेबलस्पून (बारीक कटे)
- इलायची पाउडर: आधा टीस्पून

विधि

चीकू का पल्प निकल लें और उसका पेस्ट बना लें। अब एक कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें चीकू का पेस्ट डालकर घी छोड़ने तक भून लें। अब इसमें दूध डालें और गाढ़ा होने तक पका लें। फिर इसमें चीनी डालकर तब तक पकाएं, जब तक मिक्सचर एक गुंथे आटे की तरह न हो जाए। अब इसमें इलायची पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स करें और घी लगाकर चिकनी की हुई प्लेट में निकाल लें। अब इसके ऊपर से बादाम और पिस्ता डालकर फ्रिज में एक घंटे के लिए रख दें। एक घंटे बाद इसे निकालें और मनचाहे शेप में काट कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आलस्य की स्थिति समाप्त होगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मध्याह्न से ही आशाएं फलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्यर्थकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। कभी-कभी कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कभी-कभी कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज को व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

हंसी के फव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थे, अध्यापक ने कहा.'

'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बातें नहीं करता हूं .'

□ □ □

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.

'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.

'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

□ □ □

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?

रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

□ □ □

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूं.'

□ □ □

रात्रि का समय था, हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा- 'यह साइकिल तुम्हारी है?'

'जी नहीं.'

'तुम्हारा नाम'

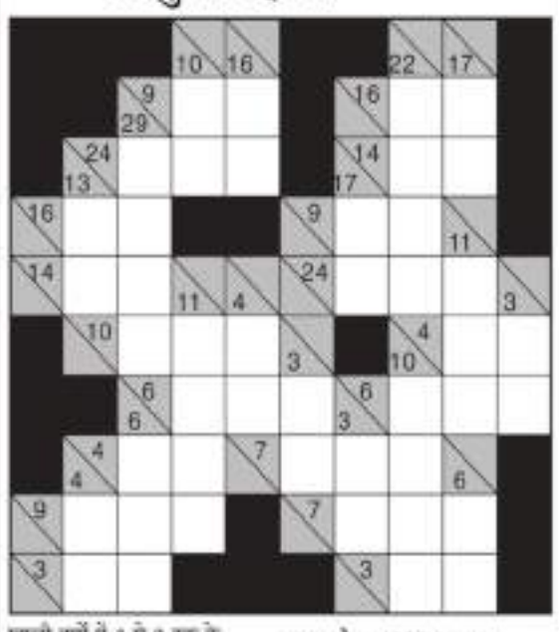

'जी वह मेरा अपना है.'

काकुरो पहेली - 4037

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 4036 का हल

फिल्म वर्ग पहेली -4037

बायें से दायें:-

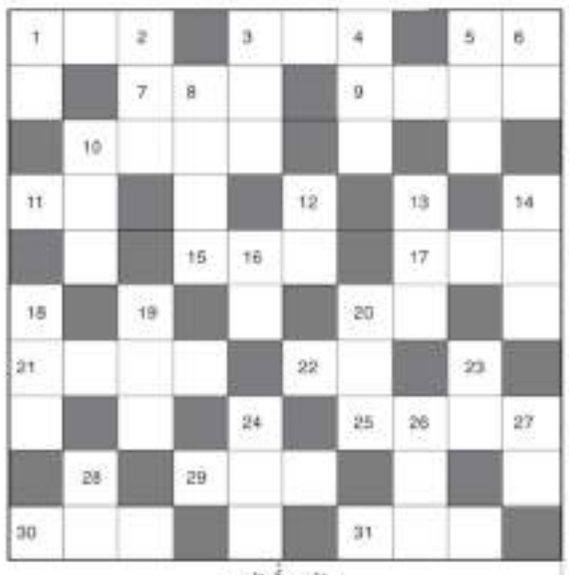

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'मांग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'प्यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, रवीना की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'पागल पागल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चली एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नरगिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल रॉय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाबना रे बाबना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-३
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'चांद कभी चांदनी थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मैं आंगन में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली -4036

सूडोकु 4037

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4036 । हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली -4037

बाएं से दाएं

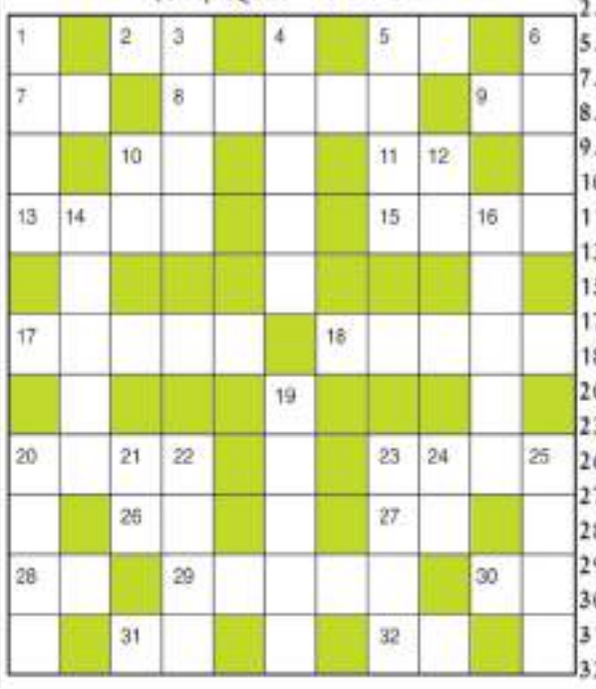

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरूम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपूर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -4036 का हल

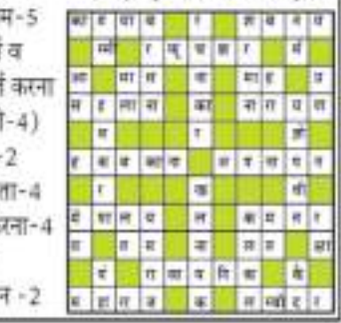

राधिका आप्टे

ने बताई सच्चाई, नहीं मिलती अच्छी स्क्रिप्ट, कहा-फिल्मों को रिजेक्ट करने पर काम ना मिलने का...

फिल्मी दुनिया में अपनी जगह बनाए रखना आसान नहीं है. फिल्मी चकाचौंध के पीछे सितारों का स्ट्रगल छिपा होता है. फिल्म पाना और लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिके रहना दो अलग बातें हैं. कई कलाकार यह बता चुके हैं कि मनोरंजन की दुनिया में सिर्फ एक्टिंग के दम टिके रहना आसान नहीं है. फिल्मी दुनिया में एक ऐसी ही एक्ट्रेस हैं जो हमेशा अपने लीक से हटकर कैरेक्टर के लिए पहचानी जाती है. हम बात कर रहे हैं राधिका आप्टे (Radhika Apte) की. राधिका को उनके ग्लैमरस अंदाज और क्रिएटिव किरदारों के लिए पहचाना जाता है. इन दिनों राधिका 'मिसेज अंडरकवर' को लेकर चर्चा में हैं.'मिसेज अंडरकवर' स्पाय कॉमेडी मूवी है. अनुश्री मेहता निर्देशित यह फिल्म बीते 14 अप्रैल को रिलीज हुई है. फिल्म में राजेश शर्मा, सुमित व्यास, अंगना रॉय आदि कलाकार शामिल हैं. राधिका फिल्म में अंडरकवर एजेंट 'दुर्गा' की भूमिका में हैं, जो 13 साल पहले अपना प्रोफेशन छोड़ चुकी है लेकिन कहानी की सिचुएशन के आधार पर वे एक बार फिर अपनी जिम्मेदारियां संभालती है.

अच्छी स्क्रिप्ट ढूंढना...

राधिका आप्टे ने हाल ही पीटीआई से बात करते हुए बताया, 'मनोरंजन जगत में कई बार फिल्मों को रिजेक्ट करना मुश्किल होता है क्योंकि तब आपके हाथ में कोई प्रोजेक्ट नहीं होता है.

तब लगता है कि पता नहीं काम मिले या ना मिले. फ्रीलांसर एक्टर के तौर पर हमेशा आपके दिमाग में अगले प्रोजेक्ट को लेकर खयाल आते रहते हैं. यह डरावना होता है लेकिन इस बात को समझना होता है.' आजकल मिलने वाली स्क्रिप्ट्स को लेकर राधिका का कहना था, 'इन दिनों अच्छी स्क्रिप्ट ढूंढना बेहद मुश्किल है क्योंकि आजकल हर कोई हर चीज बहुत जल्दी बना रहा है. बहुत सारे पैरामीटर्स होते हैं, जिनमें फीट होना जरूरी होता है. ऐसा रोल पाना बहुत मुश्किल होता है, जिसे आप खुले दिल से कर सकें और जिसे देखकर लगे कि वह बहुत अच्छे से क्राफ्ट किया गया है. 'राधिका का आगे कहना था, 'मैं दो देशों में रहती हूं इसलिए जब मेरा मन करता है, मैं काम करती हूं. मैं बहुत ज्यादा काम हाथ में नहीं लेती हूं क्योंकि यह मुझे परेशानी भरा लगता है इसलिए मैं कम काम का चुनाव करती हूं. जब मैं एक्टिंग नहीं कर रही होती हूं तो मैं लिखती हूं, पढ़ती हूं और दूसरे काम करती हूं.' बता दें राधिका 'फोबिया', 'बदलापुर', 'अंधाधुंध', 'ओ माय डार्लिंग' जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं.

जूनियर एनटीआर के फैन हुए हॉलीवुड डायरेक्टर, तारीफ जीत लेगी दिल, क्या साथ में शुरू करने वाले हैं फिल्म?

एस.एस. राजामौली द्वारा निर्देशित 'आरआरआर' की रिलीज के बाद से ही पूरी दुनिया राम चरन और जूनियर एनटीआर की दीवानी हो गई है. अब इस सूची में हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक जेम्स गन का नाम भी जुड़ चुका है. 'गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी' और 'सुसाइड स्क्वाड' जैसी सुपरहीरो फिल्मों के लिए फेमस दिग्गज हॉलीवुड डायरेक्टर जेम्स गन ने हाल ही में बताया कि वह 'आरआरआर' देखने के बाद जूनियर एनटीआर से काफी प्रभावित हैं.

जेम्स गन ने एक्टर की तारीफ करते हुए कहा कि वह भविष्य में उनके साथ काम करना चाहते हैं. एक न्यूज पोर्टल को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में डायरेक्टर कहते हैं, आरआरआर का वो एक्टर जो पिंजरे से बाहर आने वाले सभी बाघों और सब कुछ के साथ थे. वो एक्टर काफी अच्छे थे. साथ ही उन्होंने जूनियर एनटीआर की तारीफ करते हुए उन्हें बेहतरीन और कूल एक्टर भी बताया.

जूनियर एनटीआर हैं काफी लोकप्रिय-

'मैन ऑफ मास' जूनियर एनटीआर भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में सबसे लोकप्रिय एक्टर्स में से एक हैं और उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है. उनकी आने वाली फिल्म, 'एनटीआर 30' मच अवेटेड फिल्मों में से एक है, जो कई भाषाओं में रिलीज होने के लिए तैयार है.

उत्साहित हैं फैंस-

एनटीआर जूनियर के साथ काम करने में जेम्स गन की दिलचस्पी की खबर सामने आते ही डायरेक्टर और एक्टर के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी है. अब ये देखना दिलचस्प होगा कि आखिर ये दोनों कौन से प्रोजेक्ट के लिए साथ आते हैं. 'आरआरआर' के गाने 'नाटू नाटू' को ऑस्कर मिलने के बाद से पूरी दुनिया में इस फिल्म के नाम का डंका बज चुका है. 'नाटू नाटू' ने ऑस्कर जीत कर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है. अब जेम्स गन का ये बयान इस बात को दर्शाता है कि आज पूरा विश्व भारतीय फिल्मों को एक मिसाल मानता है.

बिना ग्लिसरीन रो देती थीं मौसमी चटर्जी, मां बनने के बाद बनाई फिल्मों से दूरी, फिर अचानक टूट पड़ा दुखों का पहाड़

अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस मौसमी चटर्जी अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं. मौसमी चटर्जी ने अपने अभिनय के अलावा अपनी प्यारी सी मुस्कान से भी दर्शकों का खूब दिल जीता था. ये एक्ट्रेस 'घर एक मंदिर','मंजिल', 'अनुराग', 'रोटी कपड़ा और मकान' और 'प्यासा सावन' समेत कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. मौसमी चटर्जी का नाम बॉलीवुड की उन चंद एक्ट्रेसेज की लिस्ट में शामिल हैं जिनका नाम कभी भी किसी को-स्टार के साथ नहीं जुड़ा है.

26 अप्रैल 1948 को कोलकाता में जन्मीं मौसमी चटर्जी (Moushumi Chatterjee) का असली नाम इंदिरा चटोपाध्याय है. फिल्मों की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्हें 'मौसमी' नाम मिला. उन दिनों जहां एक्ट्रेसेज शादी के बाद फिल्मों की दुनिया से दूरी बना लेती थीं, तो वहीं इस एक्ट्रेस ने शादीशुदा होते हुए भी हिंदी फिल्मों में खूब नाम कमाया था. शादीशुदा मौसमी चटर्जी ने पति जयंत मुखर्जी और ससुर हेमंत कुमार के कहने पर ही फिल्मों में करियर बनाया था.

मौसमी चटर्जी ने साल 1967 में बांग्ला फिल्म 'बालिका वधू' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था. इस फिलम की सफलता के बाद एक्ट्रेस के पास कई फिल्मों के ऑफर्स की लाइन लग गई थी. लेकिन उन दिनों ये एक्ट्रेस अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहती थीं. बाद में एक्ट्रेस ने 1972 में फिल्म 'अनुराग' से बॉलीवुड डेब्यू किया. 'मंजिल' फेम इस एक्ट्रेस के बारे में कहा जाता है कि वह बिना ग्लिसरीन लगाए ही इमोशनल सीन्स देती थीं. जी हां, फिल्मों में रोने के लिए मौसमी चटर्जी को कभी ग्लिसरीन लगाने की जरूरत नहीं पड़ी.

करियर के पीक पर बनीं मां-

आपको जानकर हैरानी होगी कि 1974 में आई फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' के शूटिंग के दौरान मौसमी चटर्जी मां बनने वाली थीं. एक्ट्रेस ने अपने करियर के पीक पर एक बेटी को जन्म दिया था. मां बनने के बाद धीरे-धीरे ये एक्ट्रेस फिल्मों से दूर होती चली गईं.

अमीषा पटेल

नहीं, ये एक्ट्रेस थीं ब्लॉकबस्टर फिल्म के लिए पहली पसंद, मां की वजह से गंवाया ऑफर, बीच में छोड़ी फिल्म

साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'कहो ना प्यार है' (Kaho Naa Pyaar Hai) से ऋतिक रोशन (Hrithik Roshan) और अमीषा पटेल (Ameesha Patel) ने लोगों को दीवाना बना दिया था. ये फिल्म ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल की डेब्यू फिल्म थी. इस फिल्म को ऋतिक रोशन के पिता और फिल्म डायरेक्टर राकेश रोशन ने अपने बेटे को लॉन्च करने के लिए डायरेक्ट किया था. वह चाहते थे कि ऋतिक रोशन के साथ वह फिल्म में किसी नई एक्ट्रेस को कास्ट करें. लेकिन क्या आप जानते हैं कि अमीषा पटेल इस फिल्म के लिए उनकी पहली पसंद नहीं थीं.

'कहो ना प्यार है' में पहले ऋतिक रोशन के साथ करीना कपूर को कास्ट किया गया था. 'बेबो' इस फिल्म से ही अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली थीं, यहां तक कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी थी. 5-6 दिनों तक शूटिंग करने के बाद एक्ट्रेस ने अचानक ही फिल्म छोड़ दी थी. करीना कपूर की मां बबीता के मुताबिक फिल्म में उनकी बेटी पर ध्यान नहीं दिया जा रहा था और सारी लाइमलाइट ऋतिक रोशन के ऊपर ही थी. बता दें, ये एक्टर इस फिल्म में डबल रोल में नजर आए थे.

फिल्म छोड़ने का नहीं था अफसोस-

बबीता का मानना था कि 'कहो ना प्यार है' से डेब्यू करने से करीना कपूर को कोई खास फायदा नहीं होगा जिसकी वजह से उन्होंने एक्ट्रेस से फिल्म छोड़ने के लिए कहा. 'बेबो' ने बाद में उसी साल अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म 'रिफ्यूजी' से डेब्यू किया था. हालांकि, ये फिल्म 'कहो ना प्यार है' जितनी बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित नहीं हुई थी. फिल्म की रिलीज के सालों बाद 'बेबो' ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें वह फिल्म छोड़ने का कोई अफसोस नहीं है.

डेब्यू फिल्म से बने स्टार-

बता दें कि राकेश रोशन के निर्देशन में बनी फिल्म 'कहो ना प्यार है' से ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल रातों-रात स्टार बन गए थे. इन दोनों एक्टर्स को अपनी डेब्यू फिल्म से ही काफी शोहरत मिल गई थी.

रावतभाटा ने सौंपा सात सौ मेगावाट का पहला यूरेनियम फ्यूल बंडल

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा में चार हजार करोड़ के न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट का काम लगभग पूरा हो चुका है। परमाणु ऊर्जा आयोग अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा आयोग सचिव, प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक डॉ. केएन व्यास ने रावतभाटा न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स में बने सात सौ मेगावाट का पहला यूरेनियम फ्यूल बंडल को न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के सीएमडी बीसी पाठक को सौंपा। यूरेनियम फ्यूल बंडल के पेलेट्स बनाने का काम हैदराबाद से किया गया है जबकि फ्यूल बंडल का फेब्रिकेशन यहीं किया गया है। थोड़े दिन बाद से अन्य शेष कार्य पूरा यूरेनियम फ्यूल बंडल यहीं बनेगा। यह देश का दूसरा न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स एनएफसी अंतरराष्ट्रीय सेफगार्ड में रहेगा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी समय-समय पर इसकी निगरानी रखेगी। साथ ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इसकी सुरक्षा का जिम्मा संभाल लेगी। रावतभाटा में निर्माणाधीन न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स में उत्पादित यूरेनियम फ्यूल बंडल की ऑडिट अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत ही होगी। जानकारी मिली है कि रावतभाटा में उत्पादित यूरेनियम फ्यूल बंडल का रिएक्टर में बिजली बनाने में उपयोग होगा। यहां पर हर साल पांच सौ टन यूरेनियम फ्यूल बंडल का निर्माण होगा। भविष्य में रावतभाटा में चार गुना क्षमता बढ़ाने की भी योजना है। इससे रावतभाटा में ही दो हजार टन यूरेनियम फ्यूल बंडल का निर्माण हो सकेगा। देश में पहला न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स हैदराबाद में है, जहां देश भर के परमाणु रिएक्टरों को न्यूक्लियर फ्यूल यूरेनियम बंडल पिछले 50 सालों से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। देश में परमाणु रिएक्टरों की संख्या बढ़ी तो फ्यूल की मांग भी बढ़ गई है। इस पर सरकार ने नया विस्तार रावतभाटा में एनएफसी कोटा प्रोजेक्ट की 2014 में अनुमति दी थी।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में कमजोरी के बावजूद घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। हालांकि, आज शुरुआती कारोबार के दौरान बिकवाली का दबाव बनने की वजह से बाजार कुछ समय के लिए लाल निशान में भी चला गया, लेकिन पहले 1 घंटे के कारोबार के बाद बाजार पर आमतौर पर लगातार खरीदारों का जोर बना रहा। खासकर आखिरी आधे घंटे में हुई तेज खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक बढ़त बनाने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.28 प्रतिशत और निफ्टी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के बाद एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, रियल्टी, टेलीकम्युनिकेशन, पावर और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में तेजी का रुख बना रहा। ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर में गिरावट का रुख बना रहा। आज के कारोबार के दौरान स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में भी खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई के मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।

शेयर बाजार में आई तेजी के कारण शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में करीब 75 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 267.77 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 267.02 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों के कुल संपत्ति में आज करीब 75 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 3,631 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

एमजी मोटर ने लॉन्च की नई इलेक्ट्रिक कार 'कॉमेट', शुरुआती कीमत 7.98 लाख रुपये

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी मॉरिस गैरेज (एमजी) मोटर इंडिया ने अपनी नई इलेक्ट्रिक कार 'कॉमेट' लॉन्च कर दी। इसकी शुरुआती कीमत 7.98 लाख रुपये है। एमजी की कॉमेट सबसे सस्ती, छोटी और एंट्री लेवल इलेक्ट्रिक कार है। कंपनी ने दावा किया है कि यह देश का सबसे किफायती इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) है। जेडएस ईवी के बाद कॉमेट कंपनी का दूसरा इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल है। इसका उत्पादन गुजरात के हलोल प्लांट में शुरू हो चुका है। इसकी बुकिंग 15 मई से शुरू हो रही है। कॉमेट ईवी फुल चार्ज में 230 किलोमीटर की रेंज मिलेगी। कंपनी का कहना है कि ये कार 519 रुपये में 1000 किलोमीटर चलेगी। एमजी मोटर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजीव छाबा ने एक बयान में कहा कि 'कॉमेट ईवी शहरों में आवाजाही के तरीके को बदलने के हमारे दृढ़ संकल्प को आगे बढ़ाती है।

आपूर्ति से जुड़ी मौसमी समस्याओं से बढ़ी महंगाई, स्थिति पर है केंद्र की नजर : सीतारमण

कलबुर्गी/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि आपूर्ति से जुड़ी मौसमी समस्याओं से महंगाई बढ़ी है। केंद्र सरकार जरूरी सामान की कीमतों में नरमी लाने के प्रयासों के साथ उसपर लगातार नजर रख रही है।

लोगों को हम डिजिटल स्किलिंग, डिजिटल ट्रेनिंग दे रहे हैं। केंद्र सरकार में जितने भी खाली पद हैं, उन सब पर भर्ती करने के लिए प्रत्येक राज्य में कुल मिलाकर 10 लाख लोगों को रोजगार दिया जा रहा है।

सीतारमण ने कर्नाटक के कलबुर्गी में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। वित्त मंत्री ने ईंधन और प्राकृतिक गैस के दाम में कमी लाने के प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश में इनका आयात किया जाता है। कोरोना तथा रूस-यूक्रेन

युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में ईंधन के दाम ऊंचे हैं। मंत्रियों के समूह का जरूरी सामान और उनकी कीमतों पर नजर है। परिस्थिति के अनुसार अतिरिक्त स्टॉक जारी किया गया।

वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार कीमतों को नीचे लाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसकी वजह से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई दर छह फीसदी से घटकर 5.8 फीसदी पर आई है। कर्नाटक सहित देश के विभिन्न राज्यों मे स्थित आकांक्षी जिलों में चल रही विकास एवं सामाजिक कल्याण की विभिन्न परियोजनाओं का जायजा स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रगति बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लेते हैं।

उन्होंने कहा कि विकास समावेशी हो इसीलिए हम सबका साथ सबका विकास के विचार के साथ आकांक्षी जिले में विभिन्न योजनाओं में परिपूर्णता प्राप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं। इसीलिए बजट में हमने उत्तर कर्नाटक में अपर भद्रा के लिए बड़ी राशि आवंटित की है। देशभर में कोई भी क्षेत्र पिछड़ा न रह जाए, इसीलिए अब पिछड़े जिलों की निगरानी करने के बाद आकांक्षी ब्लॉक योजना के तहत ब्लॉक लेवल पर भी विभिन्न योजनाओं की निगरानी की जा रही है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में बदलाव नहीं, कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.18 डॉलर यानी 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ 81 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.27 डॉलर यानी 0.35 फीसदी की उछाल के साथ 77.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट का सिलसिला जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। वहीं, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल का भाव 102.63 रुपये और डीजल

94.24 रुपये प्रति लीटर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.41 डॉलर यानी 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ 78.10 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.26 डॉलर यानी 0.35 फीसदी की उछाल के साथ 74.56 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2023-24 के लिए आईटीआर फॉर्म-1 और 4 किया जारी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2023-24 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म-1 और 4 को जारी कर दिया है। आयकर विभाग ने फिलहाल ऑनलाइन आईटीआर फॉर्म जारी नहीं किए हैं, लेकिन आकलन वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2022-23 के आईटीआर दाखिल करने के लिए ऑफलाइन आईटीआर-1 और 4 फॉर्म जारी किए हैं।

आयकर विभाग ने ई-फाइलिंग पोर्टल पर आईटीआर-1 और 4 फॉर्म जारी करने के संबंध में अधिसूचित किया है। विभाग के मुताबिक आकलन वर्ष 2023-24 के लिए आईटीआर फॉर्म-1 और फॉर्म-4 की एक्सेल यूटिलिटीज फाइलिंग के लिए उपलब्ध हैं। विभाग ने कहा कि अभी आईटीआर-1 और 4 के लिए जेएसओएन यूटिलिटी जारी नहीं की गई है। आयकर विभाग के अनुसार एक्सेल यूटिलिटीज परिभाषित उपकरण हैं, जिनका उपयोग करदाता अपनी आय दर्ज करने और आईटीआर दाखिल करने के लिए आवश्यक अन्य विवरण दर्ज कराने के लिए कर सकते हैं।

विभाग के मुताबिक आईटीआर-1 फॉर्म को 50 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्ति द्वारा दाखिल किया जा सकता है, जबकि आईटीआर-4 फॉर्म व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ)

और व्यवसायों से कमाई करने वाली फर्मों को दाखिल करना है। आयकर विभाग के मुताबिक आकलन वर्ष 2023-24 के लिए आईटीआर फॉर्म-1 और फॉर्म-4 एक्सेल में http:ncometa&.gov.in उपलब्ध है, जो शीघ्र ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के ऑनलाइन ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी।

इस्मा ने चीनी उत्पादन का अनुमान 3.5 फीसदी घटाकर 328 लाख टन किया

इस्मा ने पहले 340 लाख टन चीनी के उत्पादन का जताया था अनुमान

नई दिल्ली। देश में चीनी विपणन वर्ष 2022-23 में चीनी का उत्पादन कम होने का अनुमान है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने सितंबर में समाप्त होने वाले चालू चीनी विपणन वर्ष के लिए चीनी उत्पादन के अपने अनुमान को 3.5 फीसदी घटाकर 328 लाख टन कर दिया है। इस्मा ने पहले 340 लाख टन चीनी के उत्पादन का अनुमान जताया था।

उद्योग निकाय इस्मा ने एक बयान में कहा कि चालू चीनी विपणन वर्ष 2022-23 में चीनी उत्पादन 3.5 फीसदी घटकर 328 लाख टन रहने का अनुमान है। इस्मा के मुताबिक चीनी विपणन वर्ष 2022-23 (अक्टूबर-सितंबर) में महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 121 लाख टन के पहले के अनुमान से घटकर 105 लाख टन तक रहने की वजह से कुल चीनी उत्पादन के अनुमान में संशोधन किया गया है।

इस्मा के मुताबिक इथेनॉल उत्पादन के लिए करीब 40 लाख टन गन्ना शीरे के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए चीनी विपणन वर्ष 2022-23 के लिए चीनी उत्पादन के अनुमान को संशोधित कर 328 लाख टन किया गया है। उद्योग निकाय ने जनवरी में इथेनॉल के लिए 45 लाख टन गन्ना शीरे के इस्तेमाल को ध्यान में रखने के बाद कुल 340 लाख टन चीनी के उत्पादन का अनुमान जताया था। हालांकि, पिछले चीनी विपणन वर्ष 2021-22 में इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के उपयोग के बाद चीनी का उत्पादन 358 लाख टन रहा था।

उद्योग निकाय के मुताबिक महाराष्ट्र में गन्ने के पेराई का सत्र लगभग 105 लाख टन चीनी उत्पादन पर समाप्त हो गया है, जो हमारे पहले के अनुमान से कम है। वहीं, उत्तर प्रदेश में चीनी विपणन वर्ष 2022-23 के लिए चीनी के उत्पादन को पहले के अनुमानित 101 लाख टन से संशोधित कर 105 लाख टन कर दिया गया है। हालांकि, कर्नाटक में चीनी उत्पादन को चालू चीनी विपणन वर्ष 2022-23 में पहले के 56 लाख टन के अनुमान से बढ़ाकर 57 लाख टन किया गया है।

इस्मा ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि सितंबर महीने में समाप्त होने वाले चीनी विपणन वर्ष 2022-23 में 15 अप्रैल तक चीनी उत्पादन छह फीसदी घटकर 311 लाख टन रह गया है, जिसकी मुख्य वजह महाराष्ट्र में कम उत्पादन होना है। हालांकि, पिछले चीनी विपणन वर्ष की इसी अवधि में चीनी का उत्पादन 328.7 लाख टन रहा था। सरकार ने चीनी विपणन वर्ष 2022-23 के लिए 60 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी है, जबकि इससे पिछले चीनी विपणन वर्ष 2021-22 में लगभग 110 लाख टन का निर्यात किया गया था, जो अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

महिंद्रा ने ऑल-न्यू बोलेरो मैक्स पिक-अप रेंज से भारत के पिकअप सेगमेंट में मचाई हलचल

जयपुर। भारत में नंबर एक पिकअप ब्रांड बोलेरो पिक-अप के निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने अपनी ऑल-न्यू बोलेरो मैक्स पिक-अप रेंज बोलेरो मेक्स पिकअप रेंज लॉन्च की। इसकी एक्स शोरूम कीमत 7.85 लाख रुपये से शुरू है। ऑल-न्यू बोलेरो मैक्स पिक-अप रेंज को ग्राहकों और ऑपरेटरों को एक कम कीमत पर जबरदस्त फीचर और परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार किया गया है।

हल्की, अधिक कॉम्पैक्ट और वर्सेटाइल ऑल-न्यू बोलेरो मैक्स पिक-अप रेंज पेलोड क्षमता, ईंधन दक्षता, सुरक्षा और ड्राइविंग अनुभव के लिए नए बेंचमार्क सेट करती है। पहले से कहीं अधिक फायदे का सौदा साबित होते हुए इसमें स्मार्ट इंजीनियरिंग भी शामिल है। नई बोलेरो मैक्स पिक-अप रेंज को 24 हजार 999 रुपये के न्यूनतम डाउनपेमेंट पर बुक किया जा सकता है। महिंद्रा ने आसान खरीद और ऑनरशिप एक्सपीरियंस के लिए आकर्षक फाइनेंस स्कीम भी पेश की है। एमएंडएम के ऑटोमोटिव डिवीजन के प्रेसिडेंट विजय नाकरा ने कहा, 'मेक इन इंडिया' पहल के लिए गहराई से प्रतिबद्ध एक कंपनी के रूप में हम ऐसे प्रोडक्ट तैयार करने में बहुत गर्व महसूस करते हैं जो न केवल ग्राहक केंद्रित हैं बल्कि भारत की

आर्थिक वृद्धि में हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाते हैं। महिंद्रा में, हम लगातार अपने ग्राहकों के जीवन को समृद्ध बनाने का प्रयास करते हैं, उन्हें वर्सेटाइल वीकल देते हैं जो विकास और समृद्धि लाते हैं। पूरी तरह से नई बोलेरो मैक्स पिक-अप रेंज अत्याधुनिक सुविधाओं, बेजोड़ शक्ति, अधिकतम पेलोड क्षमता और उच्च माइलेज की पेशकश करती है, इसका वादा है कि ड्राइवरों के लिए हर सफर प्रोडेक्टिव और थकान-मुक्त रहेगा। यह वास्तव में बेहतरीन गाड़ी की तलाश कर रहे किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे बेस्ट विकल्प है। इस प्रोडक्ट सीरीज के साथ हम ग्राहकों को अट्ट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए बहुत प्रसन्न महसूस कर रहे हैं।एमएंडएम में ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्ट डेवलपमेंट के प्रेसिडेंट आर. वेलुसामी ने कहा, ''महिंद्रा रिसर्च वैली के इंजीनियरों की एक समर्पित टीम ने लगातार तीन साल तक इनोवेटिव काम किया और इसी के नतीजे में एक नए और वर्सेटाइल प्लेटफॉर्म का विकास हुआ, जो ऑल-न्यू बोलेरो मैक्सपिक-अप रेंज को आधार देता है। असली कामयाबी यह है कि हम अलग-अलग कार्गो लंबाई और पेलोड क्षमता के उत्पादों की दो प्रोडक्ट्स की सीरीज पेश कर रहे हैं, जिनमें 1.3 टन से 2 टन अद्वितीय मूल्य देने और पिक-अप सेगमेंट में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने के लिए महिंद्रा की तक की क्षमता है। इस तरह दक्षता और उत्पादकता को अधिकतम किया जा सकता है, साथ ही डीजल और सीएनजी के विकल्प भी मिलते हैं। हमने प्रभावशाली ईंधन दक्षता की पेशकश करते हुए, 2 टन तक के पेलोड को पूरा करने के लिए टॉर्क और पावर को बढ़ाकर, इस एप्लिकेशन के लिए एम2डीआई इंजन को महत्वपूर्ण रूप से अपग्रेड किया है। साथ ही, हमने कार जैसी आईमैक्स कनेक्टिविटी तकनीक को एकीकृत किया है, जो अपने सेगमेंट में पहली है। इन सभी शानदार खूबियों के संयोजन से नई बोलेरो मैक्स पिकअप रेंज हमारे ग्राहकों के लिए ड्राइविंग अनुभव को बढ़ाते हुए उनके लिए उत्पादकता को बढ़ाती है और उन्हें कमाई की क्षमता प्रदान करती है।''ब्रांड के पहली बार लॉन्च होने के बाद से महिंद्रा ने दो मिलियन से अधिक पिक-अप यूनिट बेची हैं। भारत के लिए भारत में डिजाइन और निर्मित इसके वाहनों की रेंज देश की लॉजिस्टिक्स जरूरतों के लिए विशिष्ट रूप से अनुकूल है, जो इसे देश के लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की रीढ़ बनाती है।

नई बोलेरो मैक्स पिक-अप रेंज दो सीरीज में आ रही है - एचडी सीरीज (एचडी 2.0 लीटर, 1.7 लीटर और 1.7, 1.3) और सिटी सीरीज (सिटी 1.3, 1.4, 1.5 और सिटी सीएनजी)। इसे ग्राहकों को अच्छे परिचालन और कमाई क्षमता के साथ-साथ एक बिना रोक-टोक वाला आनंददायक ऑन-रोड अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, नई रेंज हाई पेलोड क्षमता, बेहतर माइलेज और प्रदर्शन, बेहतर आराम और सुरक्षा और अत्यधिक विश्वसनीय और कुशल परिवहन समाधान प्रदान करती है।

मारुति को चौथी तिमाही में 2,671 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएमआई) ने वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान किया है। मारुति का मुनाफा जनवरी-मार्च तिमाही में 42 फीसदी बढ़कर 2,671 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की समान अवधि में कंपनी को 1,876 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एमएमआई ने जारी एक बयान में बताया कि बिक्री में सुधार, प्राप्तियां बेहतर रहने और अनुकूल विदेशी मुद्रा विनिमय गतिविधियों से उसका मुनाफा बढ़ा है। कंपनी के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में उसका

मुनाफा 42 फीसदी बढ़कर 2,671 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की इसी अवधि में कंपनी को 1,876 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध बिक्री भी 26,749 करोड़ से बढ़कर 32,060 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एमएसआई का पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में एकीकृत शुद्ध लाभ 8,211 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 3,879 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी की शुद्ध बिक्री भी 88,330 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,17,571 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 8,475 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

दुबई-दिल्ली उड़ान घटना की जांच पूरी होने तक चालक दल को डीजीसीए ने निलंबित किया

नई दिल्ली। एयर इंडिया की दुबई-दिल्ली फ्लाइट में हुई घटना की जांच कर रहे नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया को जांच पूरी होने तक पूरे परिचालक दल को हटाने की निर्देश दिया है। दुबई-दिल्ली उड़ान के दौरान 27 फरवरी को एक पायलट की महिला मित्र को कॉकपिट में ले जाने की शिकायत चालक दल के एक सदस्य ने डीजीसीए से शिकायत की थी।

डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया इस मामले में केबिन-क्रू की कोई भूमिका नहीं दिख रही है, लेकिन जांच पूरी होने तक इस उड़ान के पूरे परिचालक दल की सेवा निलंबित रखी

जाएगी। अधिकारी के मुताबिक फ्लाइट से संबंधित पायलट को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक पायलट की सेवाएं भी निलंबित रहेंगी।

डीजीसीए टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया की दुबई-दिल्ली उड़ान के दौरान एक पायलट की महिला मित्र को कॉकपिट में ले जाने की अनुमति देने की घटना की जांच कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा, अफगानिस्तान को 2023 के लिए 4.62 अरब डॉलर सहायता की जरूरत

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता एजेंसी ने कहा है कि अफगानिस्तान को उसके करीब 2.4 करोड़ जरूरतमंद लोगों के लिए इस साल अंतरराष्ट्रीय समुदाय से 4.62 अरब डॉलर की मानवीय सहायता की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने ट्वीट किया कि अफगानिस्तान लगातार तीसरे साल सूखा, लगातार दूसरे साल भयंकर

आर्थिक संकट तथा दशकों के युद्ध एवं प्राकृतिक आपदाओं के निरंतर दंश को झेल रहा है। उसने कहा कि अफगानिस्तान के अधिकतर लोगों के लिए मानवीय सहायता उनकी आखिरी जीवनरेखा बनी हुई है। काबुल के निवासी एवं सरकारी कर्मी मोहम्मद शुकरान (32) ने कहा कि अफगानिस्तान में जीवन बहुत कठिन है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति किसी तरह जीवित रहने का प्रयास कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एजेंसी ने इस माह के प्रारंभ में कहा था कि अफगानिस्तान पर इस सदी के शुरुआती ढाई दशक में भूखमरी का सबसे अधिक खतरा मंडरा रहा है, ऐसे में अगले छह महीने तक उसकी सहायता करने के लिए उसे 80 करोड़ डॉलर की तत्काल जरूरत है।

भारत-रूस के रिश्तों पर बोले अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री, कहा- हमें धैर्य दिखाना होगा

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने भारत-अमेरिका शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और रूस के रिश्तों पर टिप्पणी की है। यह आयोजन कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना की ओर से आयोजित किया गया था। अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने कहा कि दिल्ली ने यूक्रेन पर मास्को के हमले का समर्थन नहीं किया है, ऐसे में भारत और रूस के रिश्ते के बीच अमेरिका को रणनीतिक धैर्य दिखाना होगा।उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध मजबूत हुए हैं और तेजी से आगे भी बढ़ रहे हैं। जिम मैटिस ने कहा- 'हमें धैर्य दिखाना होगा। वे (भारतीय) सही दिशा में बढ़ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार ने यूक्रेन पर रूस के हमले का समर्थन नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर बहुत स्पष्ट रहे हैं। भारत को जो आखिरी काम करना है वह यह है कि रूस और चीन की करीबी को देखते हुए उसे रणनीति बनानी होगी। रूस के साथ भारत का संबंध अमेरिका के लिए चिंता की बात नहीं है। मैटिस का कहना है कि अन्य क्वाड देशों के विपरित भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूसी हमलों की निंदा नहीं की है। भारत रूसी आक्रमण पर संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर वोटों से दूर रहा है। भारत यूक्रेन में कूटनीति और बातचीत के माध्यम से युद्ध को रोकने की मांग कर रहा है। मैटिस का मानना है कि रूस के प्रभाव क्षेत्र से भारत बाहर निकल रहा है। यह समय भारत पर व्याख्यान देने का नहीं बल्कि उनके साथ मिलकर काम करने का है। एक तरफ जहां भारत के पास पड़ोसी राष्ट्र के रूप में कट्टरपंथी परमाणु हथियार वाला पाकिस्तान है तो वहीं दूसरी तरफ चीन है जो भारत को धमकाने की कोशिश करता रहता है।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में गाना गाकर सबको चौंकाया, बाइडन की प्रतिक्रिया वायरल

वाशिंगटन। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल आजकल अमेरिका आए हुए हैं। इस दौरान जहां वह उत्तर कोरिया पर आक्रामक दिखे वहीं रात में एक अलग अंदाज में नजर आए। उनके इस अंदाज को देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति भी हैरान रह गए। यून के लिए व्हाइट हाउस में एक रात्रिभोज रखा गया था।

वहां खाना खाने के बाद दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने अचानक से माइक ले लिया और एक अंग्रेजी गाना गाने लगे। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन चकित रह गए। दरअसल, जो बाइडन, उनकी पत्नी जिल बाइडन ने राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी किम केओन के लिए रात्रि भोज के साथ ही शाम का मजा लेने के लिए संगीतकारों को बुलाया था। जब सभी लोग डाइनिंग रूम में पहुंचे, जहां ब्रॉडवे सितारों नॉर्म लुईस, ली सालोंगा और जेसिका वोस्क गाने गा रहीं थीं। तभी दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल ने माइक ले लिया और अमेरिकन पाई का गाना गाने लगे।

बाइडन ने चेताया, उत्तर कोरिया ने परमाणु हमला किया तो होगा किम जोंग के शासन का अंत

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग को सीधी चेतावनी दी है। बाइडन ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने परमाणु हमला किया तो किम जोंग के शासन का अंत हो जाएगा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल इस समय अमेरिका की राजकीय यात्रा पर हैं। दोनों राष्ट्राध्यक्षों की वार्ता के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बाइडन ने कहा कि अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करता है तो इसकी प्रतिक्रिया विनाशकारी होगी। उसे अपने शासन के अंत का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया का सुरक्षा कवच अमेरिका है। उत्तर कोरिया के आक्रामक मिसाइल परीक्षणों के सामने परमाणु तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। इस तरह की कार्रवाई करने वाले किसी भी शासन का अंत होगा।

इससे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

जो बाइडन और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल ने एक ऐतिहासिक और नए समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया के हमले को रोकना है। समझौते के तहत 40 साल के बाद अमेरिका पहली बार दक्षिण कोरिया में परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बी का बेड़ा स्थापित कर सकेगा। माना जा रहा है कि यह कदम उत्तर कोरिया से मिल रही धमकियों को देखते हुए उठाया गया है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी प्राथमिकता शांति बनाए रखना है। परमाणु हमले की स्थिति बनी तो उत्तर कोरिया को तगड़ा जवाब दिया जाएगा।

अमेरिकी राजदूत गार्सेटी का बयान, भारत-अमेरिका संबंध पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण

वाशिंगटन। । भारत में अमेरिका के नवनियुक्त राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा है कि पूरी दुनिया के भविष्य के लिए भारत-अमेरिका संबंध बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा है कि दोनों देश कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहे हैं और इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ।

अमेरिकी संसद में इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना और माइकल वाल्ट्ज द्वारा आयोजित यूएस-इंडिया समिट में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को संबोधित करते हुए एरिक गार्सेटी ने कहा कि हमारा संबंध दुनिया के भविष्य के लिए बेहद अहम है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका अपरिहार्य सहयोगी हैं। गार्सेटी ने बताया कि जब वे भारत के लिए नियुक्त हुए थे तो उनकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात में भारत-अमेरिका संबंधों पर राष्ट्रपति

अमेरिकी संसद में इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना और माइकल वाल्ट्ज द्वारा आयोजित यूएस-इंडिया समिट में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को संबोधित करते हुए एरिक गार्सेटी ने कहा कि हमारा संबंध दुनिया के भविष्य के लिए बेहद अहम है।

बिल्कुल स्पष्ट थे। उन्होंने कहा कि यह समय बेहद नाजुक है। साथ ही दोनों देशों के संबंधों के लिए भी अहम समय है। गार्सेटी ने कहा कि भारत और अमेरिका दुनिया के प्रमुख लोकतंत्र हैं। दोनों देश दुनिया की सबसे बड़ी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों देश साथ मिलकर 21वीं सदी को दिशा दे सकते हैं।

चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने जेलेंस्की से फोन पर बात की

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की और साथ यह भी चेतावनी दी कि परमाणु युद्ध की स्थिति में कोई विजेता नहीं होगा। यह जानकारी चीन की सरकारी मीडिया ने दी।

चीन द्वारा रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता की इच्छा जताए जाने के बाद दोनों नेताओं की यह बहुप्रतीक्षित बातचीत हुई। सरकारी बयान के अनुसार जिनपिंग सरकार संभावित राजनीतिक समाधान को लेकर बातचीत के लिए विशेष प्रतिनिधि यूक्रेन भेजेगी। यूक्रेन के मामले में चीन तटस्थ दिखने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसने यूक्रेन पर हमले

को लेकर रूस की निंदा करने से इनकार कर दिया है।

गौरतलब है कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले से पहले जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि दोनों सरकारों की दोस्ती की कोई सीमा नहीं है। शी जिनपिंग ने फरवरी में शांति प्रस्ताव पेश किया था और दोनों पक्षों से युद्ध विराम कर शांति वार्ता शुरू करने का आह्वान किया था। जानकारी के मुताबिक जिनपिंग ने जेलेंस्की से कहा, बातचीत ही समाधान का एकमात्र रास्ता है।

खबर के मुताबिक चीन के राष्ट्रपति ने कहा, परमाणु युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। उन्होंने कहा, सभी संबंधित पक्षों को शांत रहना चाहिए और परमाणु मुद्दे से निपटने में संयम बरतना चाहिए, वास्तव में उन्हें अपने और पूरी मानवता के भविष्य को देखते हुए मिलकर काम करना चाहिए।

वैश्विक समस्याओं के समाधान पर दुनिया की भारत पर टिकी नजर

वाशिंगटन। वरिष्ठ राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला ने जी20 को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि इस बार जी20 की अध्यक्षता भारत के हाथों में है। इसका परिणाम बेमिसाल होगा। आज पूरी दुनिया भारत को ऐसे देश के रूप में देखती है, जो मौजूदा वैश्विक समस्याओं का समाधान प्रदान कर सकता है।

भारत की जी20 अध्यक्षता के मुख्य समन्वयक और पूर्व विदेश सचिव श्रृंगला ने मंगलवार को अपनी बायोग्राफी नॉट एन एक्सीडेंटल राइज के लॉन्च इवेंट में भारतीय-अमेरिकी और डायस्पोरा समुदाय के प्रमुख सदस्यों को संबोधित किया। कहा कि जी20 आजादी के बाद से भारत द्वारा आयोजित सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है।

ये लोग शामिल हुए

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) की सहायक कंपनी जयपुर फुट यूएसए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत केनेथ जस्टर और न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत रणधीर जायसवाल विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

जी20 की अध्यक्षता संभाल रहा भारत

भारत ने पिछले साल एक दिसंबर को जी20 की साल भर चलने वाली अध्यक्षता ग्रहण की। भारत 200 से अधिक बैठकों और संबंधित कार्यक्रमों की मेजबानी कर रहा है, जो सितंबर में नई दिल्ली में एक वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन में समाप्त होगा।

दुनिया कठिन समय का कर रही सामना

श्रृंगला ने कहा कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत जी20 के समय जो परिणाम देगा वह अभूतपूर्व होगा। दुनिया वर्तमान में कठिन समय का सामना कर रही है जहां एकमात्र निश्चितता अनिश्चितता है।

भारत सभी की उम्मीदों पर उतरेगा खरा

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में हमारे कई साझेदारों को लगता है कि अगर कोई एक देश है जो आज उभरी वैश्विक स्थितियों का समाधान प्रदान करने की चुनौती के लिए तैयार है, तो वह भारत है। उन्होंने कहा कि भारत पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की उम्मीदों पर खरा उतरेगा, खासतौर पर ग्लोबल साउथ, जिसका हम हिस्सा हैं और उसकी आवाज रहे हैं।

नेपाल के उपचुनाव में मुख्य पार्टियों को लगा झटका

काठमांडू। नेपाल में तीन सीटों पर 23 अप्रैल को हुए संसदीय उपचुनाव में मुख्य पार्टियों को झटका लगा है। केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन (यूएमएल) समग्र रूप से तीसरे स्थान पर रही। नेपाली संसद की सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस ने दो सीटों पर चुनाव लड़ा और दोनों सीटों पर हार गई। तीनों क्षेत्रों में हुए मतदान के नतीजों ने बड़ी पार्टियों के लिए चुनौती बढ़ा दी है। पिछले साल नवंबर में हुए संसदीय चुनावों के बाद रिक्त हुई तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन (यूएमएल) पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन तीनों जगह हार गई। इसी तरह संसद की सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस ने दो सीटों पर चुनाव लड़ा और दोनों सीटों पर हार गई। पिछले चुनाव में तनहुं-1 सीट से कांग्रेस

उम्मीदवार के रूप में वर्तमान राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल जीते थे, लेकिन उपचुनाव में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के उम्मीदवार स्वर्णिम वाग्ले ने इसी क्षेत्र से जीत हासिल की है। आरएसपी का गठन हुए अभी एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने उपचुनाव में चितवन-2 से अधिक वोट प्राप्त करने में कामयाब रहे। लामिछाने से कांग्रेस और यूएमएल के उम्मीदवार चार गुना मतों से हार गए। बारा-2 सीट से जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) के अध्यक्ष उपेंद्र यादव जीते हैं। उन्हें जनमत पार्टी के उम्मीदवार शिवचंद्र कुशवाहा ने कड़ी चुनौती दी। तीनों क्षेत्रों में हुए मतदान के नतीजों ने बड़ी पार्टियों के लिए चुनौती बढ़ा दी है। प्रधानमंत्री एवं सीपीएन (एमसी) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में माना कि चुनौती बढ़ गई है। इधर, नेपाली कांग्रेस के भीतर नई पीढ़ी के नेताओं ने उन मुद्दों को उठाना शुरू कर दिया है, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसी तरह यूएमएल अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने अपने गृह जिले झापा पहुंचकर कहा कि उनकी पार्टी की चारों तरफ से घेराबंदी की जा रही है। उन्होंने कहा कि वह इसे तोड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।

भतीजी की शादी कराने के लिए भारतीय मूल के बुजुर्ग को छह महीने की जेल

सिंगापुर । सिंगापुर में 73 साल के एक भारतीय मूल के बुजुर्ग को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल बुजुर्ग पर आरोप है कि उन्होंने अपने एक सहयोगी को इमीग्रेशन का फायदा देने के लिए अपनी भतीजी से उसकी शादी करा दी।

दरअसल यह शादी फर्जी थी और सिर्फ सहयोगी को इमीग्रेशन का फायदा देने के लिए यह शादी की गई थी। अदालत में आरोप सिद्ध होने के बाद बुजुर्ग को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही जिनकी शादी हुई, उन्हें भी छह और सात महीने की जेल की सजा सुनाई गई है।

खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों के खिलाफ ब्रिटेन के समीक्षा आयोग ने चेताया

लंदन। ब्रिटिश सरकार के एक प्रमुख स्वतंत्र समीक्षा आयोग ने कुछ खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ताओं की विध्वंसक, आक्रामक और सांप्रदायिक कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी और साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा कि ऐसे समूहों की ब्रिटेन की संसद तक पहुंच न हो सके।

एक समीक्षा रिपोर्ट को व्यापक सार्वजनिक विमर्शों में से एक बताया गया है, जिसमें 21 हजार से अधिक लोगों की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। रिपोर्ट में सिख एक्स्ट्रेमिज्म नामक एक खंड में विस्तार से बताया गया है कि एक छोटे लेकिन बेहद मुखर समूह के विध्वसंक खालिस्तान समर्थक विमर्श को आगे बढ़ाने के लिए सिख धर्म को हाइजेक करने को लेकर ब्रिटिश सिख समुदाय के सदस्यों ने अपनी चिंता जताई है। समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटिश सिखों का एक छोटा, बेहद मुखर और आक्रामक अल्पसंख्यक समूह है, जिसे

खालिस्तान समर्थक चरमपंथी के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जो एक जातीय-राष्ट्रवादी एजेंडे को बढ़ावा दे रहा है। इसमें कहा गया है, इनमें से कुछ चरमपंथियों को उस खालिस्तान को स्थापित करने की अपनी महत्वाकांक्षा में हिंसा का समर्थन करने और लोगों को उकसाने के लिए जाना जाता है जिसकी भौतिक सीमाएं बड़े पैमाने पर भारत में पंजाब राज्य के विशिष्ट भागों के साथ साझा की जाती हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस क्षेत्रीय दावे में पाकिस्तान में स्थित पंजाब का हिस्सा शामिल नहीं है। यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि इन चरमपंथियों की प्रेरणा आस्था पर आधारित है या नहीं।

समीक्षा रिपोर्ट में यह कहा गया है कि सरकार को यह पहचान करनी चाहिए कि ब्रिटिश सिख समुदाय के भीतर चरमपंथी गतिविधि कहां मौजूद है और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी गतिविधियों को खत्म किया जाए।

सिख चरमपंथ के बारे में चेतावनियों के अलावा, 159 पृष्ठों की रिपोर्ट में धार्मिक अतिवाद के अन्य रूपों को शामिल किया गया है और कहा गया है कि कुछ ब्रिटिश हिंदुओं ने ब्रिटेन की राजनीति में हिंदू राष्ट्रवादी भागीदारी पर निराशा व्यक्त की है, जो ब्रिटेन में भारतीय समुदायों के बीच विभाजन पैदा कर सकता है।

इस्लामी चरमपंथ पर रिपोर्ट में ब्रिटिश सरकार से अपील की गई है कि वह चरमपंथी इस्लामवाद तथा इस्लाम और इस्लामी चरमपंथियों तथा मुसलमानों के बीच अंतर को रेखांकित करने के लिए दोगुने प्रयास करे।

नए भारत की क्षमताओं और योगदान को पहचान रही है दुनिया : जयशंकर

बोगोटा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि दुनिया नए भारत की क्षमताओं और उसके योगदान को पहचान रही है और यह भावना प्रबल हो रही है कि आज के भारत के पास चुनौतीपूर्ण मुद्दों का समाधान करने की क्षमता है। जयशंकर कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में मंगलवार को भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया आज भारत में हो रहे बदलाव को स्वीकार कर रही है। जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों के साथ भारत के नए भारत में परिवर्तित होने और इसके वैश्विक निहितार्थों को भी साझा किया। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि कैसे दुनिया नए भारत की क्षमताओं और योगदान को पहचान रही है। विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष या विकसित दुनिया और विकासशील दुनिया से संबंधित समस्याओं का हवाला देते हुए प्रवासी भारतीयों से कहा, इन सबके बीच हर तरफ आज

यह भावना है कि भारत एक ऐसा देश है, जो किसी न किसी रूप में एक ऐसे सेतु का काम कर सकता है, जो अलग-अलग विचारों को एक साथ लाता है और समस्याओं का समाधान खोजने में मदद करता है। जयशंकर ने तुर्किए में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान भारत की ओर से 24 घंटे के भीतर उसे मदद मुहैया कराने के वाकिए का उल्लेख करते हुए कहा कि, पिछले एक दशक में, हमने संकट के समय पहली प्रतिक्रिया देने वाले के रूप में प्रतिष्ठा बनाई है। जब कुछ होता है तो हम तेजी से आगे बढ़ते हैं, क्योंकि हमने देश के भीतर अपनी क्षमता विकसित कर ली है और अब हमें लगता है कि हम काफी अच्छे हैं, काफी अनुभवी हैं और बाहर ऐसा करने के लिए पर्याप्त रूप से जिम्मेदार हैं। विदेश मंत्री ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को लेकर भी कहा, जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने की दिशा में आज हम खुद को नेतृत्व करने वाले देश के रूप में देख रहे हैं, एक ऐसा देश, जिसने सौर ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत कुछ किया है, वास्तव में विचारों और प्रथाओं तथा संस्थानों की एक पूरी श्रृंखला के साथ तैयार है।

जयशंकर ने विदेशों में रह रहे भारतीयों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बारे में भी बात की। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विदेशों में भारत की छवि समुदाय के लोगों ने बेहतर बनाई है। कोलंबिया प्रवास के दौरान जयशंकर यहां के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि जयशंकर गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डोमिनिक गणराज्य की नौ-दिवसीय यात्रा पर हैं।

भारत की पाकिस्तान को दो टूक, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा की 68वीं पूर्ण बैठक में भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर प्रतीक माथुर ने कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे। किसी भी देश की ओर से प्रसारित की जानी वाली गलत सूचना, बयानबाजी और प्रचार इस तथ्य को नकार नहीं सकते हैं। यूएनएससी में सुधार की वकालत करते हुए भारतीय राजनयिक माथुर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा 'वीटो पहल' को अपनाए हुए एक साल बीत चुका है। वीटो पर भारत की स्थिति सुसंगत और स्पष्ट रही है। यूएनजीए ने 2008 में सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की थी कि वीटो के सवाल सहित यूएनएससी सुधार के सभी पांच पहलुओं को व्यापक तरीके से तय किया जाएगा। उन्होंने तर्क दिया कि सभी पांच स्थायी सदस्यों ने पिछले 75 वर्षों में अपने संबंधित राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए वीटो का इस्तेमाल किया है। काउंसलर माथुर ने अफ्रीकी देशों के हवाले से कहा कि हमारे अफ्रीकी भाइयों ने आईजीएन में बार-बार कहा है कि वीटो को सैद्धांतिक रूप से समाप्त कर दिया जाना चाहिए। आगे कहा कि वीटो का उपयोग करने का विशेषाधिकार केवल पांच सदस्य देशों में निहित किया गया है। जैसा कि हमारे अफ्रीकी भाइयों द्वारा सही कहा गया है, यह राज्यों की संप्रभु समानता की अवधारणा के खिलाफ जाता है और केवल द्वितीय विश्व युद्ध की मानसिकता को कायम रखता है।

लंदन मैराथन में हिस्सा लेने के बाद घर लौटते समय व्यक्ति की मौत

लंदन। लंदन मैराथन में भाग लेने के बाद घर लौटते समय 45 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। आयोजकों ने उक्त जानकारी दी। नॉटिंघम के स्टीव शैंक्स एक अनुभवी धावक थे, जिन्होंने दो घंटे, 53 मिनट, 26 सेकंड में दौड़ पूरी की, आयोजकों ने कहा कि उनकी

मृत्यु का कारण बाद में चिकित्सा परीक्षण के बाद पता चल सकेगा। आयोजकों ने कहा, लंदन मैराथन इवेंट्स में हर कोई स्टीव शैंक्स की अचानक मौत के बारे में सुनकर बहुत दुखी हुआ। स्टीव की स्मृति में मल्टीपल स्केलेरोसिस सोसाइटी के लिए एक चैरिटी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

केन्या के केल्विन किप्टम ने दो घंटे, एक मिनट, 25 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ पुरुषों की दौड़ जीती, जबकि डच मध्य-दूरी के एथलीट सिफान हसन ने महिला वर्ग में जीत दर्ज की। मैराथन में 48,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

विश्व शतरंज चैंपियनशिपः राउंड 12 - डिंग की शानदार वापसी 6-6 हुआ स्कोर

अस्ताना, कजाकिस्तान। विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2023 के 12वे राउंड के पहले ऐसा लग रहा था की रूस के यान नेपोमनिशी विश्व खिताब आसानी से जीत जाएँगे लेकिन लगातार तीन ड्रॉ के बाद उनके प्रतिद्वंदी चीन के डिंग लीरेन नें आखिरकार जीत दर्ज करते हुए ना सिर्फ शानदार वापसी की बल्कि अब विश्व चैम्पियन कौन बनेगा यह कहना बहुत मुश्किल हो चुका है क्यूंकी सिर्फ दो राउंड बाकी रहते स्कोर 6-6 से बराबर हो चुका है।सफ़ेद मोहरो से खेल रहे डिंग नें आज कोले सिस्टम ओपनिंग खेलकर नेपो को उनकी तैयारी से दूर रखने की रणनीति अपनाई जो

उनके लिए सही भी साबित हुई बावजूद इसके खेल की स्थिति संतुलित थी पर खेल की 11वीं चाल मे डिंग नें अपने ऊंट से नेपो के घोड़े को मारते हुए दोनों राजा की स्थिति को कमजोर करने का निर्णय लिया पर इसका ज्यादा फायदा नेपो को मिला और उन्होने अपनी स्थिति मजबूत कर ली ऐसे मे डिंग नें अपने वजीर को सक्रिय करने का निर्णय लिया , खेल की 27 से लेकर 29 चाल तक नेपो के पास डिंग के राजा पर आक्रमण करने के तीन मौके थे और उन्होने यह तीनों मौके खो दिये और इसके बाद डिंग नें उनके राजा पर आक्रमण करते हुए 38 चालों में बाजी अपने नाम कर ली ।

जीत के बाद कप्तान नीतिश बोले- मदद मांगने पर इस खिलाड़ी ने हमेशा हाथ खड़ा किया

बेंगलुरू । आईपीएल 2023 के 36वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को उन्हीं के घर में 21 रनों से करारी शिकस्त दी। इस मैच में कोलकाता की जीत के बाद कप्तान नीतिश राणा ने युवा स्पिन गेंदबाज सुयश शर्मा की जमकर तारीफ की, जिन्होंने इस मैच में 2 अहम विकेट चटकाए।

राणा ने कहा कि जब भी वह इस गेंदबाज से बात करते हैं तो हमेशा यह गेंदबाज तैयार रहता है। नीतिश राणा ने कहा, 'पिछले 3-4 मैचों में मैं टॉस में एक ही बात कहता रहा हूं - अगर हम सामूहिक रूप से अच्छा खेलते हैं, तो परिणाम हमारे पक्ष में होगा। हमारे हालात में इस तरह का प्रदर्शन करने के लिए आपको ड्रेसिंग रूम में काफी जज्बे की जरूरत होती है। विश्वास हमेशा से रहा है कि हम वापसी करेंगे। हम बोर्ड पर एक अंक रखना चाहते थे। लगा कि यह दूसरी पारी में पिच टर्न लेगा क्योंकि ओस ज्यादा नहीं थी। यह ज्यादा टर्न नहीं हुआ लेकिन हमने अच्छी गेंदबाजी की। जब भी मैंने उनसे (सुयश शर्मा) बात की है, उन्होंने हमेशा हाथ ऊपर किया है। वह हमेशा कहता है कि मैं काम करूंगा। हम उनसे कहते हैं कि यह मत देखो कि तुम्हारे खिलाफ कौन बल्लेबाजी कर रहा है, बस अपनी गेंदबाजी पर ध्यान दो।'

चोटिल केन विलियमसन टीम मेंटर के तौर पर विश्व कप में ले सकते हैं हिस्सा

रावलपिंडी। न्यूजीलैंड के सफेद गेंद के कप्तान केन विलियमसन के इस साल के अंत में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में खेलने की संभावना नहीं है, लेकिन वह टीम मेंटर के रूप में इस टूर्नामेंट के लिए भारत की यात्रा कर सकते हैं।

मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि वह अनुभवी बल्लेबाज और सीमित ओवरों के कप्तान का मेंटर जैसी भूमिका में इस्तेमाल करना चाहेंगे। विलियमसन अपने दाहिने घुटने के एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट की सफल सर्जरी के बाद पुनर्वसन में हैं। विलियमसन को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटन्स के लिए अपने पहले मैच में क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी।

बाउंड्री पर एक छक्के को रोकने का प्रयास करते हुए, विलियमसन ने हवा में छलांग लगाई और नीचे गिरते ही उनके घुटने में चोट लग गई। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। स्टीड ने पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड की पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले संवाददाताओं से कहा, यह

अभी भी जानना बहुत जल्दी है। उसका ऑपरेशन हुआ है और आज तक, जो हम जानते हैं, वह सफल रहा है। इसलिए वह अपने पुनर्वसन कार्यक्रम के बहुत ही प्रारंभिक चरण में है। अक्टूबर में शुरू होने वाले 50 ओवर के विश्व कप से विलियमसन बाहर हो गए हैं और उनको पूरी तरह से ठीक होने में कम से कम नौ महीने निश्चित रूप से उनके अनुभव का फायदा उठाना चाहेंगे। न्यूजीलैंड पिछले दो एकदिनी विश्वकप का उपविजेता रहा है। विलियमसन की कप्तानी में, न्यूजीलैंड को 2019 विश्व कप के फाइनल में एक बेहद ही रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

लगेंगे। हालांकि, स्टीड अभी भी आशावादी है। स्टीड ने कहा, फिलहाल संभावना नहीं है कि केन उपलब्ध होंगे, लेकिन हम

भारतीय हैंडबाल टीम ने अंडोरा को हराया, आनंदेश्वर पांडेय ने दी बधाई

-बुल्गारिया में आयोजित हैंडबाल प्रतियोगिता में भारत की अच्छी शुरूआत

लखनऊ। भारत की जूनियर पुरुष हैंडबॉल टीम ने बुल्गारिया में आयोजित चौथी आईएचएफ इमर्जिंग नेशन्स हैंडबॉल चैंपियनशिप में अपने पहले लीग मैच में अंडोरा को 26-23 गोल से हराकर जीत से अपना अभियान शुरू किया।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने टीम को बधाई दी है। इसके साथ ही उम्मीद जताई है कि भारतीय टीम विश्व स्तर नाम रोशन करेगी। यह मैच काफी रोमांचक रहा, जिसमें भारत ने मध्यांतर तक 14-10 की मामूली बढ़त बना ली थी। भारतीय टीम की ओर से अंकित सबसे ज्यादा आक्रामक रहे जिन्होंने विरोधी टीम के डिफेंस को भेदते हुए अकेले 10 गोल दागे। उनका साथ देते सुमित ने छह गोल किये। साहिल, मोहित प्रथम व मोहित द्वितीय ने तीन-तीन गोल किये। अमित को एक

गोल करने में सफलता मिली। टीम में शामिल यूपी के शुभम सिंह व अमरमणि त्रिपाठी ने भी उम्दा प्रदर्शन किया। दूसरी ओर अंडोरा की टीम से उनाई रुइज़ ने सबसे ज्यादा 10 गोल किये। डेनियल जिमेनेज़ को 4, जोएल ब्राड, पोऊ मनरेसा व अलेक्स रास को दो-दो गोल करने में सफलता मिली। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने बधाई दी और बताया कि भारतीय खिलाड़ियों ने आज के मुकाबले में अंडोरा की टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए रोमांचक जीत दर्ज की। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम चैंपियनशिप में कल यानि 27 अप्रैल को माल्टा के खिलाफ अपना दूसरा मैच खेलेगी।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2023 : आकर्षी कश्यप बाहर, सिंधु प्री क्वार्टरफाइनल में

दुबई। भारतीय शटलर आकर्षी कश्यप बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2023 से बाहर हो गई हैं। राउंड ऑफ 32 में आकर्षी को इंडोनेशिया की कोमांग अय्यू काह्या डेवी ने 21-6,21-12 से हराया। वहीं, शीर्ष भारतीय शटलर और ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने प्री-क्वार्टर चरण में प्रवेश कर लिया है। सिंधु ने ताइवान की सु येन-ची को 21-15, 22-20 से हराया। भारतीय पुरुष शटलर किदांबी श्रीकांत भी अंतिम 16 में पहुंच गए। उन्होंने बहरीन के अदनान इब्राहम को 21-13, 21-8 से हराया। युगल प्रतियोगिता में, एमआर अर्जुन

और ध्रुव कपिला की जोड़ी राउंड ऑफ 32 में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई, जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने अगले दौर में जगह बना ली।

ध्रुव और अर्जुन मलेशियाई जोड़ी ओंग यू सिन और टियो ई यी से 21-12, 16-21, 12-21 से हार गए जबकि सात्विक और चिराग ने मलेशिया के टैन कियान मेंग और टैन वी किओंग को 21-14, 21-17 से हराया।

एच एस प्रणय ने भी म्यांमार के फोन पेई नाइंग को 21-14, 21-9 से हराया।

तृसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला जोड़ी भी प्री-क्वार्टर चरण में पहुंच गई।

उन्होंने लैनी ट्रिया मायासारी और रिविका सुगियार्तो की इंडोनेशियाई जोड़ी को 17-21, 21-17, 21-18 से हराया।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हुए रीस जेम्स

लंदन। चेल्सी के युवा लेफ्ट-बैक रीस जेम्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पूरे सीजन के लिए बाहर हो गए हैं। क्लब के कार्यवाहक प्रबंधक फ्रैंक लैम्पार्ड ने उक्त जानकारी दी। जेम्स स्टैमफोर्ड ब्रिज में चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल मैच में रियल मैड्रिड के खिलाफ मुकाबले में चेल्सी की टीम का हिस्सा थे। उन्हें मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट का सामना करना पड़ा और वे पूरे सीज़न के लिए बाहर हो गए। जेम्स चोटिल होने के बावजूद मैच खेलते रहे। लैम्पार्ड ने कहा, दर्द में भी प्रदर्शन करने की जेम्स की इच्छा ने उस खिलाड़ी के गौरव को परिभाषित किया जो फुटबॉल खेलना पसंद करता है।

अगर आपमें उस तरह की इच्छा नहीं है तो आप चेल्सी के लिए शीर्ष खिलाड़ी नहीं हो सकते। लैम्पर्ड ने कहा,'मुझे नहीं लगता कि यह चेल्सी को जरूरी प्यार करने के बारे में है। यह आप जो करते हैं उस पर गर्व करने और फुटबॉल खेलने से प्यार करने के बारे में है। जब आप प्रीमियर लीग में शीर्ष टीम बनना चाहते हैं तो टीम में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए यह एक शर्त होनी चाहिए।

इंजीनियर बनना जरूरी नहीं है, किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं : दीपा मलिक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय पैरा-एथलीट दीपा मलिक ने भी हिस्सा लिया।

भारतीय एथलीट ने इस बात पर जोर दिया कि इंजीनियर बनना जरूरी नहीं है। यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन में जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ने का फैसला करता है, उसमें उत्कृष्टता और योगदान दे सकता है, तो पीएम नरेंद्र मोदी आपकी सराहना करने के लिए वहां मौजूद रहेंगे।

मन की बातश 100 राष्ट्रीय संगोष्ठी में मलिक ने कहा, इंजीनियर बनना जरूरी नहीं है। आप जो भी क्षेत्र चुनते हैं, अगर आप उत्कृष्टता हासिल करते हैं या देश के विकास में योगदान करते हैं, तो पीएम मोदी आपकी सराहना करेंगे।

सम्मेलन का आयोजन प्रसार भारती द्वारा यहां राष्ट्रीय राजधानी के विज्ञान भवन में किया गया था। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की उपस्थिति में उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने की।

देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 100 सम्मानित नागरिक जिनके नाम का उल्लेख प्रधान मंत्री ने मन की बात के पिछले एपिसोड में किया था, इस कार्यक्रम में

शामिल हुए। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 3 अक्टूबर, 2014 को अपनी स्थापना के बाद से, 'मन की बात' एक राष्ट्रीय परंपरा बन गई है, जिसमें प्रधानमंत्री हर महीने राष्ट्र को संबोधित करते हैं, लाखों लोगों को भारत की विकास यात्रा में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं। तब से, इसने नागरिकों के साथ एक संबंध स्थापित किया है। भारत के लोग हर महीने अपने प्रधान सेवक के पास अपनी उपलब्धियों, चिंताओं, खुशी और गर्व के क्षणों के साथ-साथ नए भारत के सुझावों को साझा करते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत 3 अक्टूबर 2014 को हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के जरिए दुनिया की ऐसी शख्सियतों को खोजा, जिन्होंने अपने क्षेत्र में विशेष योगदान दिया, लेकिन उनकी पहचान छिपी रही। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने मन की बात में जलवायु परिवर्तन, कृषि, कला, संस्कृति और स्वास्थ्य सभी विषयों को शामिल किया और अपने मन की बात कार्यक्रम में हर बार कुछ नया समाज के सामने पेश किया ताकि समाज को इसके बारे में जानकारी मिल सके। इसका मकसद देश को एक सूत्र में बांधना और सबको साथ लेकर विकास करना है।

कोलकाता ने भेदा बैंगलोर का किला, दर्ज की बड़ी जीत

बेंगलुरू। सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय के अर्धशतक और कप्तान नितीश राणा की तेजतर्रार पारी के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को 21 रन से हराकर लगातार चार हार के क्रम को तोड़ा। नाइट राइडर्स के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम कप्तान विराट कोहली (37 गेंद में 54 रन, छह चौके) के अर्धशतक के बावजूद आठ विकेट पर 179 रन ही बना सकी। उनके अलावा सिर्फ महिपाल लोमरोर (34) और दिनेश कार्तिक (22) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। नाइट राइडर्स की ओर से लेग स्पिनरों वरुण चक्रवर्ती (27 रन पर तीन विकेट) और सुयश शर्मा (30 रन पर दो विकेट) ने मिलकर पांच विकेट चटकाए।

आंद्रे रसेल (29 रन पर दो विकेट) ने भी दो विकेट हासिल किए। नाइट राइडर्स ने इससे पहले रॉय (29 गेंद में पांच छक्कों और चार चौकों से 56 रन) और कप्तान राणा (21 गेंद में 48 रन, चार छक्के, तीन चौके) की पारियों से पांच विकेट पर 200 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे आरसीबी की शुरुआत खराब रही और टीम ने पावर प्ले में 58 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए। इंपैक्ट प्लेयर के रूप में उतरे कप्तान फाफ डुप्लेसी (17) ने उमेश यादव पर लगातार दो छक्के

मारे लेकिन सुयश की गेंद को बाउंड्री पर रिंकू सिंह के हाथों में खेल गए। सुयश ने इसके बाद शाहबाज अहमद (02) को पगबाधा किया जबकि ग्लेन मैक्सवेल (05) ने चक्रवर्ती की गेंद पर डेविड वाइसी को कैच थमाया। कप्तान कोहली हालांकि एक छोर पर डटे रहे। उन्होंने पदार्पण कर रहे वैभव आरोड़ा पर चौके के साथ खाता खोला और फिर सुयश पर लगातार दो चौके मारे। लोमरोर ने सुनील नारायण पर दो छक्के मारे जबकि कोहली ने सुयश पर चौके के साथ 11वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया और फिर इसी ओवर में दो रन के साथ 33 गेंद में मौजूदा टूर्नामेंट का अपना पांचवां अर्धशतक बनाया। लोमरोर ने चक्रवर्ती पर अपना तीसरा छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर बाउंड्री पर रसेल को कैच दे बैठे। उन्होंने 18 गेंद में तीन छक्के और एक चौका मारा। आरसीबी को अगले ओवर में बड़ा झटका लगा जबकि रसेल की गेंद पर वेंकटेश अय्यर ने बाउंड्री पर कोहली का शानदार कैच लपका। सुयश प्रभुदेसाई भी नौ गेंद में 10 रन बनाकर रन आउट हुए जिससे टीम का स्कोर छह विकेट पर 138 रन हो गया। मेजबान टीम को अंतिम पांच ओवर में 63 रन की जरूरत थी। अगले दो ओवर में सिर्फ 15 रन बने जबकि रसेल ने खानिंदु हसरंगा (05) को पवेलियन भेजा। चक्रवर्ती के अगले ओवर में भी सिर्फ चार रन बने जबकि दिनेश कार्तिक (22) ने रिंकू को कैच थमा दिया जिससे आरसीबी की रही सही उम्मीद भी टूट गई। आरसीबी को अंतिम दो ओवर में 44 रन की दरकार थी और टीम इस स्कोर के आसपास भी नहीं पहुंच सकी। इससे पहले कोहली ने टॉस जीतकर नाइट राइडर्स को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसके बाद रॉय और जगदीशन ने पहले विकेट के लिए तेजी से 83 रन जोड़े। रॉय ने मोहम्मद सिराज (33 रन पर एक विकेट) के पहले ओवर में दो चौके जड़ने के बाद उनके अगले ओवर में भी चौका मारा। जगदीशन ने भी डेविड विली पर चौके से खाता खोला और फिर उनके अगले ओवर में दो बार गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए। रॉय ने शाहबाज अहमद का स्वागत चार छक्कों से किया जिससे नाइट राइडर्स ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 66 रन बनाए। रॉय ने विशाख की गेंद पर एक रन के साथ सिर्फ 22 गेंद में लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया। जगदीशन हालांकि विजयकुमार विशाख (41 रन पर दो विकेट) के अगले ओवर में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में बाउंड्री पर विली को कैच दे बैठे। उन्होंने 29 गेंद में चार चौके मारे। विशाख ने इसी ओवर की अंतिम गेंद पर रॉय को भी बोल्ड करके नाइट राइडर्स का स्कोर 10 ओवर में दो विकेट पर 88 रन किया। वेंकटेश अय्यर ने खानिंदु हसरंगा (24 रन पर दो विकेट) पर दो चौकों के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।

नीतीश राणा का गरजा बल्ला, 4 छक्के लगाकर हासिल की बड़ी उपलब्धि

बेंगलुरू। आईपीएल 2023 के 36वें मुकाबले में आरसीबी के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नीतिश राणा का बल्ला गरजा।

नीतिश हालांकि 17वां आईपीएल अर्धशतक लगाने से चूक गए, लेकिन उनके बल्ले से जो पारी निकली उससे उन्होंने एक खास उपलब्धि हासिल कर ली। दरअसल, राणा ने 21 गेंदों में 48 रनों की पारी खेली, जिसमें 3 चौके व 4 दनदनाते छक्के शामिल रहे। इसी के साथ राणा

ने केकेआर के लिए आईपीएल में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए हैं।

राणा अब केकेआर के लिए 100 छक्के पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। केकेआर के लिए सर्वाधिक छक्के लगाने का करिश्मा विंडीज के धुरंधर किरोन पोलार्ड ने किया है, जिन्होंने 180 छक्के लगा दिए हैं। वहीं तीसरे नंबर पर 85 छक्कों के साथ पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान काबिज हैं।

आईपीएल में केकेआर के लिए सबसे ज्यादा छक्के:

180 - आंद्रे रसेल
100 - नितीश राणा
85 - यूसुफ पठान
85 - रॉबिन उथप्पा

आरसीबी को 24वीं बार मिला 200+ टारगेट

अपने ही घर में आरसीबी को मिली करारी हार, कोहली बोले - हमने यह जीत उनको सौंप दी

बेंगलुरू। आईपीएल 2023 के 36वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को उन्हीं के घर में 21 रनों से करारी शिकस्त दी। बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम मं खेले जा रहे इस मुकाबले में कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 201 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में बैंगलोर 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 179 रन ही बना पाई। इस हार के बाद बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि टीम इस मैच में पूरी तरह विफल रही और टीम ने मैच कोलकाता को पूरी तरह सौंप दिया।

विराट कोहली ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमने खेल उनके हाथों में सौंप दिया। इस

मैच में हम हारने के लायक थे। हमने उन्हें जीत सौंपी। हम निश्चित रूप से मानक के अनुरूप नहीं थे। अगर आप खेल पर नजर डालें तो हमने अपने मौकों का फायदा नहीं उठाया। हमने कुछ मौके गंवाए, जिससे हमें 25-30 रन गंवाने पड़े। हमने खुद को काफी अच्छे से सेट किया है। पीछा करते समय भी, विकेट गंवाने के बावजूद हम खेल में बने रहने से एक साझेदारी दूर थे। हमें मैच अपने पक्ष में लाने के लिए एक साझेदारी की जरूरत थी। हमें स्विच ऑन करने की जरूरत है न कि सॉफ्ट प्ले देने की। हमें टूर्नामेंट के बाद के चरणों के लिए अच्छी स्थिति में रहने के लिए कुछ मैच जीतने की जरूरत है।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ ऊना ▸ 28 अप्रैल 2023 ▸ पृष्ठ 12 ▸ आरएनआईः HPHIN / 2012 / 48072

न्यूज फ्लैश

जमीन घोटाला: गिरफ्तार छह आरोपितों को भेजा जेल

टीम एक्शन इंडिया/रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची में सेना की जमीन सहित अन्य भूमि घोटालों के मामलों में गिरफ्तार छह आरोपितों को 12 दिनों की पूछताछ के बाद गुरुवार को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट में सभी आरोपितों की पेशी हुई। पेशी के बाद जेल भेजे गए आरोपितों में प्रदीप बागची, बड़गाई अंचल के सीआई भानु प्रताप प्रसाद, अफसर अली, इम्तियाज अहमद, तलहा खान और सद्दाम हुसैन शामिल हैं। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सात आरोपितों में से एक आरोपित को जेल भेज दिया था। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 13 अप्रैल को सेना के जमीन घोटाले मामले में रांची के पूर्व ईडी छवि रंजन सहित बंगाल, झारखंड और बिहार सहित 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान ईडी ने सात लोगों को गिरफ्तार किया था। छापेमारी में जमीन से जुड़े कागजात ईडी के हाथ लगे थे। पूछताछ में ईडी को कई जानकारियां भी मिलीं। इस मामले में ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन से पूछताछ कर चुकी है।

स्पाइसजेट ने कैंसिल कर दी गुवाहाटी-जयपुर फ्लाइट, यात्री परेशान

जयपुर: स्पाइस जेट की असम के गुवाहाटी से जयपुर के लिए संचालित फ्लाइट गुरुवार को बिना कारण बताए कैंसिल कर दी गई। इससे फ्लाइट में जयपुर के लिए सफर करने के इच्छुक यात्री गुवाहाटी एयरपोर्ट पर ही फंस गए। इस संबंध में जब यात्रियों ने स्पाइस जेट के प्रबंधन अधिकारियों से एकाएक फ्लाइट कैंसल करने की एवज में कनेक्टिंग फ्लाइट मांगी तो उन्हें 10-15 हजार रुपये अतिरिक्त खर्च करने को कहा गया। जो यात्री गुवाहाटी एयरपोर्ट पर अटके हैं, उनमें अधिकांश पैसेंजर टूरिस्ट हैं, जो अपना होटल खाली करके एयरपोर्ट पहुंचे थे। जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी में महासचिव आलोक पारीक ने इसकी पुष्टि की है। पारीक अपने परिवार के साथ निजी काम से गुवाहाटी गए थे। वापसी में उन्हें गुरुवार सवेरे गुवाहाटी से फ्लाइट पकड़नी थी। फ्लाइट का समय सुबह 10:40 का था और सभी यात्री एयरपोर्ट पहुंच चुके थे। लेकिन, फ्लाइट के रवाना होने से करीब 40 मिनट पहले घोषणा की गई कि फ्लाइट तकनीकी कारणों से रद्द की जाती है। इससे जयपुर और दूसरे शहरों के लिए आने वाले 288 यात्री गुवाहाटी एयरपोर्ट पर फंस गए। जानकारों ने बताया कि इस फ्लाइट में 288 यात्री जयपुर आ रहे थे, लेकिन अचानक एयरलाइंस ने फ्लाइट को रद्द कर दिया और दूसरी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। ऐसे में जो यात्री गुवाहाटी एयरपोर्ट पर फंसे हैं उन्हें या तो दोबारा होटल बुक करना पड़ेगा या फिर एयरपोर्ट पर ही पूरा दिन और रात काटनी पड़ेगी।

'विकास के लिए विजन और योग्य नेतृत्व चाहिए'

प्रधानमंत्री मोदी का विजन ही हमारा मिशन, मुख्यमंत्री ने नगर निकाय चुनाव प्रचार के तहत फिरोजाबाद में जनसभा की

टीम एक्शन इंडिया/फिरोजाबाद

विकास के लिए विजन और योग्य नेतृत्व चाहिए। प्रदेश के विकास के लिए सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। 2014 के पहले देश में कांग्रेस और प्रदेश में समाजवादी पार्टी के फेल इंजन यूपी के विकास को पीछे लेकर जा रहे थे। वहीं डबल इंजन की सरकार उत्तर प्रदेश के विकास को डबल स्पीड के साथ आगे बढ़ा रही है और विकास के कार्यों को धरातल पर उतार रही है। विकास की इस स्पीड को तीन गुना बढ़ाने के लिए अब सरकार को ट्रिपल इंजन चाहिए। इसके लिए आपको इस निकाय चुनाव में भाजपा के सभी प्रत्याशियों को जिताना होगा। इससे विकास कार्यों के लिए केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से आने वाले पैसे का सही उपयोग हो पाएगा।यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को फिरोजाबाद में जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नगर निकाय चुनाव प्रचार के तीसरे दिन गुरुवार को फिरोजाबाद पहुंचे, जहां उन्होंने तिलक इंटर कॉलेज के मैदान में एक जनसभा में उपस्थित भारी भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश के शहर शोहदों के आतंक से भयभीत नहीं है बल्कि सेफ सिटी के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। यूपी की शहर कूड़े के ढेर नहीं बल्कि स्मार्ट सिटी के रूप में अपना जलवा बिखेर रहे हैं। 2017 के पहले पार्टी विशेष के लोग तमंचा लेकर घूमते थे, जो व्यापारियों और आम नागरिकों को भयभीत करते थे।

आज नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के युवा अपने हाथ में टैबलेट लेकर चलते हैं। प्रदेश के दो करोड़ युवाओं को हमारी सरकार टैबलेट और स्मार्ट फोन उपलब्ध करा रही है। सेफ सिटी, इंट्रीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर हैं। हंट सिटी सर्विलांस के माध्यम से ट्रैफिक, स्वाथ्य और स्वच्छता के कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं।

आज मिल रहा है ब्याज मुक्त ऋण: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति दी। यह शिक्षा नीति भारत और यूपी के टैलेंट को टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग के साथ जोड़कर स्थानीय स्तर पर नौकरी उपलब्ध कराने का बहुत अच्छा माध्यम बनेगी। 2017 के पहले गरीबों की जमीन और मकान कब्जा कर लिए जाते थे। आज गरीबों को मकान दिया जा रहा है। पहले व्यापारियों और पटरी दुकानदारों से रंगदारी वसूली जाती थी। आज उन्हें पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है।

2014 के पहले देश के सामने पहचान का संकट था: मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के पहले देश के सामने पहचान का संकट था। भ्रष्टाचार चरम पर था। युवा परेशान था। दुनिया के अंदर भारत का कोई सम्मान नहीं रह गया था। विकास के कार्य केवल पंच वर्षीय योजना तक ही सीमित रह गए थे। न सुरक्षा थी और न सम्मान था। किसान परेशान थे, नौजवान पलायन के लिए मजबूर थे। देश के अंदर आत्महत्याओं का दौर चल रहा था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद स्थितियां बदली। उन्होंने नए भारत का निर्माण किया। साथ ही एक भारत और श्रेष्ठ भारत की तस्वीर हम लोगों के सामने प्रस्तुत की। आज हर भारतवासी को दुनिया में सम्मान प्राप्त हो रहा है। अब दुनिया में जब भी कोई संकट आता है तो विश्व बिरादरी भारत की तरफ देखती है। आज भारत की पहचान टैलेंट, टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग के तौर पर हो रही है। आज नए भारत में तुष्टिकरण नहीं होता है बल्कि अपने नागरिकों के सशक्तिकरण पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि करोड़ लोगों को शौचालय, घर और राशन मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का विजन ही हमारा मिशन है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक और नगर निगम एवं नगर निकाय के भाजपा उम्मीदवार मौजूद थे।

रामनवमी हिंसा: हाईकोर्ट के फैसले से तृणमूल नाखुश

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में रामनवमी के दौरान हावड़ा, हुगली और डालखोला में हुई सांप्रदायिक हिंसा की कलकत्ता हाईकोर्ट ने एनआईए जांच का आदेश दिया है। हाई कोर्ट के इस आदेश पर जहां सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस नाखुश दिखी वहीं भारतीय जनता पार्टी ने इसका स्वागत किया है। गुरुवार को कोर्ट के आदेश के बाद तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने रामनवमी की शोभायात्रा में बंदूक लेकर शामिल हुए एक युवक की तस्वीर साझा की और लिखा कि केंद्रीय एजेंसियां भारतीय जनता पार्टी को बचाती हैं। मुंगेर के हथियारबंद लोगों को बचाने की कोशिश है। केंद्र और भाजपा का एक ही प्लॉट है कि पहले सांप्रदायिक उन्माद फैलाओ उसके बाद एनआईए को प्रवेश करने के लिए मंच बना दो। उसके बाद राजनीति करो। भाजपा शासित राज्यों में एनआईए क्यों नहीं जाती? जैसे

प्रतिक्रिया

एक युवक की तस्वीर साझा की और लिखा कि केंद्रीय एजेंसियां भारतीय जनता पार्टी को बचाती हैं: टीएमसी

सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में शुभेंदु का नाम रखने के बावजूद उनके भाजपा में होने की वजह से उन्हें गिरफ्तार नहीं किया ठीक उसी तरह से एनआईए करेगी। इधर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, "कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत है। कोर्ट ने कहा है कि हिंसा की जांच के सारे दस्तावेज एनआईए को देने होंगे। हिंसा की घटनाएं पूर्व नियोजित थीं और एक खास समुदाय से ताल्लुक रखने वाले तृणमूल समर्थकों की ओर से की गई। यह तभी हुआ जब एक दिन पहले ममता बनर्जी ने उकसावे वाला भाषण दिया था।

काशी में गंगा सप्तमी पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, गंगा का किया दुग्धाभिषेक।

'उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में हिमस्खलन की संभावना'

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

राजधानी देहरादून में मौसम का मिजाज बदल गया है। गुरुवार को एक बजे यहां बादलों का आना शुरू हुआ और पौने दो बजे के आसपास बारिश होने लगी। इसी तरह प्रदेश के अन्य जिलों में भी मौसम खराब रहने की संभावना है। राज्य सरकार ने पहले ही चारधाम आने वाले यात्रियों को मौसम को लेकर चेतावनी दे रखी है। उत्तराखंड मौसम विभाग ने प्रदेश में आने वाले चार दिन तक जहां मौसम खराब रहने का अनुमान जताया है वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में हिमस्खलन होने के आसार हैं। मौसम विभाग के वैज्ञानिक रोहित थपलियाल का कहना है कि उत्तराखंड में अगले दो से चार दिनों तक मौसम खराब रहने की संभावना हैं। केदारनाथ धाम में भी अगले कुछ दिनों में बर्फबारी के अलर्ट के मद्देनजर जिलों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में आने वाले चार दिन मौसम खराब रहने के साथ ही डीजीआरई चंडीगढ़ की ओर तीन जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। डीजीआरई चंडीगढ़ के अनुसार उत्तरकाशी, चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों को अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

राज्यपाल ने चारधाम साथी मोबाइल एप किया लांच

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को राजभवन से स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी के चारधाम साथी मोबाइल एप्लीकेशन को लांच किया। इस मोबाइल एप का उद्देश्य से चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को स्वास्थ्य जरूरतों की जानकारी उपलब्ध कराना है। इस मोबाइल एप के जरिए यात्री नजदीकी विवेकानंद हेल्थ मिशन चिकित्सालय की जानकारी, वहां उपलब्ध सेवाएं, आपातकालीन नम्बर की जानकारी आदि प्राप्त कर सकेंगे। विवेकानंद हेल्थ मिशन चारधाम यात्रा स्थानों में ये सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराएगा। यह मोबाइल एप प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी की सेवा और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि चारधाम में आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य सुविधा को यह मोबाइल एप बेहद उपयोगी साबित होगा। उन्होंने इस पहल की सराहना की और कहा कि सोसाइटी ने उत्तराखंड में 11 स्थानों पर अपने चिकित्सालय स्थापित किए हैं जो विवेकानंद हेल्थ मिशन के सेवाभाव को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी बद्रीनाथ स्थित चिकित्सालय में भ्रमण किया है। अभी तक हेल्थ मिशन सोसाइटी ने लाखों मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी हैं जो अपने प्रशंसनीय है।

मजदूर नेतृत्व खत्म कर रही है सरकार: उद्धव

टीम एक्शन इंडिया/मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि सरकार मजदूर नेतृत्व खत्म कर रही है। सरकार मजदूर नेतृत्व की जगह ठेकेदारों को पाल रही है और उनसे काली कमाई कर रही है। यह मजदूर वर्ग के लिए घातक साबित हो रहा है। उद्धव ठाकरे आज भारतीय कामगार सेना के 55वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मुंबई में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना की स्थापना को 56 साल हो गए और भारतीय कामगार सेना की स्थापना को 55 साल हो गए हैं। शिवसेना के साथ भारतीय कामगार सेना की स्थापना भूमिपूत्रों को रोजगार देने के लिए की गई थी और यह काम आज भी जारी है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने जय जवान, जय किसान, नारे में जय कामगार नारा जोड़ा था। बालासाहेब ठाकरे कहते थे कि सरकार को संवेदनशील होना चाहिए। कोई भी मोर्चा आ रहा है तो मोर्चे को पुलिस के डंडे से दबाना नहीं चाहिए बल्कि जिस विभाग के विरुद्ध मोर्चा है।

सर्वे में खुलासा

अरेंज मैरिज 3 साल में 68% घटी, 1-3 महीने में ही शादी का फैसला कर लेता है कपल

देश में लव मैरिज का क्रेज बढ़ा: वेडिंग वायर इंडिया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

भारत में लव मैरिज अब सामान्य होती जा रही हैं। अरेंज मैरिज पिछले तीन साल में ही 24% घट गई हैं। वेडिंग वायर इंडिया के सर्वे के अनुसार, साल 2020 में करीब 68% नए जोड़ों ने कहा कि उनकी शादी अरेंज थी, लेकिन 2023 में सिर्फ 44% नए जोड़ों ने अरेंज मैरिज की बात कही। इस सर्वे रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 41% जोड़े अपनी शादी की योजना 4-6 महीने पहले बना लेते हैं, लेकिन 32% जोड़े 1 से 3 महीने में ही शादी का फैसला ले लेते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में 72% मामलों में एंगेजमेंट का समय 6 महीने से कम होता है, जबकि दूसरे देशों में यह कई साल तक हो सकता है। इसलिए यहां जोड़ों को शादी की योजना बनाने के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। अब शादी की योजना बना रहे जोड़े ऑनलाइन संसाधनों का ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं।

वेडिंग कंपनियां भी इस ट्रेंड में खुद को ढाल रही हैं: वेडिंग वायर इंडिया के मार्केटिंग हेड अनम जुबैर बताते हैं कि भारत का शहरी मध्य वर्ग लव मैरिज को सहज तौर पर स्वीकार कर रहा है। वे लव मैरिज को भी अरेंज की तरह ही पूरे तौर-तरीके से कर रहे हैं। वेडिंग कराने वाली कंपनियां भी अब इस ट्रेंड के अनुसार खुद को ढाल रही हैं।

जोड़े शादियों की ऑनलाइन प्लानिंग कर रहे: भारत में जेन जेड जोड़े अब शादी बाजार के नए ग्राहक हैं, लेकिन वे अपनी शादी की बजटिंग से वेंडर ढूंढने तक का सारा काम ऑनलाइन कर रहे हैं। वेडिंग वायर इंडिया के सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, वेडिंग के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने में 11% बढ़ोतरी हुई है। बैचलर्स, सिंगलहुड, सोलोगैमी, सिंगल वुमन जैसे शब्द अब ट्रेंड बनते जा रहे हैं।